हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी



आपका जीवन प्रकाशमय हो

शुभ दीपावली

गणेश-लक्ष्मी पूजन का श्रेष्ठ मुहूर्त
शाम 5:54 बजे से रात 7:50 बजे तक





दिपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

KUBER DAIRY

हमारी शाखाएं
+ डी.आई.जी. बंगला
+ लालघाटी + करोंद + सोनागिरी
+ गुलमोहर + अरेरा कॉलोनी
+ अयोध्या बायपास + अवधपुरी
+ बागमुंगलिया डेरी एवं रेस्टोरेंट

रिश्तों में घोले मिठास
SINCE 1967 Nerbada SWEETS & RESTAURANT
दीपावली की हार्दिक शुभकामनायें
वंगाली स्वीट्स मिल्क स्वीट्स ट्रेडिशनल स्वीट्स खोया स्वीट्स
विभिन्न प्रकार के नमकीन ड्रायफ्रूट गिफ्ट बॉक्स
स्वयं द्वारा निर्मित शुद्ध मावे की मिठाईयाँ उपलब्ध
1, 2 & 3 टॉयल मार्केट, भोपाल फोन 0755-2540507, 4044399 | D-62, कृष्णा प्लाजा, नियर संत जी कि कुटिया, बैरागढ़ फोन 2644555

THANK YOU FOR GIVING US
A PLACE IN YOUR FESTIVALS,
& IN YOUR HEARTS.
Happy Diwali Bhopal
MANOHAR SINCE 1970
35 YEARS A LEGACY of TASTE
ATUL
For Enquiries, Call: 91111 49900

विकासशील भोपाल का
सबसे दमदार बिज़नेस एड्रेस
मेफेयर : 10-लेन अयोध्या बायपास पर
LAUNCH OFFER 5% Discount* Extra Savings with Special Payment Plans
शुभ दीपावली
MAYFAIR A Premium Commercial Hub
RERA No.: P-BPL-26-6584
AYODHYA BYPASS ROAD
BOOKINGS OPEN
SHOPS & OFFICE SPACES
550+ घरों से बने अपेक्षाकृत कैपसल के बीच | 950+ दुकानें और ऑफिस स्पेसेज
रियल एस्टेट
अयोध्या बायपास पर लॉन्च हुआ प्रीमियम कमर्शियल सेंटर 'मेफेयर'
भोपाल। स्वोमन बिल्डकॉन ने 10-लेन अयोध्या बायपास पर प्रीमियम कमर्शियल प्रोजेक्ट 'मेफेयर' लॉन्च किया है। यह 35+ एकड़ की टाउनशिप का हिस्सा है। इसमें 950+ दुकानें और ऑफिस स्पेस, साथ ही 550+ घर होंगे।
प्रोजेक्ट में 50 फीट चौड़ी एंट्रेंस, हाई-स्पीड लिफ्ट और एस्केलेटर होंगे। फाउंड डेली दुकानें बनेंगी। साथ ही 2 लेवल बेसमेंट पार्किंग, CCTV और फायर सेफ्टी की सुविधा रहेगी। रिसॉर्ट, रेस्टोरेंट, डी-मार्ट और ट्रॉमा हॉस्पिटल पास में है।
35 ACRE TOWNSHIP
GLOBUS BUILDCON 30+ वर्ष का अनुभव, 30+ प्रोजेक्ट्स
From successful developments along the 24 km Hoshangabad Road - Bairagarh corridor, to premium investment opportunities in the new Master Plan's proposed Growth Corridor.
A Proven Legacy. A New Opportunity. Be A Part of the Next Big Growth Story!
Aquarius
Mansarovar Complex Opposite RKMP Station | Aashima Mall Hoshangabad Road | Coral Woods Hoshangabad Road | Green Bay Mubarakpur | Krishnanchal Idgah Hills | Green Acres Lalghati | The Bellaire Airport Road | Krishna Plaza Bairagarh
Call for Bookings: 9669697303, 9669696178, 9202907242, 8458907242
Site Address: 15, अयोध्या बायपास, नरेला शंकरी, संतोष विहार, निशातपुरा, भोपाल
*Terms & Conditions Apply
SCAN FOR LOCATION SCAN FOR BROCHURE

सेन्ट ईज़ मोबाइल ऐप
(CENT EEZ MOBILE APP)
के साथ बैंकिंग करें और भी स्मार्ट, तेज़ और आसान
आपका ऑल-इन-वन (सर्व-समावेशी) डिजिटल बैंकिंग समाधान, जो आपकी विविध जरूरतों को कभी भी, कहीं भी प्रबंधन करने के लिए डिजाइन किया गया है।
- जमा (डिपॉजिट), ऋण (लोन) और बिल भुगतान प्रबंधित करें
- म्यूचुअल फंड, आईपी और निवेश के अवसर तलाशें
- आसानी से बीमा समाधान प्राप्त करें
- आकर्षक रिवार्ड्स और विशेष सुविधाओं का लाभ उठाएं
- सरल, सुरक्षित और सुविधाजनक बैंकिंग अनुभव
CentEEZ Ab Life Aasaan
आज ही सेन्ट ईज़ मोबाइल ऐप डाउनलोड करें!
Follow us on : 9223901111 | 1800 30 30 | 6364861866 | www.centralbank.bank.in

दीपावली
खुशियों, उमंग और रोशनी का महापर्व

Milan Sweets & Namkeen
सभी शहरवासियों को
मिलन स्वीट्स एण्ड नमकीन
की ओर से
दीपावली
की
हार्दिक शुभकामनाएं
189, Maharana Pratap Nagar, Bhopal
0755-2553237

शुभ दीपावली
AKSHAY JEWELLERS
A LEGACY OF TRUST SINCE 1915
सोने के सिक्के उपलब्ध हैं
Jewellery SHOPPING FESTIVAL
11 Oct – 11 Nov 2026
ON EVERY GOLD AND DIAMOND PURCHASE GET GOLD COIN FREE*
10,000+ NEW DESIGNS
20% OFF DIAMOND VALUE
20% OFF MAKING CHARGES
पुराने सोने के एक्सचेंज पर 0% कटौती*
अक्षय ज्वैलर्स
23, मालवीय नगर, राजभवन रोड, भोपाल
89824 06333, 0755-4377555
Website: akshayjewellers.com
VALET PARKING AVAILABLE
FOLLOW US:
T&C Apply



दीपावली भारत के प्रमुख त्योहारों में से एक है। यह पर्व अंधकार पर प्रकाश, बुराई पर अच्छाई और अज्ञान पर ज्ञान की विजय का प्रतीक है। दीपावली का त्योहार पूरे देश में बड़े हर्षोल्लास, उत्साह और उमंग के साथ मनाया जाता है। इस दिन हर घर, आंगन और प्रतिष्ठान दीपों, रंग-बिरंगी रोशनी तथा आकर्षक सजावट से जगमगा उठते हैं।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान श्रीराम 14 वर्षों का वनवास पूरा कर लंका के राजा रावण पर विजय प्राप्त करने के बाद माता सीता और लक्ष्मण जी के साथ अयोध्या लौटे थे। उनके स्वागत में अयोध्यावासियों ने घी के दीपक जलाकर पूरी नगरी को रोशन किया था। तभी से दीपावली मनाने की परंपरा चली आ रही है।

दीपावली के अवसर पर लोग अपने घरों की साफ-सफाई करते हैं और उन्हें फूलों, रंगोली, दीपों तथा आकर्षक विद्युत सजावट से सजाते हैं। शाम को शुभ मुहूर्त में माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की जाती है। ऐसी मान्यता है कि माता लक्ष्मी की कृपा से घर में सुख, समृद्धि और खुशहाली का आगमन होता है। लोग एक-दूसरे को मिठाइयां और उपहार भेंट कर दीपावली की शुभकामनाएं देते हैं।

दीपावली केवल दीप जलाने और खुशियां मनाने का त्योहार नहीं है, बल्कि यह आपसी प्रेम, भाईचारे, सद्भाव और सामाजिक एकता का भी संदेश देता है। इस दिन लोग पुराने मतभेद भुलाकर एक-दूसरे के गले मिलते हैं और रिश्तों में नई मिठास घोलते हैं। व्यापारिक दृष्टि से भी इस पर्व का विशेष महत्व है। व्यापारी वर्ग नए बही-खातों का शुभारंभ कर सुखद भविष्य की कामना करता है।

दीपावली हमें संदेश देती है कि जीवन में चाहे कितना भी अंधकार क्यों न हो, आशा, विश्वास और सकारात्मकता का एक छोटा-सा दीपक भी उसे दूर करने की शक्ति रखता है। आइए, इस दीपावली हम अपने जीवन के साथ-साथ दूसरों के जीवन में भी खुशियों और प्रेम का प्रकाश फैलाएं।

भोपाल की शान-स्टेण्डर्ड इंडिया डेरी फार्म

90 वर्ष पुरानी हुई स्टैंडर्ड डेयरी, रेस्टोरेंट में शहरवासियों को मिलेगा नया जायका स्टैंडर्ड इंडिया डेयरी फॉर्म की शुरूआत वर्ष 1936 में भोपाल शहर में हुई थी। आज इसको 90 वर्ष पूर्ण हो गये हैं।

यहाँ पर देशी घी से बनी मिठाईयां, स्टैंडर्ड नमकीन और चिप्स का स्वाद भोपालवासियों की जुबान को भा गया है साथ ही यहां पर मिलने वाला शुद्ध घी मक्खन पनीर मीठा दही सपरेटा दही, क्रीम मावा और गाय का घी इन सभी चीजो की शुद्धता बहुत अच्छी है। अधिक वैरायटी होने पर भी यहां क्वालिटी से किसी भी तरह का समझौता नहीं होता आपको बता दें कि शहर के ओल्ड भोपाल में कोतवाली रोड स्थित स्टेण्डर्ड इंडिया डेयरी फार्म ने एक नया प्रयास किया है। ताकि भोपाली फूड्स लवर को कुछ नया जायका चखने को मिलें। ऐसे में शहरवासियों को एक रेस्टोरेंट की सौगात दी है। ताकि आप यहां बैठकर सभी प्रकार के फूड्स का स्वाद चख सकें। वहीं रेस्टोरेंट के मैन्यू में कई लजीज पकवान को शामिल किया गया है। यूनानी शफाखाना के पास, नगर निगम पार्क के सामने, कोतवाली रोड।



स्टैंडर्ड डेयरी एण्ड रेस्टोरेंट आपके अपने क्षेत्र में

Every growth story begins at home. Start yours today.
BOI HOME LOAN
EMI ₹ 689 per Lakh
No ceiling on Upper Loan Limit
Takeover/Balance Transfer Facility Available
Top Up Loan facility available on existing Home Loan
Home Loan available for wide range of needs e.g. Renovation/Repair/Purchase of Furnitures etc.
NIL Processing Charges*
Lowest ROI Starting from 7.35%
Bank of India Relationship Beyond banking
Toll Free No.: 1800 220 229 / 1800 103 1906 | 7997987601
Visit : www.bankofindia.bank.in | Follow us on

Make every journey a happy occasion.
BOI Vehicle Loan
EMI starts at ₹1551 per Lakh
NIL Processing Charges*
100% on-road finance for selected Vehicle
Quick document processing
Bank of India Relationship Beyond banking
Toll Free No.: 1800 220 229 / 1800 103 1906 | 7997987601 | Visit : www.bankofindia.bank.in | Follow us on

भोपाल, रविवार 8 नवंबर 2026 ■ कार्तिक मास कृष्ण पक्ष-14 ■ वर्ष : 13, अंक : 219 ■ पृष्ठ : 16+4=20 मूल्य : 4.00 ** haribhoomi.com मौसम अधि. 31, न्यून. 17



तीनों लोकों को ऐश्वर्य और समृद्धि प्रदान करने वाली भगवती लक्ष्मी! आप मुझ पर प्रसन्न होइए

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

सरसिजनिलये सरोजहस्ते धवलतरांशुकगन्धमाल्यशोभे। भगवति हरिवल्लभे मनोज्ञे त्रिभुवनभूतिकरि प्रसीद मह्यम्॥

आपका जीवन प्रकाशमय हो

शुभ दीपावली

गणेश-लक्ष्मी पूजन का श्रेष्ठ मुहूर्त
शाम 5:54 बजे से रात 7:50 बजे तक

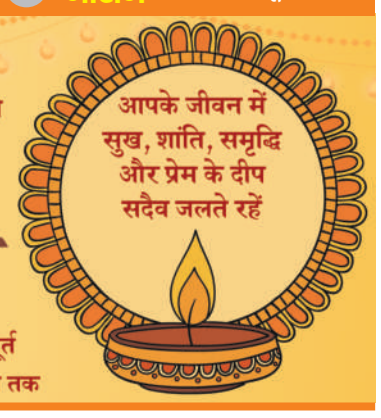





ढोल-नगाड़ों की थाप पर झूमे अयोध्यावासी

अयोध्या में भव्य दीपोत्सव

सरयू के 56 घाट 30 लाख दीयों से जगमग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अयोध्या

भगवान राम की नगरी अयोध्या में शनिवार को 10वें भव्य दीपोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सरयू नदी के किनारे स्थित 56 घाटों पर 30 लाख से अधिक मिट्टी के दीप जलाए गए। दीपों की रोशनी से पूरी रामनगरी जगमगा उठी। दीपोत्सव कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल हुए। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भगवान राम और माता जानकी की पूजा-अर्चना कर आरती उतारी। इसके साथ राम की पैड़ी पर भव्य ड्रोन शो का आयोजन भी किया गया, जिसने दीपोत्सव की छटा को और ▶▶शेष पेज 4 पर

21
झांकियों में रामकथा के साथ योगी सरकार की विकास यात्रा का भव्य प्रदर्शन

बोले मोदी
रोशनी से जगमगा रहा है देश

देश के वीर जवानों के साथ ही मनाऊंगा दिवाली: पीएम

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दीवाली की पूर्व संध्या यानी छोटी दीवाली के अवसर पर पीएम मोदी ने देशावासियों के नाम एक वीडियो संदेश जारी किया। इस वीडियो के माध्यम से पीएम मोदी ने देशवासियों को दीवाली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। साथ ही उनके जीवन में सुख-समृद्धि की कामना की। इसके साथ ही पीएम मोदी ने दोहराया कि इस बार भी वह जवानों के साथ दिवाली मनाने की अपनी पुरानी परंपरा को जारी रखेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक वीडियो संदेश जारी कर देश के लोगों को दीवाली की बधाई दी। उन्होंने कहा कि रोशनी का यह पावन पर्व देश में चारों ओर उत्साह भर देता है और यह ▶▶शेष पेज 4 पर





दिवाली पर्व की शुभकामनाएं

दिवाली के अवसर पर सुधि पाठकों, विज्ञापनदाताओं, एजेंसियों और हॉकर बंधुओं समेत सभी शुभचिंतकों को हार्दिक शुभकामनाएं।

अवकाश

इस अवसर पर 08 नवंबर रविवार और 09 नवंबर सोमवार को हरिभूमि कार्यालय में अवकाश रहेगा। 11 नवंबर बुधवार को आपका यह प्रिय अखबार आपके हाथों में होगा।

प्रधान संपादक

भारत ने न्यूजीलैंड को चार रन से हराया

वेलिंगटन। भारत ने दूसरे वनडे में न्यूजीलैंड को डकवर्थ-लुईस नियम के तहत चार रन से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली। न्यूजीलैंड की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 41 ओवर में 134 रन पर सिमट गई थी। जवाब में 135 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने 26 ओवर में सात विकेट पर 113 रन बनाए। जीत के लिए 22 रन चाहिए थे।





चित्रकूट : मंदाकिनी में दीपदान करते सीएम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चित्रकूट में मंदाकिनी नदी में किया दीपदान, कहा

महाकाल लोक की तरह बनेगा रामराजा व वनवासी राम लोक

» मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन की मंशा है कि सरकार की सभी जनहितैषी नीतियां अपने मूल उद्देश्य से सफल सिद्ध हों

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जहां अन्य देशों में पर्यटन की दृष्टि से ही विभिन्न स्थानों का विकास होता है, वहीं हमारे देश में नागरिकों के लिए तीर्थाटन की दृष्टि से धार्मिक महत्व के स्थानों के समग्र विकास पर ध्यान दिया जाता है। भारतीय संस्कृति की यही विशेषता है कि ऐसे स्थानों पर आने से सभी के मनोभाव पावन हो जाते हैं।

चित्रकूट क्षेत्र का विकास भी इसी अवधारणा पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि उज्जैन के महाकाल लोक की तरह ओरछा में राम राजा लोक और चित्रकूट में भव्य वनवासी राम लोक का निर्माण किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीपावली पर्व के अवसर पर भगवान श्री राम की तपोभूमि सतना जिले के चित्रकूट पहुंचकर पवित्र मंदाकिनी नदी में दीपदान किया। उन्होंने प्रदेश और देश के नागरिकों की सुख समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री ▶▶शेष पेज 4 पर

भारतीय संस्कृति में सिर्फ पर्यटन नहीं, तीर्थाटन की भावना महत्वपूर्ण



ओरछा में रामराजा दरबार में सीएम डॉ. मोहन यादव झांझ बजाते हुए

» *ओरछा में 126.96 करोड़ की लागत से बन रहा भव्य श्री रामराजा लोक*

» *धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों के विकास का वातावरण बना*

धार्मिक पर्यटन को नई पहचान मिली

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार को छोटी दीपावली पर निवाड़ी जिले की धार्मिक एवं पर्यटन नगरी ओरछा पहुंचे थे। उन्होंने विश्व प्रसिद्ध श्रीरामराजा सरकार मंदिर पहुंचकर दर्शन एवं विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री श्रीरामराजा सरकार के मनोहारी स्वरूप के दर्शन कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, प्रगति और खुशहाली की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि ओरछा का श्रीराम राजा मंदिर हम सभी के लिए आस्था और श्रद्धा का केंद्र है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार बनने के बाद श्रीरामराजा लोक के विकास एवं निर्माण के ▶▶शेष पेज 4 पर

लोक के सभी विकास कार्य समय सीमा में पूरे हों

मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन की मंशा है कि समाज के सभी वर्गों, किसानों, युवाओं, गोपालकों सहित प्रत्येक नागरिक का कल्याण हो तथा सरकार की सभी जनहितैषी नीतियां अपने मूल उद्देश्य से सफल सिद्ध हों। धार्मिक पर्यटन के इस अद्भुत केंद्र ओरछा में भी विकास और समृद्धि के नए आयाम स्थापित हों, इसके लिए सरकार निरंतर प्रयासरत है। मुख्यमंत्री ने जिम्मेदार अधिकारियों को श्रीरामराजा लोक के तहत चल रहे सभी श्रेणियों के निर्माण एवं विकास कार्यों को तय समय-सीमा में पूरी गुणवत्ता के साथ पूरे करने के निर्देश दिए हैं।

मिठाई है या ये कोई गोल्ड कॉइन?

मिठाई का 9 ग्राम का टुकड़ा 1111 रु. का, 1.23 लाख रुपए प्रति किलो



ऐतिहासिक और शाही परंपरा को दिया नया रूप

एजेंसी ▶▶ जयपुर

जयपुर के मिठाई बाजार में एक ऐसी नायाब और शाही मिठाई ने दस्तक दी है, जिसकी कीमत और अनोखे अंदाज ने हर किसी को हैरान कर दिया है। 'त्योहार अशर्फी' नाम की यह खास मिठाई सोशल मीडिया से लेकर हर आम और खास लोगों की जुबान पर चर्चा का विषय बनी हुई है। स्वाद में शाही और दिखने में बिल्कुल सोने के सिक्के जैसी इस मिठाई की कीमत ▶▶शेष पेज 4 पर

हाईकोर्ट ने एनपीएस का पैसा ओपीएस में ट्रांसफर करने का दिया आदेश

प्रदेश के 99 हजार शिक्षकों को मिलेगी 'पुरानी पेंशन'



सरकार की सभी दलीलें कर दीं खारिज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ग्वालियर

प्रदेश में पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) की मांग कर रहे 2005 से पहले भर्ती हुए शिक्षकों को हाईकोर्ट से राहत मिली है। ग्वालियर हाईकोर्ट ने कहा कि जब सरकार शिक्षकों की पुरानी सेवा को मान्य कर उन्हें वरिष्ठता और प्रमोशन का लाभ दे रही है, तो उन्हें पुरानी पेंशन के लाभ से ▶▶शेष पेज 4 पर

डिप्टी रेंजर का वीडियो वायरल

अवैध उत्खनन की रिश्वत का 'ऊपर' तक पहुंचने का दावा

वन विभाग ने दिए जांच के आदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छतरपुर

छतरपुर में वन विभाग के डिप्टी रेंजर भास्कर खरे का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वे अवैध उत्खनन और वनभूमि पर कब्जे के बदले मिलने वाली रिश्वत की रकम ऊपर तक पहुंचने का दावा कर रहे हैं। उन्होंने पटवारी से लेकर कलेक्टर कार्यालय के कर्मचारियों तक रिश्वत का पूरा तंत्र चलने की बात कही है। वीडियो में डिप्टी रेंजर सागौन सहित कीमती लकड़ियों की कटाई, रेत-मुरम के अवैध उत्खनन और वनभूमि पर कब्जा कर खेती कराने के बदले पैसों के लेन-देन का



जिक्र कर रहे हैं। उनका दावा है कि यह गोरखधंधा कई वर्षों से चल रहा है और इसमें निचले स्तर से लेकर वरिष्ठ अधिकारियों तक की मिलीभगत है। हालांकि, वीडियो में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। मामला सामने आने के बाद वन मंडलाधिकारी ऋषि मिश्रा ने जांच के आदेश दिए हैं। भास्कर खरे ने सफाई देते हुए कहा कि वीडियो ▶▶शेष पेज 4 पर

5 शहरों की एयर क्वालिटी बिगड़ी

दिवाली से पहले ही मप्र के कई शहरों में हवा जहरीली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

दिवाली से पहले ही प्रदेश के कई शहरों की हवा खराब हो गई है। सबसे ज्यादा प्रदूषित शहर ग्वालियर है। यहां तीन मॉनिटरिंग स्टेशनों पर एक्यूआई 300 के पार दर्ज किया गया। इसके अलावा भोपाल की हवा भी प्रदूषित हो गई है। राजधानी के पर्यावरण परिसर में एक्यूआई 261 दर्ज किया गया, जो खराब श्रेणी में आता है। यहां पीएम 2.5 प्रमुख प्रदूषक है। ग्वालियर और भोपाल के अलावा इंदौर, उज्जैन और मंडीदीप की हवा भी खराब हो गई है। इंदौर में एक्यूआई 233, उज्जैन में 229 और मंडीदीप में 251 दर्ज किया गया। राजधानी भोपाल में भी हवा की स्थिति चिंताजनक है। टीटी नगर में एक्यूआई 183 और ईदगाह हिल्स में 141 दर्ज किया ▶▶शेष पेज 4 पर



ग्वालियर सबसे प्रदूषित एक्यूआई 300 पार

गीता के संदेश ने बदला फैसला

राजनीति में उतरने से पहले खुद से जूझ रही थीं सोनिया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी राजनीति में आने को लेकर लंबे समय तक असमंजस में थीं। पति और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 1991 में हत्या के बाद वह राजनीति की दुनिया से दूर रहना चाहती थीं। लेकिन परिवार की जिम्मेदारियों और कांग्रेस पार्टी की स्थिति को लेकर उनके मन में चल रहे संघर्ष के बीच भगवद्गीता ने उन्हें रास्ता दिखाया। सोनिया गांधी ने अपनी नई किताब 'बिलॉन्गिंगः अ जर्नी ऑफ लव' में राजनीति में सक्रिय होने से पहले के अपने मानसिक संघर्ष और उथल-पुथल का जिक्र किया है। उन्होंने बताया कि 1990 के दशक के आखिरी वर्षों में जब कांग्रेस मुश्किल दौर से गुजर रही थी, तब हर ▶▶शेष पेज 4 पर



मुझे अपने संदेहों और सवालों का जवाब मिल गया

7 दिन के रेस्ट के बाद शूटिंग संभव

अमिताभ की सेहत बिगड़ी केबीसी की शूटिंग बंद हुई

एजेंसी ▶▶ मुंबई

अभिनेता अमिताभ बच्चन की तबीयत ठीक नहीं होने के कारण लोकप्रिय क्विज शो कौन बनेगा करोड़पति (केबीसी) की शूटिंग पिछले एक सप्ताह से रुकी हुई है। शो के निर्माताओं ने फिलहाल नए एपिसोड की शूटिंग रोकने का फैसला किया है। अमिताभ पिछले कुछ समय से अच्छा महसूस नहीं कर रहे हैं। अमिताभ ने शनिवार को अपने ब्लॉग में कामकाज की पुरानी दिनचर्या में धीरे-धीरे लौटने की बात कही। उन्होंने लिखा कि रोजमर्रा की जिंदगी से दूर रहने के बाद फिर उसी रफ्तार में ढलना आसान नहीं होता। कभी-कभी उन्हें चश्मा और मोबाइल तक याद नहीं रहता, लेकिन स्कूल के आठवीं कक्षा के दिनों की बातें आज भी याद ▶▶शेष पेज 4 पर



'रामायण' वाला एपिसोड पहले ही हो चुका टेलीकास्ट

बाघ के शरीर के सभी अंग सुरक्षित

खुरमुंडी के जंगल में मिला नर बाघ का शव, करंट से मौत!

सलीम शाह ▶▶ बालाघाट

उत्तर सामान्य वनमंडल बालाघाट के पूर्व बैहर परिक्षेत्र अंतर्गत खुरमुंडी बीट के कक्ष क्रमांक 1582 में शनिवार 7 नवंबर को एक नर बाघ का शव मिलने से वन विभाग में हड़कंप मच गया। प्रारंभिक जांच में बाघ की मौत विद्युत करंट लगने से होने की आशंका जताई जा रही है। मामले में संदेह के आधार पर दो व्यक्तियों से पूछताछ की जा रही है। उत्तर सामान्य वन मंडल के वन मंडलाधिकारी रेशम सिंह धुर्वे ने बताया कि खुरमुंडी बीट में बीट गार्ड द्वारा सुबह नियमित गश्त की जा रही थी। इसी दौरान गुरार नाला के पास बाघ का मृत शरीर दिखाई दिया। बीट गार्ड ने तत्काल इसकी सूचना परिक्षेत्र सहायक एवं परिक्षेत्र अधिकारी को दी। सूचना मिलते ▶▶शेष पेज 4 पर



संदेह के आधार पर दो व्यक्तियों से पूछताछ

इलाके में रहने वाले एक युवक पर परिजन ने जताया संदेह

बुजुर्ग महिला की मौत के बाद परिजनों ने किया कलेक्टोरेट के सामने शव रखकर किया एक घंटे तक चक्काजाम, आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

शाहजहांनाबाद थाना क्षेत्र स्थित वाजपेयी नगर मल्टी में 75 साल की बुजुर्ग कलरी देवी का परिजन ने शनिवार को अंतिम संस्कार किया। अंतिम संस्कार से



पहले परिजन शव लेकर कलेक्टोरेट के सामने ले गए। वहां शव रखकर चक्काजाम करते हुए हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग की। चक्काजाम की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी करने की बात कही। इसके बाद भी परिजन का गुस्सा शांत हो सका। पुलिस के अनुसार 75 साल की कलरी देवी वाजपेयी नगर मल्टी में रहती थी। उनका बेटा मूकबधिर है और श्यामला हिल्स के शासकीय दफ्तर में नौकरी करता है। कलरी देवी बेटा और बीस साल का नाती की साथ रहती थी। दोनों गुरुवार को अपने अपने काम पर गए थे। कलरी देवी घर पर अकेली थी। दोपहर दो बजे पड़ोस में रहने वाली महिला से उनकी बातचीत हुई। शाम चार बजे महिला चाय देने कलरी देवी के फ्लैट पर पहुंची तो उन्होंने कलरी देवी का शव बाथरूम के पास पड़ा देखा था। नाक, कान और मुंह से खून निकल रहा था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया। निरीक्षण में पता चला कि हत्या लूटपाट की नीयत से की गई थी। हत्यारे ने उनके कान के टॉप्स, नाक की लोंग और मुंह में लगा सोने का दांत उखाड़ लिया था। परिजन ने इलाके में रहने वाले एक युवक पर संदेह जताया है।



कलेक्टोरेट के सामने प्रदर्शन चक्काजाम कर के करते परिजन।

शॉर्ट पीएम में दम घुटने से मौत

शॉर्ट पीएम रिपोर्ट में कलरी देवी की मौत दम घुटने से होने की पुष्टि हुई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि किसी रस्सीनुमा वस्तु से उनका गला कसकर घोंटा गया था। इससे महिला की गला घोंटकर हत्या किए जाने की आशंका जताई जा रही है। मामले में मृतका के परिजनों ने क्षेत्र में रहने वाले एक युवक पर संदेह जताया है। परिजनों का कहना है कि घटना के बाद से ही संबंधित युवक इलाके में दिखाई नहीं दिया है। उन्होंने पुलिस से संदेही युवक को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की है। इसी मांग को लेकर शनिवार को मृतका के परिजनों और परिचितों ने कोहेफिजा से कलेक्ट्रेट की ओर जाने वाली सड़क पर चक्काजाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि इलाके में लगातार आपराधिक घटनाएं बढ़ रही हैं। उनका कहना है कि इससे पहले भी क्षेत्र में इसी तरह की दो हत्याएं हो चुकी हैं। ऐसे में पुलिस को मामले में तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए।

चक्काजाम की सूचना पर पहुंचे पुलिस के अफसर

चक्काजाम की सूचना मिलते ही एसीपी अनिल बाजपेई, कोहेफिजा थाना प्रभारी लोकेंद्र सिंह ठाकुर और शाहजहानाबाद थाना प्रभारी यूपीएस चौहान पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने परिजनों को समझाइश देते हुए भरोसा दिलाया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर जल्द आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस के आश्वासन के बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ।

खबर संक्षेप

मेघराज सिंह चौहान बने कांग्रेस सेवादल के प्रदेश संयुक्त सचिव



औबेदुल्लागंज। मध्यप्रदेश कांग्रेस सेवादल में रायसेन को बड़ी जिम्मेदारी मिली है। जिला अध्यक्ष मेघराज सिंह चौहान को प्रदेश कांग्रेस सेवादल का संयुक्त सचिव बनाया गया है। प्रदेश अध्यक्ष अवनीश भार्गव ने श्री बी.बी. श्रीनिवासन के आदेश पर यह नियुक्ति की है।चार धाम की यात्रा से लौटने के बाद सीधे प्रदेश में पद मिलने पर कार्यकर्ताओं में उत्साह है। बधाई देने वालों में पूर्व विधायक देवेन्द्र पटेल, जिला कांग्रेस अध्यक्ष सबल सिंह चौहान, मनोज स्थापक, नवीन सिंह ठाकुर, जिला सेवादल अध्यक्ष महेश जैन, विमलेश चौधरी, जमुना प्रसाद राजपूत, छोटू जैन, सोनू जैन और वीरेंद्र चौधरी सहित कई साथी शामिल रहे।

ट्विशा की सास गिरिबाला सिंह ने सुप्रीम कोर्ट में लगाई जमानत याचिका

भोपाल। भोपाल के बहुचर्चित एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा की मौत के



मामले में हाईकोर्ट से जमानत याचिका खारिज होने के बाद अब ट्विशा की सास और पूर्व जिला न्यायाधीश गिरिबाला सिंह ने सुप्रीम कोर्ट में जमानत याचिका लगाई है। बता दें कि मप्र हाईकोर्ट (जबलपुर) की एकल पीठ के जस्टिस अजय कुमार निरंकारी ने गिरिबाला सिंह की नियमित जमानत याचिका को खारिज कर दिया था, जिसके बाद उन्होने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है।

हत्या का केस दर्ज कराने की मांग को लेकर थाने में परिजन ने किया था हंगामा

तलैया थाने के सामने युवक की मौत, चचेरे भाइयों पर गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज

नाइट ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों पर दुर्व्यवहार का भी लगाया आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

तलैया थाने में शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात मृतक के परिजन ने हंगामा कर दिया। एक 1 नवंबर की रात विवाद की शिकायत लेकर पहुंचे युवक की थाने के सामने ही हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। परिजन ने सुनवाई न होने की बात कहते हुए हंगामा कर दिया। घटना के बाद से ही मृतक के परिजन हत्या का प्रकरण दर्ज करने की मांग कर रहे हैं। थाना प्रभारी दीपक डहरिया ने बताया कि पीएम रिपोर्ट आने और मर्ग की जांच के बाद विवाद करने वाले दो चचेरे भाइयों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का प्रकरण दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार इस्लामपुरा निवासी माजिद कुरैशी उर्फ



एआई इमेज

कालू (33) प्राइवेट काम करता था। उसने गर्मियों के मौसम में आरिफ की दुकान से उधार में कूलर खरीदा था। आरिफ उससे लगातर उधारी के पैसों की मांग कर रहा था, लेकिन वह कूलर के पैसे नहीं दे रहा था। 1 नवंबर को आरिफ और उसके चचेरे भाई आदिल को पता चला कि माजिद पंचायती मस्जिद के पास किसी दुकान पर काम करने पहुंचा है तो दोनों उसके पास पहुंच गए। माजिद ने कूलर के पैसे मांगे। इस पर विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर माजिद के साथ आरिफ और आदिल ने मारपीट कर दी। दोनों पक्षों की ओर से हुई मारपीट के बाद दोनों पक्ष थाने पहुंचे। पुलिस दोनों पक्षों की ओर से सुनवाई कर रही थी। इसी दौरान माजिद की तबीयत बिगड़ गई। वह थाने के सामने ही बेसुध हो गया। उसने आनन-फानन में पुलिस ने आटो के माध्यम से अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल पहुंचने से पहले उसे उल्टियां हुई और अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टर ने चेक करने पर माजिद को मृत घोषित कर दिया।

पुलिया के नीचे मिली निजी अस्पताल के कर्मचारी की लाश, सिर में चोट के निशान

भोपाल। गांधी नगर थाना क्षेत्र स्थित आईटी पार्क के पास पुलिया के नीचे निजी अस्पताल के कर्मचारी की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। उसके सिर पर चोट के गहरे निशान है। पुलिस का अनुमान है कि नशे में पुलिया से नीचे गिरने के कारण उसे सिर में चोट आई और उसकी मौत हो गई। हालांकि

- पुलिस का अनुमान नशे में गिरने से आई चोट, पुलिस कर रही पीएम रिपोर्ट का इंतजार

पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने का इंतजार कर रही है। रिपोर्ट आने के बाद मौत के सही कारण सामने आ सकेंगे। पुलिस के अनुसार मूलरूप से दमोह निवासी पंकज जाटव पिता मुन्नालाल जाटव (31) आईटी पार्क के पास महावीर अस्पताल में केयरटेकर था। पंकज अस्पताल परिसर में अकेला रहता था। 5 नवंबर की रात में अस्पताल से कहीं जाने के लिए निकला था। उसके बाद लौटा नहीं। अगले दिन 6 नवंबर की शाम को उसकी लाश अस्पताल से कुछ दूरी पर सड़क पर बनी पुलिया के नीचे पड़ी मिली। पुलिया की गहराई करीब 6 फिट है और नीचे पत्थर पड़े हैं। पुलिस का कहना है कि पंकज जाटव के सिर पर चोट के गहरे निशान है, जो संभवत नीचे पड़े पत्थरों पर सिर के बाल गिरने की वजह से आए होंगे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। दमोह से मृतक की बड़ी बहन भोपाल आ गई थी। बड़ी बहन की मौजूदगी में पोस्टमार्टम करने के बाद शव सौंप दिया गया। पुलिस का कहना है कि मृतक अविवाहित था।

शिकायत देर से दर्ज करने और कार्रवाई नहीं होने से परिजन थे नाराज

1 नवंबर को हुई आदिल की मौत के बाद परिजन पुलिस से नाराज थे। परिजन का कहना था कि पुलिस ने शिकायत दर्ज करने में देरी की। उसकी सुनवाई नहीं की। जब उसकी मौत हो गई तो पुलिस ने मारपीट करने वालों पर भी एफआईआर नहीं की।

इधर, पुलिस का कहना था कि पुलिस पीएम रिपोर्ट मिलने का इंतजार कर रही थी। थाना प्रभात प्रभारी दीपक डेहरिया का कहना है कि माजिद कुरैशी को इससे पहले भी अटैक आ चुका था। आरोपी जानते थे कि वह हार्ट का मरीज है। इसके बाद भी

उसके साथ मारपीट की गई। मारपीट और झगड़े का प्रेशर सहन नहीं करने की वजह से माजिद को दोबारा अटैक आया और उसकी मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में आरोपी चचेरे भाइयों के खिलाफ धारा 304 के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

निपानिया जाट के पास हादसा

सड़क पर खड़े डंपर से बचने कार नीचे उतारी, कुए में गिरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

ईंटखेड़ी थाना क्षेत्र स्थित गांव निपानिया जाट के पास सड़क पर खड़े डंपर को बचाने के प्रयास में कार चला रहे दुकानदार ने कार सड़क से नीचे उतार दी। सड़क किनारे कुआं होने से कार कुएं में बाहर की तरफ फंस गई। गेट खोलकर उसमें बैठे दुकानदार और उनके दो साथी किसी तरह बाहर निकल गए थे। उनके बाहर निकलते ही कार कुएं में जा गिरी।

गनीमत रही कि कार पहले ही फंस गई थी और उन्हें उतरने का समय मिल गया, नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था। पुलिस के अनुसार प्रेम सिंह लोधी करोंद्र खुर्द में रहते हैं। उनकी भोपाल में दुकान है। उन्होंने पुलिस को बताया कि शुक्रवार रात वह दुकान पर थे। शनिवार तड़के अपने दो साथियों के साथ कार से गांव जा रहे थे। तड़के तीन बजे के आसपास निपानिया जाट से करोंद्र खुर्द वाली सड़क पर डंपर खड़ा नजर आया। एकाएक डंपर नजर आने से उन्होंने कार सड़क किनारे कार उतार दी। वह इस बात से अंजान थे कि सड़क से कुछ ही दूरी पर कुआं है। कार पर नियंत्रण करते तक कार का अगला हिस्सा कुएं में था। किसी तरह कार से तीनों नीचे उतर गए। कार में वजन कम होने के कारण कार आगे की तरफ झुकी और कुएं में जा गिरी। गनीमत रही कि कुएं में कार गिरने से पहले ही वह उतर गए थे। कुएं की गहराई लगभग तीस फीट के आसपास होगी और उसमें दस फीट पानी भरा था।

हिरानिया में घर-घर पहुंचे पंकज दीपावली की दी शुभकामनाएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ औबेदुल्लागंज

दीपावली के पावन पर्व पर कांग्रेस सेवादल के ब्लॉक महासचिव पंकज शर्मा ने ग्राम हिरानिया में घर-घर पहुंचकर ग्रामीणों को दीपावली की शुभकामनाएं दीं।इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से आत्मीय मुलाकात की और आपसी भाईचारे, प्रेम और सौहार्द के साथ त्योहार मनाने का संदेश दिया। पंकज शर्मा ने कहा कि दीपावली प्रेम, सद्भाव और एकता का प्रतीक है। उन्होंने सभी के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। ग्रामीणों ने भी उन्हें शुभकामनाएं देकर आभार जताया।



ग्राम हिरानिया में ग्रामीणों को दीपावली की शुभकामनाएं देते ब्लॉक महासचिव

दो बच्चों की मां से दो साल साल तक दुष्कर्म, बच्चों से मारपीट

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

छोला मंदिर थाना क्षेत्र में दो बच्चों की मां से दुष्कर्म और दो साल तक दैहिक शोषण का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर दुष्कर्म और बच्चों से मारपीट की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार 30 साल की महिला छोला इलाके में

आरोपी के कहने पर पति से अलग रहने लगी थी पत्नी

रहती है। उसके दो बच्चे हैं। पति शराब पीने का आदी है। उसके घर रवींद्र जैन नामक व्यक्ति का आना-जाना था। रवींद्र जैन महिला के पति और भाई का दोस्त है। महिला ने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि रवींद्र जैन ने दो साल पहले कहा था कि मैं अपनी पत्नी से परेशान हूं। तुम अपने पति से परेशान हो। तुम्हारा पति शराबी है और मारपीट करता है। तुम मेरे साथ रहों मैं तुम्हारा और बच्चों का खर्चा वहन करूंगा। महिला आरोपी की बातों में आ गई और पति से अलग मकान लेकर रहने लगी। वह टिफिन सेंटर चलाती हैं। रवींद्र जैन ने कुछ दिन उसका खर्च उठाया फिर खर्च देना बंद कर दिया।

नगरवासियों ने पूछा - आखिर कब सुधरेगी यातायात व्यवस्था?

बेतरतीब पार्किंग से रोज लगता है जाम, सड़क पर दुकानें और बीच रास्ते खड़ी कारें बनीं मुसीबत

हरिभूमि न्यूज ⏭ औबेदुल्लागंज

नगर में यातायात व्यवस्था इन दिनों पूरी तरह बिगड़ी हुई है। सड़कों पर दुकानों का सामान फैला है, वहीं दोपहिया वाहन सड़क किनारे और कारें बीच सड़क पर खड़ी होने से दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है।नगर में कारों की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन पार्किंग की कोई व्यवस्थित व्यवस्था नहीं है। मुख्य मार्गों पर कई चालक कार बीच सड़क पर खड़ी कर चाय-पान की



दुकानों पर नाश्ता करने चले जाते हैं। इससे पीछे से आने वाले वाहनों को निकलने में भारी परेशानी होती है।स्थानीय लोगों का कहना है कि रोज जाम लगना आम बात हो गई है, लेकिन ट्रैफिक पुलिस की सक्रियता नजर नहीं आती। नगर परिषद भी अतिक्रमण और पार्किंग पर ठोस पहल नहीं कर रही। नगरवासियों ने प्रशासन से बेतरतीब पार्किंग पर रोक, अतिक्रमण हटाने और नियमित पुलिस तैनाती की मांग की है।

दस जुआरी जुआ खेलते पकड़ाए, 1 लाख 54 हजार का माल बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

कटारा हिल्स थाना पुलिस दस जुआरियों को गिरफ्तार कर उनके पास से 28 हजार 110 रुपए की नगदी, ताश की गड्डी और 8 मोबाइल जब्त किए है।

जब्त माल की कीमत 1 लाख 54 हजार 590 रुपए बताई गई है। पुलिस के अनुसार, 6 नवंबर को सूचना मिली थी कि झागरिया स्थित झुग्गी बस्ती की दीवार के पीछे झाड़ियों के बीच खुले मैदान में कुछ लोग ताश के पत्तों पर रुपए का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना मिलते ही कटारा हिल्स पुलिस की टीम ने मौके पर दबिश दी और जुआ खेलते हुए 10 लोगों को पकड़ लिया।

पकड़े गए आरोपियों की पहचान योगेश साहू (34), राहुल सिंह (23), सुनील रैकवार (28), लीलाधर साहू (27), अजय परमार (25), लीलाधर साहू (35), शिवराज पटेल (27), सुरेश बेगा (33), प्रीतम वर्मा (37) और महेश जायसवाल (40) के रूप में हुई है। सभी आरोपी झागरिया और आसपास की बस्तियों के निवासी हैं। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ जुआ अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

बैरागढ़ में दिग्विजय सिंह सहित कई नेताओं का पुतला दहन



हरिभूमि न्यूज ⏭ संतनगर

बैरागढ़ में बागेश्वर धाम के अनुयायियों ने दिग्विजय सिंह, दामोदर यादव, अखिलेश यादव और हर्षा रिझारिया का पुतला जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। आयोजन बागेश्वर धाम के करीबी समर्थक पंडित वृंदावन गर्ग द्वारा किया गया। भाजपा पूर्व जिला उपाध्यक्ष राहुल राजपूत ने कहा कि दिग्विजय सिंह राजनीति की रोटियां सेंकने के लिए बागेश्वर धाम सरकार पर उंगली उठाते हैं, उन्हें माफी मांगनी चाहिए। सिंधी समाज के समर्थक कमल वीधानी ने अखिलेश यादव को चेतावनी दी कि माफी नहीं मांगी या कथा का विरोध किया तो उग्र प्रदर्शन होगा। कार्यक्रम में भूपेंद्र सिंह गुर्जर, योगेश मेवाड़ा, देवेंद्र विश्वकर्मा, भूपेंद्र भार्गव, कन्नू गर्ग, दिनेश त्रिपाठी, रामेश्वर गर्ग, विनय रावत, उमेश नागर, संजय वाधवा सहित कई सनातनी उपस्थित थे।





हीरो मना रहा है भारत की कला शैलियों का जश्न. पेश है तमिलनाडु के **रुबेशकुमार टी** की **तंजौर कला.**

Hero

Hero

भरोसा सोने सा खरा

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ



HF Deluxe Pro

Splendor+ XTEC 2.0

हर दिन एक हीरो टू-व्हीलर® जीतने का मौका पाएं.

सोने का सिक्का और बहुत कुछ जीतने का मौका पाएं®

कैश डिस्काउंट ₹2500~ तक

इंस्टेंट कैशबैक ₹10000^ तक SBI card HDFC BANK pine labs

कम डाउन पेमेंट ₹6999^ से शुरू

कॉर्पोरेट ऑफर्स ₹2200~ तक

For bulk / institutional inquiries, please write to us at : institutionalsales@heromotocorp.com | Available in CSD

INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY* *Conditions apply

Hero GoodLife

Also Available on: Flipkart amazon.in

T&C Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. I CIN: L35911DL1984PLC017354 I For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorized outlet or visit us on www.HeroMotoCorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. ~Offer amount and combination of offer may vary for model/variant and states and it is applicable on select models only, for a limited time period or till stock lasts. Cash discount & Corporate offer are exclusive and can't be availed together 'Finance/Card offer are at the sole discretion of the financier/bank, Subject to their respective T&Cs, 100% finance applicable on Ex-showroom price, Offer available only on limited stores. ®Offer is only for New Goodlife members, Limited period offer-T&C apply.

TOLL FREE 1800 266 0018

अधिकृत डीलर: भोपाल: वटेप्यम हीरो (प्रभात पेट्रोल पंप, टायसेन रोड 9289922466, जे.के. रोड 8959905381), साँई हीरो (डी.आई.जी. बंगला, बैरसिया रोड) 9289922685, यूनाइटेड हीरो (कोहेफिज़ा) 9289923150, **बैतूल:** खण्डेलवाल हीरो9289922624, **सीहोर:** मंत्री हीरो (कन्हैयालाल मंत्री पेट्रोल पंप, इंदौर नाका) 9522257567, **ब्यावरा:** आनंद हीरो 9289922871, **गुना:** गगन हीरो 9289922358, **अशोक नगर:** आदव हीरो 9821743269, **होशंगाबाद:** पुण्यशिला हीरो 9289922360, **इटारसी:** राहुल हीरो 9289922491, **विदिशा:** पाल हीरो 9289922379, **दमोह:** इण्डिया ऑटो हीरो 9289922573, **सागर:** सेन्ट्रल हीरो (भगवानगंज, मक्रोनिया) 9289922376, **टीकमगढ़:** आनंद हीरो 9289923112, **छतरपुर:** आनंद हीरो (झाँसी रोड 9289922374, पन्ना रोड 7389238472), **ग्वालियर:** तनुष्का हीरो (सिटी सेन्टर 9289922371, मुरार 4099928, कम्पू 4072000), तरन अंगद हीरो (फूलबाग 9289922483, सखिया विलास 2438534), **भिन्ड:** शिवम हीरो 9289922787, **दतिया:** शिव हीरो 9289923172, **मुरैना:** गगन हीरो 9289922678, **श्योपुर:** आशीष हीरो 9289922832, **शिवपुरी:** रघुवंशी हीरो 9289922571, **इंदौर:** सुखमणी हीरो (अन्नपूर्णा रोड) 9289922719, वी.एन. हीरो (एयरपोर्ट रोड) 9289923061, रेठी ऑटोमोबाइल्स (भवरकुआँ) 9289923211, रुक्माबाली ऑटोमोटिव (एलआईजी स्क्वायर के पास) 8871444414, मेहता ऑटोमोबाइल्स, **(देवास नाका)** 9821741577, **बड़वानी:** शर्मा हीरो 9289922742, **बुरहानपुर:** श्रीजी हीरो 9289922372, **देवास:** खुराना हीरो (ए.बी. रोड 9289922488, गंगानगर 9993596392), **धार:** साक्षी हीरो 9289922618, **हाट पिपलिया:** श्रीराम हीरो 9289923154, **झाबुआ:** नाकोड़ा हीरो 9289922679, **कुक्षी:** अन्नपूर्णा हीरो 9289922749, **खण्डवा:** ठक्कर हीरो 9289923018, **खरगोन:** निमाड़ हीरो 9289922378, **महू:** लक्ष हीरो 9289923176, **पीथमपुर:** रघुवंशी हीरो 9289923047, **सनावद:** राजेश हीरो 9289922774, **रतलाम:** एक्सीलेन्ट हीरो (महू रोड 9289922375, सैलाना रोड 07412-408600) **नीमच:** उत्तम हीरो 9289922367, **मन्दसौर:** रामदर्शन हीरो 9289922369, **जावरा:** रिलायबल हीरो 9289923045, **एसोशिएट डीलर: आष्टा:** श्री रघुवीर मोटर्स 9893018553, 7428594671, **बगदोना:** आर्यन्स इन्टरप्राईजेज 7428594665, **बरेली:** श्री सूर्योदय हीरो 9826832251, 9098960970, **भोपाल:** मानिक मोटर्स 8827379110, **मंडीदीप:** सोनी मोटर्स, 9179461211, 8962143877, **बंडा:** श्रुति मोटर्स, 7879573737, **नसरुल्लागंज:** जीवन मोटर्स 9977926838, **गंजबासोदा:** ध्रुव इन्टरप्राईजेज 9826867673, **इटारसी:** देवा मोटर्स 9425630406, **जनारा:** शारदा मां ऑटोमोबाईल 9111231539, **करेरा:** आदित्यसागर इन्टरप्राईजेज 9425436890, 7428492559, **पिपरिया:** राज मोटर्स 7576454997, **नटसिंहगढ़:** गुरुकृपा मोटर्स 9303416007, 7428595910, **पचोर:** प्रिंस ऑटोमोबाईल्स 9755131010, **रायसेन:** यूवराज मोटर्स 7828500001, 7428595899, **बीना:** राहुल ऑटोमोबाईल्स 9893494971, **टीकमगढ़:** एस.एस. इन्टरप्राईजेज 7000242371, **खरगापुर:** हरिओम ऑटोमोबाईल्स 9993267954, **राघोगढ़:** बृजेश इंटरप्राइजेज 7999006113, **श्यामपुर :** गोपी मोटर्स 9111009671, **लटेरी:** श्याम हीरो 7748890061, **जामनेर:** अरुण सेल्स एंड सर्विस 9893626185, **सिरोंज:** प्रिया एंटरप्राइज, 9425344557, **सिहोरी:** भायरे मोटर्स, 9981247007, **टिमरनी :** गंगोत्री मोटर्स 9755101902, **अम्बाह:** उमा ऑटोमोबाईल्स 9329683351, **इबरा:** दुर्गा एजेन्सी 9926746001, **पिछोर:** दक्षनेश ऑटोमोबाईल्स 9425490424, **सबलगढ़:** शिवम मोटर्स 9893085461, **कोलारस:** भूपेंद्र इंटरप्राईजेज 9425769569, **वैरड़:** लक्ष्मी ऑटोमोबाईल्स 9893075206, **बदरवास:** बालाजी इंटरप्राईजेज 9893670277, **गोहद:** ओम साई मोटर्स 8358994876, **लहार:** लक्ष्मी ऑटोमोबाईल्स सर्विस 9770444999, **अलीराजपुर:** विजय ऑटोमोबाईल्स 9993912143 **अंजड़:** न्यू निमाड़ मोटर्स 9425416084, **बदनावर:** नर्म्मी ऑटोमोबाईल्स 9111841851, **वेहिया:** कृष्णा मोटर्स 7428494667, **वामनिया:** अनुश्री ऑटोमोबाईल्स 9630703344, **छनेरा:** गुरुनानक मोटर्स 7428390286, **बेटमा:** अंकित ऑटोमोबाईल्स 9826460777, **धामनोद:** अमृत ऑटोमोबाईल्स 9425088316, **इंदौर:** क्वालिटी ऑटोमोबाईल्स 8602295522, **मुंडी:** अभिषेक मोटर्स 7428390273, **पानसेमल:** हीरा ऑटोमोबाईल्स 7428494666, **पेटलावद:** भंडारी अभिकटल 9977287143, **धरमपुरी:** कृष्णा ऑटोमोबाइल 9993906745, **राऊ:** अवनि ऑटोमोबाईल्स 9826906983, **सेंधवा:** शैलक्स मोटर्स 7428295060, **निवाली:** श्री वल्लभ मोटर्स 9893501517, **पुंजापुरा:** पटेल मोटर्स 9755567226, **सतवास:** शिवम मोटर्स 9826088351, **नागदा:** कांठेड़ ऑटोमोबाईल्स 9111141177, **सिंघोर:** आकाश मोटर्स 7428494665, **सोनकच्छ:** भारत मोटर्स 9826607753, **घाटाबिल्लौद:** लक्ष्मी मोटर्स 9826524005, **खाचरोद:** जय गणेश ऑटोमोबाईल्स 8305827074, **मांगलिया:** श्री साई मोटर्स 8962460729, 8889415553, **जोरा:** विजयानंद मोटर्स 9754451762, **राणापुर:** सिंह शीला ऑटोमोबाइल्स, 8770264612, **जोबट:** धारा ऑटोमोबाइल्स, 9615908908, **सोंडवा:** राज ऑटोमोबाइल्स, 9754260982, **क्षिप्रा:** श्री शिव हरि मोटर्स, 7771088838, **सुखलिया इंदौर:** आर्यन मोटर्स, 9399928958, **कांटाफोड़:** रुक्मणी मोटर्स, 9993048891, **नीलवड़:** **महाकाल मोटर्स**, 9586778889, **तीन इमली:** **न्यू गीतांजलि मोटर्स**, 6267121700, **नेहरु नगर, भोपाल:** रुद्र एंटरप्राइजेज, 9039011650,51,52,53, **गांधीनगर:** आर जे मोटर्स, 8827588411, **स्नेहलतागंज:** साहू ऑटोमोबाइल, 9926977784, **अमझेरा:** महावीर ऑटोमोबाइल, 9589890703, **सागौर कुटी:** अमन ऑटोमोबाइल, 9039055993, **जावद:** शिवाय इंटरप्राईजेज, 9752346321, **टानीसिंह:** गुरुकृपा ऑटोमोबाईल्स, 9753044683, **बोदी बुजुर्ग:** **जिलानी मोटर्स**, 9399900143, **कढ़ी:** **श्री राम मोटर्स**, 9584997081, **पिपलिया बुजुर्ग:** **न्यू सिन्हा मोटर्स**, 9981562315, **योध्या बाईपास, भोपाल:** शिवांश मोटर्स, 6262363123, **फंदा:** अवनि मोटर्स, 9993160799, **परवलिया सड़क, भोपाल:** एस आर ट्रेडिंग एंटरप्राईजेज, 6264359954, **गांधी नगर:** श्रीकुंज मोटर्स, 9893735683, **बेगरासिया:** शाही सवारी, 9202342023, **डोडी:** कपाल ऑटोमोबाईल्स, 8770850811, **रेहली:** मां विंध्यासन मोटर्स, 9009828428, **चांदवाद:** श्रीजी नारायण मोटर्स, 9285334084, **खाचरोद:** विनायक मोटर्स, 9009152131, **उदयपुर:** सपना मोटर्स, 9826620434, **बारी:** श्री राम मोटर्स, 9893352212, **शोभापुर:** अफजल मोटर्स, 8839223122, **तलेन:** श्री सांवरिया मोटर्स, 9669661034, **संडावता:** विजय मोटर्स, 8269770075, **करेड़ी:** वासुदेव मोटर्स, 7566920711, **Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) गुना:** गगन हीरो 9289922358, **विदिशा:** पाल हीरो 9289922379, **भिन्ड :** शिवम् मोटर्स 9289922787, **पीथमपुर:** रघुवंशी हीरो 9289923047, **छनेरा:** गुरुनानक मोटर्स 7428390286, **साटंगी:** श्री मोटर्स, 9340927342, **सीतामऊ:** तिरुपति मोटर्स, 9753008855, **पिपलिया मंडी:** नवपद मोटर्स, 9479861211, **दलोदा:** जेएस मोटर्स, 9926600906.

Cheil 33547/26

पेज एक का शेष...

अयोध्या में भव्य....

आकर्षक बना दिया। पूरे आयोजन के दौरान रामनगरी में उत्सव और उल्लास का माहौल रहा। रामपथ पर रामायण साकार हो उठी। ढोल-नगाड़ों की गूंज, लोक कलाकारों की थिरकन और जय श्रीराम के उद्घोष के बीच जब रथों पर सजी झांकियां आगे बढ़ीं तो लगा मानो त्रेतायुग अयोध्या की धरती पर उतर आया हो। कहीं प्रभु श्रीराम, लक्ष्मण और माता सीता के दिव्य स्वरूप, कहीं गदा उठाए बजरंगबली का पराक्रम। रामायण के प्रसंगों का सजीव मंचन श्रद्धालुओं को भावविभोर कर रहा था। शोभायात्रा में महिला कलाकार कंधों पर ढोल रखकर थाप दे रही थीं। दसवें दीपोत्सव की शोभायात्रा में आस्था, संस्कृति और परंपरा का ऐसा संगम दिखाई दिया, जिसने अयोध्या की भव्यता को एक नया आयाम दिया।

देश के वीर ...

बुराई व अंधकार के खिलाफ भारत के मजबूत संकल्प को दर्शाता है। पीएम मोदी ने अपने संदेश में कहा कि जैसा कि आप सब जानते हैं, देश के वीर जवानों के साथ दीवाली मनाने की मेरी एक पुरानी परंपरा रही है और इस साल भी मैं इस परंपरा को पूरी निष्ठा के साथ जारी रखूंगा। इसके साथ ही उन्होंने देशवासियों के उत्तम स्वास्थ्य, सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।

महाकाल लोक की ...

ने मां मंदाकिनी की पूजा अर्चना की और चित्रकूट धाम के संतों का शाल, श्रीफल और अंगवस्त्र देकर सम्मान किया।

धार्मिक पर्यटन को ...

लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। ओरछा आकर सबका मन यहीं का हो जाता है। उन्होंने कहा कि काशी में भगवान विश्वनाथ धाम, अयोध्या में भगवान श्रीराम धाम तथा उज्जैन में श्री महाकाल महालोक के विकास से धार्मिक पर्यटन को नई पहचान मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मप्र में भी धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों के विकास का वातावरण बना है। ओरछा में भी इसी प्रकार की समृद्धि और विकास लाने के लिए राज्य सरकार कार्य कर रही है। मीडिया से चर्चा के बाद उन्होंने कहा कि ऐसी मान्यता है कि भगवान श्रीराम दिन में ओरछा में राजा के रूप में विराजमान रहते हैं। भगवान श्रीराम हम सभी के आराध्य हैं, और हम सब उन्हें श्रद्धा से नमन करते हैं।

मिठाई का 9 ...

लगभग 1,23,000 रुपए प्रति किलोग्राम है। इस अनोखी मिठाई की परिकल्पना जयपुर की मशहूर मिठाई दुकान की फाउंडर अंजलि जैन ने की है। उन्होंने इस विचार के पीछे की कहानी साझा करते हुए बताया कि पुराने दौर में राजा-महाराजा अपने खास मेहमानों और परिजनों को सम्मान या भेंट के तौर पर सोने के सिक्के, यानी अशर्फियां दिया करते थे। इसी ऐतिहासिक और शाही परंपरा को आधुनिक दौर में एक मीठा रूप देने के लिए त्योहार अशर्फी को तैयार किया गया है। मिठाई के हर एक पीस का वजन ठीक 9 ग्राम रखा गया है और इसे बिल्कुल अशर्फी (सोने के सिक्के) का आकार दिया गया है। 9 ग्राम के सिर्फ एक पीस की कीमत 1,111 रुपए तय की गई है। अंजलि जैन के अनुसार, 1,111 रुपए का अंक भारतीय संस्कृति में बेहद शुभ माना जाता है, इसीलिए इस खास कीमत को चुना गया है।

प्रदेश के 99 ...

वंचित नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति आनंद सिंह बहरावत की बेंच ने सरकार की उस दलील को भी खारिज कर दिया, जिसमें 2018 में संवर्ग संविलियन को नई नियुक्ति माना गया था। यह फैसला 1998 से 2005 के बीच पंचायत और नगरीय निकायों के माध्यम से भर्ती हुए 99 हजार से ज्यादा शिक्षकों के लिए राहत लेकर आया है। शिक्षिका करुणा शर्मा की याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने शिक्षकों के एनपीएस यानी नेशनल पेंशन स्कीम फंड को ओपीएस यानी ओल्ड पेंशन स्कीम में ट्रांसफर करने का भी आदेश दिया है। हाईकोर्ट ने आदेश दिया है कि प्रभावित शिक्षकों के एनपीएस खाते में जमा पैसा पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) में ट्रांसफर किया जाए। साथ ही उन्हें पुरानी पेंशन का लाभ दिया जाए। कोर्ट ने साफ कहा कि जब सरकार शिक्षकों की पुरानी सेवा को मानकर उन्हें वरिष्ठता और क्रमोन्नति का लाभ दे रही है, तो 2018 में हुए संविलियन को नई नियुक्ति बताकर उन्हें पुरानी पेंशन से वंचित नहीं किया जा सकता।

गौर हो कि मध्य प्रदेश में करीब पौने चार लाख शिक्षक हैं। इनमें 1998 से 2005 के बीच भर्ती हुए 99 हजार से ज्यादा शिक्षकों को सरकार ने नई पेंशन योजना में शामिल कर दिया था। प्रदेश में 1 जनवरी 2005 के बाद भर्ती हुए कर्मचारियों के लिए नई पेंशन योजना लागू की गई थी। जबकि इन शिक्षकों की पहली नियुक्ति 1998 से 2003 के बीच शिक्षाकर्मी के पद पर हुई थी। सरकार ने 2018 में हुए संविलियन को नई नियुक्ति मान लिया था। इसी आधार पर शिक्षकों को पुरानी पेंशन देने से इनकार कर दिया गया। हाईकोर्ट ने सरकार की इस दलील को खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि जब शिक्षकों को उनकी पुरानी नौकरी के आधार पर वरिष्ठता और क्रमोन्नति का लाभ दिया जा रहा है, तो पेंशन के मामले में भी उनकी पुरानी सेवा को माना जाना चाहिए।

अवैध उत्खनन की ...

बुडरक गांव में अप्रैल-मई के दौरान हुई बातचीत का है, जो करीब सात-आठ महीने पुराना है। उनका आरोप है कि सामान्य बातचीत के वीडियो को संपादित कर तोड़-मरोड़कर पेश किया गया है। जांच के बाद ही आरोपों की सच्चाई सामने आएगी।

दिवाली से पहले ...

गया। इन दोनों जगहों पर भी पीएम 2.5 प्रमुख प्रदूषक है। हालांकि, यहां हवा मॉडरेट (मध्यम) श्रेणी में है। यानी राजधानी के तीनों मॉनिटरिंग स्टेशनों पर हवा में बारीक कणों का प्रदूषण प्रमुख रूप से दर्ज किया गया है। ग्वालियर में हवा की स्थिति सबसे ज्यादा खराब है। यहां दीनदयाल नगर में एक्यूआई 348, महाराज बाड़ा में 334 और सिटी सेंटर में 316 दर्ज किया गया। तीनों जगहों पर हवा वेरी पुअर (बहुत खराब) श्रेणी में है। हालांकि, प्रदेश के किसी भी मॉनिटरिंग स्टेशन पर एक्यूआई 400 के पार नहीं पहुंचा है। यानी कहीं भी हवा सीवियर (गंभीर) श्रेणी में नहीं है। ग्वालियर में बारीक और मोटे, दोनों तरह के धूल कणों का प्रदूषण बढ़ा है। दीनदयाल नगर और सिटी सेंटर में पीएम 2.5 प्रमुख प्रदूषक है, जबकि महाराज बाड़ा में पीएम 10 का स्तर ज्यादा है। यानी पीएम 2.5 के मामले में दीनदयाल नगर और पीएम 10 के मामले में महाराज बाड़ा सबसे आगे है।

राजनीति में उतरने ...

बार राजीव गांधी और अपनी सास इंदिरा गांधी की तस्वीरों के सामने से गुजरते हुए उनके मन में दर्द और अपराधबोध का भाव उमड़ता था। उनके बच्चे राहुल और प्रियंका गांधी इस बात को लेकर चिंतित थे कि कहीं वह खुद को राजनीति में शामिल होने की अनुमति न दे दें। उन्होंने बताया कि दोनों ने इसका विरोध भी किया था, क्योंकि उन्हें डर था कि कहीं वे अपनी मां को भी न खो दें। कर्तव्य और डर के बीच उलझीं सोनिया ने भगवद्गीता का सहारा लिया। उन्होंने बताया कि जब गीता का अध्ययन अंतिम चरण में पहुंचा और भगवान कृष्ण ने निष्काम कर्म का संदेश दिया, तो उनके भीतर कुछ जागा। उन्होंने लिखा, मुझे अपने संदेहों और सवालों का जवाब मिल गया था। मुझे बाहर निकलकर वहां जाना था, जहां मेरा कर्तव्य मुझे बुला रहा था। और मैंने ऐसा ही किया।

अमिताभ की सेहत...

हैं। उनकी तबीयत में सुधार हुआ तो अगले सप्ताह से शूटिंग दोबारा शुरू हो सकती है। शो के लिए आखिरी बड़ा सेलिब्रिटी एपिसोड रणबीर कपूर, साई पल्लवी और रवि दुबे के साथ शूट किया गया था। तीनों अपनी आगामी फिल्म रामायण के प्रचार के लिए केबीसी के मंच पर पहुंचे थे। इस एपिसोड को फिल्म की रिलीज के आसपास प्रसारित करने की योजना थी, लेकिन अमिताभ की सेहत को देखते हुए कार्यक्रम में बदलाव किया गया। इसे पिछले सप्ताह दिवाली स्पेशल वीक की शुरुआत में ही प्रसारित कर दिया गया।

खुरमुंडी के जंगल ...

ही वरिष्ठ अधिकारियों तथा डॉग स्क्वाड को मौके पर बुलाया गया। जांच के दौरान मृत बाघ के शरीर के सभी अंग सुरक्षित पाए गए। प्रारंभिक तौर पर बाघ की मृत्यु विद्युत करंट लगने से होना प्रतीत हुई। वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में पशु चिकित्सकों की टीम ने मृत नर बाघ का पोस्टमार्टम किया। नियमानुसार अग्नि संस्कार कर बाघ के संपूर्ण शरीर को नष्ट किया गया। वन विभाग ने इस मामले में वन अपराध प्रकरण क्रमांक 2796/25, दिनांक 7 नवंबर 2026 दर्ज कर लिया है। बाघ की मृत्यु के कारणों का पता लगाने तथा मामले में संलिप्त व्यक्तियों की भूमिका की जांच के लिए अग्रिम कार्रवाई जारी है।

गोलू गुप्ता का किरदार चाहती हैं निभाना

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी ने लोकप्रिय वेब सीरीज मिर्जापुर में गोलू गुप्ता के किरदार से अपने जुड़ाव का जिक्र करते हुए भविष्य में एक बार फिर इस भूमिका को निभाने की इच्छा जताई है। श्वेता ने मिर्जापुरः दि मूवी के साथ गोलू की कहानी के नए पड़ाव पर कहा कि यह किरदार उनके जीवन और अभिनय के सफर का अहम हिस्सा बन चुका है। शुरुआत में किताबों और पढ़ाई में रुचि रखने वाली शांत लडक़ी के रूप में नजर आई गोलू समय के साथ मुश्किल हालात, नुकसान और बदले से गुजरते हुए एक मजबूत महिला के रूप में विकसित हुई है। श्वेता ने



कहा कि गोलू और मैं पिछले कई सालों से साथ हैं और यह सफर मेरे लिए बहुत खास है। उसे निभाते हुए एक कलाकार के तौर पर मैं भी बड़ी हुई हूं। गोलू हमेशा मेरे सफर का एक बेहद अहम हिस्सा रहेगी। उन्होंने कहा कि गोलू के किरदार में अभी बहुत कुछ तलाशना बाकी है। हर बार इस भूमिका में लौटने पर उन्हें उसके व्यक्तित्व के नए पहलुओं को समझने का मौका मिलता है। वह भविष्य में भी गोलू के अलग-अलग पहलुओं को तलाशना चाहेंगी। श्वेता ने कहा कि गोलू का किरदार उनके लिए सिर्फ एक भूमिका नहीं, बल्कि ऐसा सफर है, जिसने उन्हें व्यक्तिगत और पेशेवर दोनों स्तरों पर प्रभावित किया है। दर्शकों के बीच गोलू की लोकप्रियता और उससे उनका जुड़ाव उनके लिए बेहद मायने रखता है।

'महाकाली' से पहला गाना हुआ जारी

मुंबई। प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'महाकाली' अगले साल



रिलीज होगी। 'हनु-मैन' (2024) की अपार सफलता के बाद यह पहली महिला सुपरहीरो फिल्म है, जिसमें अक्षय खन्ना असुर गुरू शुक्राचार्या का किरदार निभाते हुए नजर आएंगे। इसमें भूमि शेट्टी देवी महाकाली की शक्ति धारण करने वाली मुख्य भूमिका में हैं, जबकि श्रिया रेड्डी महाकाली बनी हैं। निर्माताओं ने फिल्म से पहला गाना 'आई गिरी नंदिनी' जारी कर दिया है जो देवी महाकाली को समर्पित है। यूट्यूब पर आया 'आई गिरी नंदिनी' श्रिया के देवी महाकाली अवतार को प्रदर्शित करता है।

मकान बेचना है ।
जवाहर चौक की प्राइम लोकेशन पर झरनेश्वर मंदिर के पास नवनिर्मित हाउसिंग बोर्ड का मकान ईडब्ल्यूएस 230, तीसरी मंजिल पर, तुरंत बेचना है।
सम्पर्क : 8435853096

पूर्व मध्य रेल

ई. निविदा सूचना

ई–निविदा नोटिस सं०–07 ऑफ 2026–27/ खुला/गति शक्ति इकाई, डीडीयू

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण/ आरएसपी/ महेन्द्रू घाट एवं भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से अनुभवी तथा वित्तीय एवं तकनीकि दृष्टि से सक्षम ठेकेदारों के साथ–साथ उन ठेकेदारों से जो रेलवे, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, भारत संचार निगम लिमिटेड, मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विस, लोक निर्माण विभाग तथा अन्य सार्वजनिक उपक्रमों में सूचीबद्ध है, निम्नलिखित कार्य के लिए ऑन लाईन (ई–निविदा) आमंत्रित की जाती है।

निविदा सं०–07–डीडीयू– उप मुख्य परियोजना प्रबंधक– गति शक्ति इकाई – 26–27, कार्य का नाम एवं लोकेशन : पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल के गतिशक्ति यूनिट के अंतर्गत AUBR, GAYA, IMGE एवं SEB स्टेशनों के माल गोदामों (Goods Sheds) में पहुँच मार्ग के उन्नयन, प्रदूषण नियंत्रण उपायों के प्रावधान एवं ग्राहक सुविधाओं के विकास से संबंधित सिविल इंजीनियरिंग कार्यों का शेष कार्य। **कार्य की अनुमानित लागत :** ₹ 102577847.18, **धरोहर राशि :** ₹ 2051600.00, **ई–निविदा हेतु बोली की तिथि एवं समय:** 27.11.2026 को 15:00 बजे तक। **वेबसाईट पर ई–निविदा की विस्तृत जानकारी :** www.ireps.gov.in **नोट :** विवाद की स्थिति में अंग्रजी पाठ मान्य होगा।

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण/आरएसपी, महेन्द्रू घाट, पटना

पीआर/1284/डी०डी०यू०–जी०एस०/सीओएनएसटी/टी/26–27/40

संचालनालय महिला एवं बाल विकास
" विजयाराजे वात्सल्य भवन " 28 ए, अरेरा हिल्स भोपाल
दूरभाष- 0755-2550928, 2550910
ई-मेल: directorate.wcd@mp.gov.in बेबसाइड : www.mpwcdmis.gov.in

क्रमांक / म.बा.वि. / पुरस्कार / 2026 /62 **भोपाल, दिनांक 30.10.2026**

विभागीय पुरस्कारों हेतु आवेदन आमंत्रित

महिला एवं बाल विकास विभाग, मध्यप्रदेश द्वारा मध्यप्रदेश में महिलाओं एवं बच्चों के क्षेत्र मे समाज सेवा, सुरक्षा, वीरता व साहसिक कार्यों के लिए व्यक्तिगत / संस्थागत श्रेणी में वर्ष 2026 के लिए 07 राज्य / जिला स्तरीय विभागीय पुरस्कारों हेतु आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। जिनका विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	पुरस्कार का नाम	पुरस्कार संख्या	पात्र	कार्य क्षेत्र	सम्मान निधि	आवेदन की अंतिम तिथि
1	रानी अंवती बाई राज्य स्तरीय वीरता पुरस्कार	01	बालिका /महिला	महिलाओं और बच्चों को उत्पीड़न से बचाने, उनके पुनर्वास में योगदान व बाल विवाह, दहेज जैसी सामाजिक कुरीतियों को रोकने का साहसिक कार्य ।	राशि रुपए 02 लाख व प्रशस्ति पत्र	30 नवम्बर 2026
2	राजमाता विजयाराजे सिंधिया समाज सेवा पुरस्कार	01	बालिका / महिला	महिलाओं / बालिकाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा, साक्षरता, पर्यावरण की स्थिति में सुधार, आर्थिक गतिविधियों के संचालन, अधिकारों के प्रति जागृति, सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में उल्लेखित व प्रमाणिक कार्य ।	राशि रुपए 01 लाख व प्रशस्ति पत्र	30 नवम्बर 2026
3	श्री विष्णु कुमार महिला बाल कल्याण समाज सेवा सम्मान पुरस्कार	01	व्यक्ति /स्वंय सेवी संस्था	महिलाओं एवं बच्चों से सबंधित समाज सुधार, स्वास्थ्य, शिक्षा, साक्षरता, पर्यावरण, की स्थिति में सुधार, आर्थिक गतिविधियों के संचालन, अधिकारों के प्रति जागृति, सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में उल्लेखनीय व प्रमाणिक कार्य ।	राशि रुपए 01 लाख व प्रशस्ति पत्र	30 नवम्बर 2026
4	रानी दुर्गावती पुरस्कार	01	महिला	महिला द्वारा विपरीत परिस्थितियों (अत्यन्त गरीब, विकलांग 40 प्रतिशत से अधिक), एकल महिला, किसी गभीर बीमारी से ग्रस्त, रेप, एसिड, दहेज, घरेलू हिंसा से पीड़ित अथवा अन्य कोई विपरीत स्थिति मे संघर्ष करते हुये समाज सेवा का प्रमाणिक कार्य ।	राशि रुपए 02 लाख व प्रशस्ति पत्र	30 नवम्बर 2026
5	मुख्यमंत्री नारी सम्मान रक्षा पुरस्कार	राज्य स्तर-04 जिला स्तर-02	राज्य स्तर-02 महिला व 02 पुरुष जिला स्तर-01 महिला व 01 पुरुष	महिला द्वारा स्वंय या किसी अन्य महिला को अथवा किसी पुरूष द्वारा किसी महिला को - अपराधिक या असामाजिक तत्वों के विरूद्ध साहस का प्रदर्शन कर बचाने का अवर्णनीय - साहसिक कार्य, घटना प्रदेश में 01 जनवरी - 2026 से 31 दिसम्बर 2026 के मध्य घटित हो ।	राज्य स्तर-राशि रुपए 01 लाख व प्रशस्ति पत्र जिला स्तर- राशि रुपए 50 हजार व प्रशस्ति पत्र	05 जनवरी 2027
6	राष्ट्रमाता पदमावती पुरस्कार	01	महिला /पुरुष	समाज में महिलाओं के सम्मान के लिये उल्लेखनीय कार्य जिसमें किसी महिला /पुरूष द्वारा अपराधिक अथवा असामाजिक तत्वों या किसी सामाजिक कुप्रथा के विरूद्ध साहस का प्रदर्शन कर महिलाओं के सम्मान हेतु अवर्णनीय कार्य, घटना प्रदेश में 01 जनवरी 2026 से 31 दिसम्बर 2026 के मध्य घटित हो	राशि रुपए 01 लाख व प्रशस्ति पत्र	05 जनवरी 2027
7	अरुणा शानबाग वीरता पुरस्कार	01	महिला	महिला द्वारा स्वंय पर किसी भी प्रकार की हिंसा का वीरता पूर्वक सामना करते हुए स्वंय के बचाव का अवर्णनीय कार्य, घटना प्रदेश मे 01 जनवरी 2026 से 31 दिसम्बर 2026 के मध्य घटित हो	राशि रुपए 01 लाख व प्रशस्ति पत्र	05 जनवरी 2027

- आवेदन का प्रारूप विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध है। इसे जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यालय से भी प्राप्त किया जा सकता है।
- आवेदनकर्ता को अपना आवेदन जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास कार्यालय मे निर्धारित अंतिम तिथि के पूर्व जमा करना होगा।
- आवेदन जिस पुरस्कार के लिये प्रस्तुत किया जा रहा है, उससे सबंधित / राज्य स्तरीय / जिला स्तरीय पुरस्कार का नाम स्पष्ट रूप से आवेदन पर लिखा जाए।
- पुरस्कारों से सबंधित अधिक जानकारी के लिये कृपया महिला एवं बाल विकास विभाग की बेबसाइड : www.mpwcdmis.gov.in देखें अथवा जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास कार्यालय से सम्पर्क करें।

(सीमा ठाकुर)
अपर संचालक महिला एवं बाल विकास मध्यप्रदेश

जी - 21229/26 स्वच्छता ही सेवा है।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग, संभाग सीहोर (म.प्र.)
दुल्हा बादशाह रोड सीहोर फोन नं. 07562-222701

निविदा सूचना क्रमांक 12/2026-27 दिनांक 04.11.2026

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रं.	टेण्डर आई.डी.	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्रं.	कार्य की अनुमानित राशि (रू. लाख में)	इलेक्ट्रिानिक ई. एम.डी. (RTGS/NEFT) एवं अन्य दस्तावेज केवल ऑनलाईन ही प्रस्तुत किये जाये ।
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	2026_PWDRB_547720_1	सीहोर	भवन कार्य	सीहोर स्थित कोर्ट बिल्डिंग की पहली मंजिल पर कापी सेक्शन के पास नजारत कक्ष (1 कमरा) निर्माण कार्य	प्रथम कॉल	3.71	केवल ऑन लाईन

उपरोक्त वेबसाइट आनॅलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) बेवसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय (Document Download/Sale End Date) करने की अंतिम तिथि 18.11.2026 (17.30) बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री,
लो.नि.वि.सं.सीहोर म.प्र.
07562-222701

जी - 21218/26 स्वच्छता ही सेवा



हरिभूमि क्लासीफाइड
आवश्यकता है | खरीदना है | बेचना है | व्यापार | विकित्सा | ज्योतिष | डिफरेंट विज्ञापन
संपर्क सूत्र : 9407279644

हरिभूमि खबरों ही नहीं, विचार भी
भोपाल बाजार
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
मो. 9407279644

प्लाट मात्र
3,55,000
हजार में
आसान किश्तों पर
साईट:-
220 फिट रिंग रोड न्यू बायपास से लगी हुई
डायवर्सन एवं NOC एप्रूव्ड
आफिस इंडिया प्रोपर्टी करेंद भोपाल
मो. 7772079910

Medical Help Line
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें : मो.9407279644

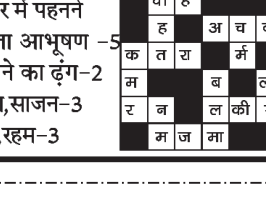
नये दागों का आना तुरन्त बंद
सफेद दाग
चर्म रोग, पित्ते की पथरी, गुर्दे की पथरी
44 वर्षो का होम्योपैथिक चिकित्सा सेवा का अनुभव
Timing 10:30 am to 8:00 pm
Dr. Safi's HOMEOPATHIC CLINIC
कृपया फोन पर अपॉइंटमेंट लें।
M. 9425006131, 8871714432
सौलत मंजिल पुरानी कजियात के सामने मोती मस्जिद भोपाल Veronika Khushi Heights Main Road Abbas Nagar Bhopal

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (धन भेजने, लोन संबंधित, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित अथवा अनुबंध) से पहले अच्छी तरह जाँच पड़ताल कर लें। किसी भी उत्पाद या सेवायें के संबंध में किये किसी विज्ञापन दाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि की जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक संपादक और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाये किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

- व्यावस्थापक

शब्द पहेली - 6402

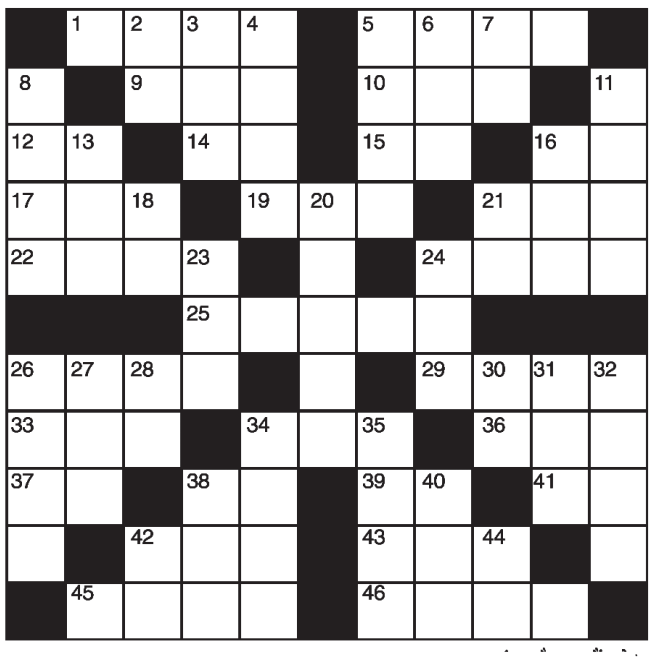

बाएँ से दाएँ
1.लूटमार,डाका–4
5.रपटना –4
9.डोली उठानेवाले–3
10.पुत्र,लड़का–3
12.अधिकार–2
14.नवीन,नया–2
15.एक विदेशी शराब–2
16.कला,हुनर–2
17.मां का प्यार–3
19.दम,बल,जोर–3
21.पपीहा,पपीहरा–3
22.करामात,कारनामा–4
24.शमशीर,कृपाण–4
25.तरंगित,लहरीय–5
26.बोरिया–बिस्तर–4
29.साले की पत्नी–4
33.प्रयास,यत्न–3
34.सहायता,सहयोग–3
36.लीन,तल्लीन–3
37.गहन वन,बुनाई कर्म–2
38.टुकड़ा,कण–2
39.मैं का बहुवचन–2
41.भीगा हुआ–2
42.अंधकार,अंधेरा–3
43.द्रव मापने की इकाई–3
45.प्राचीर,स्तंभ–4
46.बादला,जरबाफ–4

ऊपर से नीचे
2.अधिकार–2
3.जगत,दुनिया–3
4. सुनसान शांति,–4
5.आदत–4
6.साजन, बालम–3
7.क्रमबद्धता–2
8.मूर्ख,बेवकूफ–4
11.बुनाई करने वाला–4
13.कटि,मध्यांग–3
16.धार्मिक आज्ञा–3
18.पितामह–2
20.कमर में पहनने वाला आभूषण –5
21.चलने का ढ़ंग–2
23.पिया,साजन–3
24.दया,रहम–3
26.बेमिसाल, अनूठा–4
27.स्वदेश,मातृभूमि–3
28.जनता,आम लोग –2
30.मैं का बहुवचन–2
31.अभिरुचि,तल्लीनता–3
32.जनता की राय–4
34.उपाधि,पदवी–4
35.देहरी,चौखट–4
38.कक्ष,रूम–3
40.बटाणा,काबुली–3
42.स्तर,परत–2
44.ईश्वर,खुदा,भगवान–2

शब्द पहेली- 6401 का हल

■	म	ल	म	ल	■	■	र	ह	न	■
चा	य	■	हा	■	जा	सू	स	■	शा	म
टु	■	■	य	श	न	■	म	■	■	न
का	र	गु	जा	री	■	का	■	टु	का	न
र	■	ना	■	फ	न	का	र	■	फि	■
■	चा	ह	■	■	■	■	■	भ	ला	■
■	ह	■	अ	च	क	न	■	वं	■	अ
क	त	रा	■	र्म	■	क	म	र	बं	द
म	■	■	ब	■	ला	ल	च	■	■	र
र	न	■	ल	की	र	■	ल	■	आ	क
■	म	ज	मा	■	■	अ	ना	या	स	■

सूडोकु नवताल - 6412

कठिनतम

		8			4			
1								9
3				2			5	
			1				8	
		5				4		
	7				9			
	6			3				2
9								1
			8			7		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6411 का हल

3	6	8	5	9	1	4	7	9
7	9	1	4	6	3	5	8	2
2	4	5	7	2	8	6	3	1
9	1	3	2	5	4	8	6	7
4	6	2	8	1	7	9	5	3
5	8	7	6	3	9	1	2	4
3	2	4	1	8	5	7	9	6
8	7	6	9	4	2	3	1	5
1	5	9	3	7	6	2	4	8

राशिफल

मेष वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ सकता है। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। किसी मित्र के सहयोग से कारोबार में लाभ के अवसर बढ़ेंगे।

वृष आशा-निराशा के भाव रहेंगे। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिश्रम भी अधिक रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन परेशान हो सकता है। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खर्चों की अधिकता रहेगी। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

कर्क मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। सचेत रहें। कारोबार में परिश्रम भी अधिक रहेगा।

सिंह आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कन्या पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।

तुला आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी हो सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी। शैक्षिक कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं।

वृश्चिक मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता के योग हैं।

धनु व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। नौकरी में अफसरों से सदभाव बनाकर रखें। जीवनसाथी से मतभेद हो सकते हैं।

मकर मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु स्थान परिवर्तन भी हो सकता है।

कुंभ स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। कुछ कठिनाइयां भी आ सकती है।

मीन शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा। खर्चों की अधिकता रहेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा।

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

रिसर्च में दर्ज हुई अफ्रीका की मां लक्ष्मी की भक्ति 'हरिभूमि' ने 7 देशों में तलाशी दीपोत्सव की रोशनी





शोधकर्ता और लेखक अल्बर्ट काफुई वुआकू ने अपनी पुस्तक 'हिंदू गॉड्स इन वेस्ट अफ्रीका: घानियन डिवोटीज ऑफ शिवा एंड कृष्णा' में घाना के स्थानीय हिंदू श्रद्धालुओं की धार्मिक मान्यताओं और मां लक्ष्मी के प्रति उनकी आस्था का उल्लेख किया है।

They said they needed wisdom and blessings from Saraswati. Some people too said they aspired to be as rich-often stressing "rich"-as Lakshmi. Ganesh, the elephant god, and Shiva, his father, were the more common choices of adult males.

अल्बर्ट काफुई वुआकू ने लिखा है कि धन और समृद्धि की देवी लक्ष्मी युवा श्रद्धालुओं के बीच विशेष रूप से लोकप्रिय हैं। कुछ युवाओं ने तो अपनी आकांक्षा व्यक्त करते हुए कहा कि वे 'मां लक्ष्मी जितने धनी' बनना चाहते हैं। यह उल्लेख केवल एक देवी के प्रति श्रद्धा का परिचय नहीं देता, बल्कि भारतीय धार्मिक परंपराओं और देवी-देवताओं के प्रति अफ्रीका के कुछ स्थानीय समुदायों में विकसित होते सांस्कृतिक आकर्षण की झलक भी दिखाता है। इसी शोध को आधार बनाकर 'हरिभूमि' ने अफ्रीका के 7 देशों के स्थानीय मूल के लोगों से बातचीत की और वहां दीपावली के उत्सव की जमीनी तस्वीर तलाशने की कोशिश की। **इस पड़ताल में घाना, दक्षिण अफ्रीका, युगांडा, तंजानिया, केन्या, लाइबेरिया और नाइजीरिया** से ऐसी तस्वीरें उभरकर सामने आईं, जिनमें भारत का दीपोत्सव स्थानीय संस्कृति के रंगों में घुलकर एक नया रूप लेता दिखाई देता है।

घाना के हिंदू मॉनेस्ट्री ऑफ अफ्रीका से दक्षिण अफ्रीका के आश्रमों तक, अफ्रीकी मूल के पुजारी कराते हैं महालक्ष्मी पूजा

अफ्रीकी पुजारी कराते हैं महालक्ष्मी पूजन



भारत से हजारों किलोमीटर दूर अफ्रीका की धरती पर जब संस्कृत मंत्रों की गूंज के बीच हवन की अग्नि प्रज्वलित होती है, तो दृश्य किसी भारतीय मंदिर या आश्रम जैसा ही नजर आता है। फर्क बस इतना है कि यहां पूजा कराने वाले पुजारी अफ्रीकी मूल के हैं।

संस्कृत मंत्रों से गूंजते हैं आश्रम

⏭ मधुरिमा राजपाल की रिपोर्ट



उनके मुख से निकलते संस्कृत मंत्र, वैदिक विधि से संपन्न होता हवन और मां लक्ष्मी की आराधना। घाना के हिंदू मॉनेस्ट्री ऑफ अफ्रीका और दक्षिण अफ्रीका के विभिन्न आश्रमों में स्थानीय अफ्रीकी पुजारी स्वयं संस्कृत मंत्रोच्चार के साथ हवन और महालक्ष्मी पूजन कराते हैं। यहां दीपावली केवल भारतीय समुदाय का त्योहार नहीं रह गई है, बल्कि स्थानीय अफ्रीकी मूल के लोग भी इसे पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाते हैं। घाना, दक्षिण अफ्रीका, केन्या और टोगो जैसे देशों में हिंदू धर्म और भारतीय धार्मिक परंपराओं के प्रति स्थानीय लोगों का आकर्षण दिखाई देता है। कई लोग वैदिक रीति-रिवाजों के साथ दीपोत्सव मनाते हैं और मां लक्ष्मी की आराधना करते हैं। पूजा के अवसर पर कोई साड़ी और धोती-कुर्ता जैसे भारतीय परिधानों में नजर आता है, तो कोई अपने पारंपरिक अफ्रीकी पहनावे में। लेकिन सभी के भाव एक ही सूत्र में बंधे होते हैं...मां लक्ष्मी के स्वागत, सुख-समृद्धि की कामना और दीपावली के उल्लास के सूत्र में। दक्षिण अफ्रीका के 53 वर्षीय वरिष्ठ शिक्षक थॉम्बा बताते हैं कि डरबन और जोहान्सबर्ग जैसे शहरों में, जहां भारतीय मूल के लोगों की बड़ी आबादी है, दीपावली के आयोजन में स्थानीय अफ्रीकी समुदाय भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेता है। उनके लिए यह पर्व सामाजिक मेलजोल और एकजुटता का भी अवसर है। टेलीकॉम सेक्टर से जुड़ी युवतियां थंडी, जोला और बोंगीवे बताती हैं कि लक्ष्मी पूजा की शाम वे मिट्टी के दीये जलाती हैं, रंगोली बनाती हैं और मिठाइयां बांटती हैं।



दीपावली के ये दृश्य बताते हैं कि जब कोई परंपरा दूसरे समाज के जीवन में जगह बनाती है, तो वह केवल अपनाई नहीं जाती, बल्कि वहां की संस्कृति के रंगों से और समृद्ध भी होती है। अफ्रीका की धरती पर लक्ष्मी पूजा और दीपोत्सव इसी सांस्कृतिक मेल-मिलाप की एक खूबसूरत तस्वीर पेश कर रहे हैं।

तुलसी ममता राम सों, समता सब संसार। राग न रोष न दोष दुख, दास भए भव पार

तुलसी कहते हैं कि जिनकी श्री राम में ममता और सब संसार में समता है, जिनका किसी के प्रति राग, द्वेष, दोष और दुःख का भाव नहीं है, श्री राम के ऐसे भक्त भव सागर से पार हो चुके हैं।

कंपाला के आसमान में जगमगाती आतिशबाजी

युगांडा में भव्य दीपावली

कंपाला की शाम जब दीपों की रोशनी से सजती है और आसमान रंग-बिरंगी आतिशबाजी से जगमगा उठता है, तो यह नजारा केवल भारतीय समुदाय के लिए नहीं, बल्कि युगांडा के स्थानीय लोगों के लिए भी उत्सव का अवसर बन जाता है। यहां दीपावली भारतीय परंपराओं और अफ्रीकी लोक संस्कृति के मिलन का ऐसा रंगीन उत्सव बन चुकी है, जिसमें स्वाद, संगीत, नृत्य और दोस्ती के कई रंग एक साथ दिखाई देते हैं।

दार अस सलाम से जांजीबार तक

दीपावली की धूम

भारतीय भजनों और बॉलीवुड गीतों में रंगा तंजानिया

तंजानिया की धरती पर जब बॉलीवुड के गीतों की धुन गूंजती है और उन पर स्थानीय कलाकार अपने पारंपरिक अंदाज में थिरकने लगते हैं, तो भारतीय और अफ्रीकी संस्कृतियों का एक अनूठा संगम दिखाई देता है। दीपावली के अवसर पर यहां का दृश्य कुछ ऐसा ही होता है।

स्पेक रिसॉर्ट मुन्योन्यो में हर साल जुटते हैं हजारों स्थानीय लोग, भारतीय व्यंजनों के साथ लेते स्वाद





युगांडा की राजधानी कंपाला के प्रसिद्ध स्पेक रिसॉर्ट मुन्योन्यो में हर साल आयोजित होने वाला दीपावली फूड फेस्टिवल इस सांस्कृतिक मेल-मिलाप का बड़ा आकर्षण है। हजारों की संख्या में स्थानीय लोग इस आयोजन में पहुंचते हैं और भारतीय खानपान से लेकर सांस्कृतिक कार्यक्रमों तक, हर रंग का आनंद लेते हैं।

कंपाला में रहने वाली और वहां वोकल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट चलाने वाली 36 वर्षीय कैटूमी बताती हैं कि स्पेक रिसॉर्ट मुन्योन्यो में आयोजित होने वाला यह फूड फेस्टिवल युगांडा में दीपावली का प्रमुख आकर्षण है। यहां समोसा, भजिया, डोसा और करी जैसे भारतीय व्यंजनों के स्टॉल सजते हैं। कुछ स्टॉलों पर स्थानीय अफ्रीकी पकवानों में भारतीय मसालों का तड़का लगाकर नया फ्यूजन स्वाद परोसा जाता है। स्थानीय लोग इन व्यंजनों का बड़े चाव से स्वाद लेते हैं। इस तरह दीपावली का उत्सव केवल भारतीय खानपान से परिचय नहीं कराता, बल्कि दो अलग-अलग पाक संस्कृतियों को एक ही थाली में मिला देता है। उत्सव का रंग केवल जायके तक सीमित नहीं रहता। आईटी प्रोफेशनल मुकासा बताते हैं कि दीपावली के अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में युगांडा के स्थानीय कलाकार और बच्चे भारतीय गीतों तथा पारंपरिक धुनों पर नृत्य करते हैं। वे भारतीय परिधान पहनते हैं और अपने पारंपरिक अफ्रीकी लोकनृत्यों की लय को भारतीय संगीत के साथ मिलाकर एक अनूठी प्रस्तुति देते हैं। इन कार्यक्रमों में भारत और युगांडा की दोस्ती तथा सांस्कृतिक सद्भाव के रंग साफ दिखाई देते हैं। दीपावली का यह उल्लास आधिकारिक आयोजनों तक भी पहुंचता है।

युगांडा में दीपावली की यह तस्वीर बताती है कि त्योहार जब अपनी जन्मभूमि से दूर किसी दूसरे देश में पहुंचता है, तो वहां की संस्कृति से संवाद करते हुए नए रंग ग्रहण कर लेता है। कंपाला में भारतीय पकवानों का स्वाद, अफ्रीकी लोकनृत्यों की थाप और आसमान में बिखरती आतिशबाजी मिलकर एक ऐसा उत्सव रचते हैं, जिसमें सरहदें पीछे छूट जाती हैं और दोस्ती की रोशनी आगे बढ़ती है।



माथे पर तिलक, पारंपरिक परिधान, हाथों में मंजीरे और होंठों पर हिंदी भजन। तंजानिया के स्थानीय लोग भारतीय त्योहारों की परंपराओं को अपने उत्सव का हिस्सा बनाते नजर आते हैं। यहां दीपावली मुख्य रूप से भारतीय मूल के समुदाय द्वारा मनाई जाती है, लेकिन इसकी रोशनी और उल्लास स्थानीय अफ्रीकी समाज को भी अपनी ओर आकर्षित करते हैं। 28 वर्षीय जिम ट्रेनर जुमा बताते हैं कि तंजानिया में स्थानीय तंजानियाई नागरिक भारतीय मूल के स्थानीय लोगों के साथ धूम धाम से दीपावली मनाते हैं। दीपावली के विशेष सांस्कृतिक आयोजनों में स्थानीय डांसर और कलाकार बॉलीवुड तथा भारतीय फ्यूजन गीतों पर नृत्य करते हैं। कई युवा हिंदी भजन और गीत भी गाते हैं। उनकी सुरीली आवाज और संगीत की लय उत्सव में एक अलग ही रंग भर देती है। दार अस सलाम और जांजीबार जैसे क्षेत्रों में स्थित हिंदू मंदिरों के आसपास दीपावली का उल्लास विशेष रूप से दिखाई देता है। कई स्थानीय अफ्रीकी मूल के लोग और बच्चे माथे पर तिलक लगाते हैं, पारंपरिक परिधान पहनते हैं और भजन-कीर्तन में शामिल होते हैं। हाथों में मंजीरे लेकर 'जय लक्ष्मी मां' का जाप करते हुए वे इस पर्व की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़ते हैं। पर्यटन और आतिथ्य सत्कार क्षेत्र से जुड़ीं 30 वर्षीय रेहेमा बताती हैं कि दीपावली की शाम दार अस सलाम और स्टोन टाउन की टेंपल स्ट्रीट पर स्थित घरों को दीयों, मोमबत्तियों और रंग-बिरंगी लाइटों से सजाया जाता है। इन जगमगाते घरों को देखने के लिए स्थानीय लोग भी पहुंचते हैं और उत्सव का हिस्सा बनते हैं।



तंजानिया में दीपावली की यह तस्वीर बताती है कि भारतीय त्योहारों की खुशियां किस तरह स्थानीय संस्कृति के साथ घुल-मिलकर नए रंग रच रही हैं? कहीं हिंदी भजन की स्वर-लहरियां हैं, कहीं बॉलीवुड की धुनों पर थिरकते कदम और कहीं दीयों की रोशनी में जगमगाती गलियां। सात समंदर पार दीपावली अब केवल एक समुदाय का पर्व नहीं, बल्कि अलग-अलग संस्कृतियों को करीब लाने वाला उत्सव बनती दिखाई देती है।

दैहिक, दैविक भौतिक तापा। राम राज नहिं काहुहि ब्यापा।।
सब नर करहिं परस्पर प्रीती। चलहिं स्वधर्म निरत श्रुति नीती।।

राम-राज यानी आदर्श शासन। त्रेता युग में श्रीराम का शासन इसकी मिसाल रहा। प्रेम, करुणा, सद्भाव के साथ न्याय का राज चला। युग बदले और राजकाज का तौर तरीका भी बदलते गया। कालखंड के चौथे भाग कलयुग में राम राज की कल्पना मुश्किल लगती है, लेकिन देश में ऐसे दर्जनों गांव हैं, जहां आज भी राम-राज जैसे हालात हैं। 'हरिभूमि' ने दक्षिण अफ्रीकी देशों में पाया कि वहां दीपावली एक मकसद के साथ सेलिब्रेट की जाती है। वहां मंदिरों में प्रसाद, चाय व भोजन का वितरण तो होता ही है, यदि कहीं किसी का जीवन अंधेरे में हो तो वहां तक जीवन की सार्थक रोशनी को पहुंचाया जाता है।

घाना में दीपावली पर सोलर लाइटों से रोशन होते हैं अंधेरे गांव, अकरा के उत्सवों में जुटते हैं लोग

दीपावली का अर्थ है अंधकार से उजाले की ओर बढ़ना। भारत में घर-आंगन में दीप जलाकर मनाया जाने वाला यह पर्व घाना में एक अलग ही अर्थ के साथ दिखाई देता है। यहां दीपावली के अवसर पर भारतीय समुदाय के लोग उन दूरदराज के गांवों तक रोशनी पहुंचाने की पहल करते हैं, जहां अब तक बिजली नहीं पहुंची है। सोलर स्ट्रीट लाइटों के जरिए गांवों की गलियों को रोशन करने की यह कोशिश दीपोत्सव के मूल भाव को सामाजिक सरोकार से जोड़ती है। दूसरी ओर, राजधानी अकरा में भारतीय उच्चायोग के दीपावली उत्सव और मेले में स्थानीय घाना के लोग बड़ी संख्या में पहुंचते हैं। वे भारतीय व्यंजनों का स्वाद लेते हैं, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आनंद उठाते हैं और भारतीय परंपराओं को करीब से जानने का अवसर पाते हैं।

घाना और केन्या

पेट्रोलियम इंजीनियर 43 वर्षीय कोफी बताते हैं कि अकरा में भारतीय उच्चायोग द्वारा आयोजित दीपावली उत्सवों और मेले में स्थानीय लोगों की अच्छी भागीदारी रहती है। घाना के प्रसिद्ध स्थानीय डांस ग्रुप बॉलीवुड गीतों और भारतीय थीम पर अपनी पारंपरिक अफ्रीकी ऊर्जा के साथ शानदार प्रस्तुतियां देते हैं। भारतीय संगीत और अफ्रीकी नृत्य की यह जुगलबंदी उत्सव को एक अलग पहचान देती है। घाना के बड़े होटलों और क्लबों में भी दीपावली नाइट्स आयोजित होती हैं, जहां भारतीय समोसे के साथ घाना का प्रसिद्ध व्यंजन 'जोलोफ राइस' परोसा जाता है। एक ही आयोजन में दो देशों के स्वाद और संस्कृतियां घुल-मिल जाते हैं।

कोको किसान और प्रबंधक अदजोआ बताती हैं कि हाल के वर्षों में घाना के भारतीय समुदाय ने स्थानीय लोगों और समाजसेवियों के साथ मिलकर दीपावली पर एक अनूठी पहल शुरू की है। इसके तहत उन दूरदराज के गांवों में सोलर स्ट्रीट लाइटें लगवाई जाती हैं, जहां बिजली की सुविधा नहीं है। इस पहल से गांवों की गलियों में रोशनी पहुंचती है और दीपावली का संदेश जरूरतमंद लोगों तक भी पहुंचता है।

दीपावली उत्सव और मेले में घाना के कलाकारों की प्रस्तुति, केन्या में घरों की सफाई और सजावट कर मां लक्ष्मी का स्वागत करते हैं श्रद्धालु





घाना और केन्या की ये तस्वीरें दीपावली के दो अलग-अलग लेकिन खूबसूरत रूप सामने लाती हैं। कहीं भारतीय और अफ्रीकी संस्कृति संगीत, नृत्य और खानपान के जरिए करीब आती हैं, तो कहीं एक दीपोत्सव किसी अंधेरे गांव की गलियों तक रोशनी पहुंचाने का माध्यम बनता है। यहीं दीपावली का वह उजास है, जो सीमाओं से परे जाकर उत्सव को अपनत्व और मानवीय संवेदना से जोड़ देता है।

यह मानो मिट्टी के दीयों से निकलकर उजाले का किसी गांव की पूरी बस्ती तक पहुंच जाना है।

घाना की तरह केन्या में भी दीपावली पर मां लक्ष्मी के स्वागत की परंपरा दिखाई देती है। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में काम करने वाले 32 वर्षीय जॉमो बताते हैं कि दीपावली से पहले लोग अपने घरों की अच्छी तरह साफ-सफाई करते हैं, ताकि मां लक्ष्मी का स्वागत किया जा सके। घरों को रंग-बिरंगी रंगोली, दीयों और मोमबत्तियों से सजाया जाता है। स्थानीय मंदिरों में विशेष प्रार्थनाएं, भजन और महालक्ष्मी पूजन होते हैं। मंदिरों में प्रसाद, चाय और भोजन वितरित किया जाता है। लोग नए और चमकीले पारंपरिक कपड़े पहनते हैं, एक-दूसरे को मिठाइयां और उपहार देते हैं तथा सामूहिक भोज में शामिल होते हैं। स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र से जुड़ीं किप्रोटिच बताती हैं कि केन्या में दीपावली सीमित या वैकल्पिक अवकाश की श्रेणी में आती है। इसलिए अधिकांश कार्यालय और व्यवसाय सामान्य दिनों की तरह खुले रहते हैं। इसके बावजूद भारतीय समुदाय के लोग छुट्टी लेकर या कामकाज के बाद एकत्रित होकर दीपावली मनाते हैं।

लागोस और अबुजा के दीपावली मेलों में नाइजीरियाई बच्चों और कलाकारों की भागीदारी; भारतीय मिठाइयों, स्नैक्स और व्यंजनों का भी लेते हैं स्वाद

भारतीय गानों में अफ्रीकी बीट्स का तड़का नाइजीरिया में दीपावली पर थिरकते हैं स्थानीय



जब बॉलीवुड के गीतों पर अफ्रीकी बीट्स का तड़का लगता है और भारतीय धुनों के साथ नाइजीरियाई संगीत की लय घुलती है, तो एक ऐसा रंगीन संगम बनता है, जिसमें दो देशों की संस्कृतियां एक-दूसरे के करीब आ जाती हैं। नाइजीरिया में दीपावली के उत्सव कुछ इसी अंदाज में मनाए जाते हैं। यहां भारतीय प्रवासी समुदाय के साथ स्थानीय नाइजीरियाई नागरिक भी इस पर्व की खुशियों में शामिल होते हैं। लागोस और अबुजा जैसे शहरों में आयोजित होने वाले दीपावली मेलों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में संगीत, नृत्य और भारतीय खानपान के जरिए दोनों संस्कृतियों का सुंदर मेल देखने को मिलता है।

27 वर्षीय डेटा साइंटिस्ट अबाबायोमी बताते हैं कि नाइजीरिया में भारतीय प्रवासियों की बड़ी आबादी रहती है, विशेषकर लागोस और अबुजा जैसे शहरों में। भारतीय समुदाय के साथ लंबे समय से बने सांस्कृतिक जुड़ाव के कारण स्थानीय नाइजीरियाई लोग भी दीपावली के आयोजनों में उत्साह से हिस्सा लेते हैं। लागोस में हर साल आयोजित होने वाला दीपावली मेला इसका प्रमुख उदाहरण है। इंडियन कल्चरल एसोसिएशन की ओर से आयोजित इन बड़े मेलों और पार्टियों में स्थानीय नागरिकों के साथ राजनेता और राजनयिक भी मेहमान के रूप में शामिल होते हैं।

इन आयोजनों में नाइजीरियाई बच्चे और स्थानीय कलाकार भारतीय बच्चों के साथ बॉलीवुड गीतों पर नृत्य करते हैं। खास बात यह है कि भारतीय गानों में अफ्रीकी बीट्स का ऐसा मेल किया जाता है कि संगीत की धुनें दोनों संस्कृतियों की पहचान बन जाती हैं। बॉलीवुड की लोकप्रिय धुनों पर अफ्रीकी लय का यह संगम उत्सव को एक अलग ही रंग देता है। यहां नृत्य केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक मेल-मिलाप की भाषा बन जाता है। दीपावली के इन आयोजनों में खानपान भी आकर्षण का केंद्र रहता है। भारतीय संस्कृति को पसंद करने वाले स्थानीय नाइजीरियाई लोग भारतीय मिठाइयों, स्नैक्स और पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद लेते हैं। इस तरह दीपावली उनके लिए भारत की परंपराओं, स्वाद और उत्सवधर्मिता को करीब से जानने का अवसर बन जाती है।

जा पर कृपा राम की होई। ता पर कृपा करहिं सब कोई॥
जिनके कपट, दम्भ नहिं माया। तिनके हृदय बसहु रघुराया॥

जिन पर राम की कृपा होती है, उन्हें कोई सांसारिक दुःख छू तक नहीं सकता। परमात्मा जिस पर कृपा करते है उस पर तो सभी की कृपा अपने आप होने लगती है। और जिनके अंदर कपट, दम्भ (पाखंड) और माया नहीं होती, उन्हीं के हृदय में रघुपति बसते हैं अर्थात उन्हीं पर प्रभु की कृपा होती है।

नाइजीरिया



नाइजीरिया में दीपावली की यह तस्वीर बताती है कि संस्कृति का संवाद कई बार संगीत की एक धुन, नृत्य के एक कदम और मिठाई के एक स्वाद से शुरू होता है। भारतीय गीतों में घुलती अफ्रीकी बीट्स इस बात का सुंदर उदाहरण हैं कि अलग-अलग देशों की परंपराएं जब मिलती हैं, तो उत्सव के नए रंग जन्म लेते हैं।

सोइ जानइ जेहि देहु जनाई। जानत तुम्हहि तुम्हइ होइ जाई॥
तुम्हरिहि कृपां तुम्हहि रघुनंदन। जानहिं भगत भगत उर चंदन॥

हे प्रभु! आपको वही जान पाता है जिसे आप जानने देते हैं, और जो आपको जान लेता है, वह आपका ही स्वरूप बन जाता है, अतः हे रघुनंदन! भक्तों के हृदय को शीतल करने वाले चंदन! आपकी कृपा से ही भक्त आपको जान पाते हैं।

विदेशों में बसे भारतीय उत्साह के साथ मनाते हैं दिवाली, भाई-दूज, छठ पूजा आदि का त्योहार

विदेशों में भारतीय त्योहारों की गूंज सुनाई देती है तो लगता है मानो 'दूरी बस नक्शे पर है, दिल तो अब भी भारत में धड़कता है'









विकास चौबे ⏭ बिलासपुर

भारत अपनी विविध संस्कृति, परंपराओं और त्योहारों के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। चाहे व्यक्ति कहीं भी चला जाए, भारतीयता और अपने त्योहारों की खुशबू हमेशा उसके दिल में रहती है। यही कारण है कि विदेशों में बसे भारतीय हर साल दिवाली, भाई-दूज, होली या छठ पूजा जैसे त्योहारों को उतने ही धूमधाम से मनाते हैं जितना भारत में। अमेरिका, यूके के साथ ही भारत से बाहर सबसे अधिक भारतीय मूल के लोग संयुक्त अरब अमीरात , कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर, मलेशिया, फिजी, मॉरिशस, दक्षिण अफ्रीका और त्रिनिदाद एंड टोबैगो में रहते हैं और दिवाली मनाते हैं। यहां के भारतीय बताते हैं कि यह पर्व न केवल धार्मिक महत्व रखते हैं बल्कि परिवार और समुदाय को जोड़ने का माध्यम भी बनते हैं। दिवाली विदेशों में स्थानीय संस्कृति का भी हिस्सा बनती जा रही है। भारतीय कहते हैं कि विदेशों की गलियों में जब भारतीय त्योहारों की गूंज सुनाई देती है तो लगता है मानो 'दूरी बस नक्शे पर है, दिल तो अब भी भारत में धड़कता है।'

कनाडा में लक्ष्मी पूजा, प्रार्थना और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

बिलासपुर निवासी विकास ठाकुर कनाडा के कैलगरी शहर में रहते हैं। वे टीसीएस कंपनी में मैनेजमेंट हेड हैं। विकास बताते हैं कि त्योहारों की बात हो और भारतीय उसमें शामिल न हों, ऐसा कैसे हो सकता है। चाहे सात समंदर पार ही क्यों न हो, भारतीय हर त्योहार को पूरे दिल से मनाते हैं। टोरंटो, वैंकूवर, कैलगरी और मॉन्ट्रियल जैसे बड़े शहरों में मंदिर, सांस्कृतिक संस्थाएँ और स्थानीय समुदाय मिलकर इस पर्व को मनाते हैं। वे बताते हैं कि कनाडा के प्रमुख शहरों की सड़कों पर विशेष दिवाली मेलों का आयोजन होता है, जहाँ लोग पारंपरिक भारतीय परिधान पहनते हैं, दीये जलाते हैं, आतिशबाजी करते हैं और मिठाइयों का आनंद लेते हैं। कनाडाई संसद (पार्लियामेंट हिल) सहित विभिन्न सरकारी और सामाजिक मंचों पर भारतीय मूल के सांसदों और समुदाय के लोगों द्वारा दिवाली मिलन समारोह और पार्टियाँ आयोजित की जाती हैं।

यूके और आस्ट्रेलिया में भी दिवाली की मचती है धूम

यूनाइटेड किंगडम में तो भारतीय मूल के लोग बड़ी संख्या में रहते हैं। विशेषकर लंदन, लीसेस्टर, मैनचेस्टर और बर्मिंघम जैसे शहरों में। यहाँ दिवाली का उत्सव बड़े पैमाने पर सार्वजनिक रूप से मनाया जाता है। लीसेस्टर सिटी की दिवाली लाइटिंग दुनिया में भारत के बाहर सबसे बड़ी दिवाली सेलिब्रेशन मानी जाती है। सड़कें रंग-बिरंगी लाइटों से जगमगाती हैं, भारतीय संगीत गूंजता है, और हजारों स्थानीय ब्रिटिश नागरिक भी इस उत्सव में शामिल होते हैं। लंदन में रहने वाले बिलासपुर के जयप्रकाश बताते हैं कि यहां के ट्राफलगर स्क्वायर में आयोजित " दिवाली आन द स्केवयर " इवेंट में भारतीय नृत्य, भोजन, योग और आयुर्वेद संस्कृति को प्रदर्शित किया जाता है। आस्ट्रेलिया निवासी तान्या सिंह बताती हैं कि भारतीय मूल के लोग ब्रिटेन के बाद ऑस्ट्रेलिया का दूसरा सबसे बड़ा प्रवासी समुदाय हैं। सिडनी, मेलबर्न, ब्रिसबेन, पर्थ और कैनबरा जैसे प्रमुख शहरों में इसे व्यापक स्तर पर मनाया जाता है। विभिन्न भारतीय संगठन, सांस्कृतिक क्लब और स्थानीय परिषदें मिलकर बड़े पैमाने पर मेलों, संगीत, नृत्य और आतिशबाजी का आयोजन करती हैं।

बिनु पद चलइ सुनइ बिनु काना। कर बिनु करम करइ बिधि नाना॥
आनन रहित सकल रस भोगी। बिनु बानी बकता बड़ जोगी॥

जो (परमात्मा) बिना पैरों के चलता है, बिना कानों के सुनता है बिना हाथों के नाना प्रकार के कर्म करता है मुख के बिना ही जगत के सारे रसों का आनंद लेता है, और बिना वाणी के सबसे सर्वश्रेष्ठ वक्ता है। हे पार्वती, जिनका नाम लेकर मरते हुए प्राणी भी मोक्ष प्राप्त कर लेते हैं, वह प्रभु रघुश्रेष्ठ और चराचर जगत के स्वामी श्री राम सभी के हृदय की बात जानने वाले हैं।

दीपावली समारोह में भारत-लाइबेरिया फ्यूजन संगीत की प्रस्तुति; अनाथालयों, कैदियों और जरूरतमंदों तक पहुंचाते हैं भोजन और मिठाइयां

मोनरोविया में रामायण का मंचन, गरबा की थाप पर झूमते हैं लाइबेरियाई मेहमान

अफ्रीका के देश लाइबेरिया में दीपावली का उत्सव भारतीय संस्कृति के रंगों और मानवीय संवेदना के मेल से खास बन जाता है। राजधानी मोनरोविया में भारतीय दूतावास की ओर से आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में जब रामायण के प्रसंगों का मंचन होता है, गरबा की थाप गूंजती है और भारत-लाइबेरिया फ्यूजन संगीत की स्वर-लहरियां बिखरती हैं, तो स्थानीय मेहमान भी इस उत्सव के रंग में रंग जाते हैं। यहां दीपावली केवल भारतीय समुदाय तक सीमित नहीं रहती।

लाइबेरिया

लाइबेरिया के स्थानीय नागरिक, सरकारी अधिकारी और राजनयिक भारत के मित्रों के रूप में आमंत्रित किए जाते हैं। वे भारतीय संस्कृति, परंपराओं और खान-पान से रूबरू होते हैं और इस उत्सव का हिस्सा बनते हैं।

खनन और रबर उत्पादन से जुड़े 42 वर्षीय इमैनुएल बताते हैं कि मोनरोविया में भारतीय दूतावास दीपावली के अवसर पर विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करता है। इनमें रामायण नाटक का मंचन, गरबा नृत्य और भारत-लाइबेरिया फ्यूजन संगीत की प्रस्तुतियां प्रमुख आकर्षण होती हैं। इन आयोजनों में लाइबेरिया के स्थानीय नागरिकों, सरकारी अधिकारियों और राजनयिकों को आमंत्रित किया जाता है। भारतीय परंपराओं की झलक, रंग-बिरंगे परिधान, संगीत और खान-पान के बीच स्थानीय मेहमान भी पूरे उत्साह से दीपावली की खुशियों में सहभागी बनते हैं। इस उत्सव का एक मानवीय पक्ष भी है। लाइबेरिया के प्रमुख भारतीय व्यवसायी और संगठन दीपावली के अवसर पर स्थानीय अनाथालयों, कैदियों और जरूरतमंदों को भोजन तथा मिठाइयां वितरित करते हैं। इस पहल के जरिए त्योहार की खुशियां उन लोगों तक पहुंचाने की कोशिश की जाती है, जिन्हें अक्सर ऐसे उत्सवों की रौनक से दूर रहना पड़ता है। दीपावली की मिठास इस तरह केवल घरों और आयोजनों तक नहीं, बल्कि जरूरतमंदों के जीवन तक पहुंचती है। लाइबेरिया का अपना राष्ट्रीय त्योहार थैंक्सगिविंग डे भी कई बार दीपावली के आसपास पड़ता है। ऐसे अवसरों पर दोनों समुदायों के बीच उत्सव और मेल-मिलाप का माहौल और गहरा हो जाता है। अलग-अलग परंपराओं के बावजूद खुशियां बांटने का भाव दोनों को एक सूत्र में जोड़ता है।



लाइबेरिया में दीपावली की यह तस्वीर बताती है कि त्योहारों की असली रोशनी केवल दीप जलाने में नहीं, बल्कि दूसरों के जीवन में खुशियां बांटने में भी है। मोनरोविया में रामायण, गरबा और संगीत के सुरों के साथ जब सेवा और सद्भाव का भाव जुड़ता है, तो दीपोत्सव सरहदों से परे मानवीय रिश्तों का उत्सव बन जाता है।

अब कछु नाथ न चाहिअ मोरें। दीन दयाल अनुग्रह तोरें॥
फिरती बार मोहि जो देबा। सो प्रसादु मैं सिर धरि लेबा॥

जब प्रभु श्री राम केवट को उतराई देते हैं तब केवट हाथ जोड़कर प्रभु से कहता है: हे नाथ, आज मैंने क्या नहीं पाया, आपकी कृपा से मेरे सारे दोष, दुख समाप्त हो गए। हे दीनदयाल, अब मुझे कुछ नहीं चाहिए, लौटते समय आप जो कुछ भी देंगे मैं उसे प्रसाद समझ सिर चढ़ा लूंगा।

अमेरिका में कड़ाके की ठंड और बर्फबारी के बीच भारतीय परिवार में मनाते हैं दीपावली

बर्फीली वादियों में दीपों की जगमगाहट, भारतीय संस्कृति के रंगों से रोशन हुआ मिनेसोटा

भारत में दीपावली का त्योहार रोशनी, खुशियों और उल्लास के साथ मनाया जाता है, लेकिन जब यही त्योहार सात समंदर पार अमेरिका के मिनेसोटा राज्य में बर्फीली ठंड के बीच मनाया जाता है, तो इसका नजारा और भी खास हो जाता है। नवंबर के महीने में जहां मिनेसोटा में तापमान तेजी से गिरने लगता है और बर्फबारी की संभावना बनी रहती है तब भारतीय समुदाय दीपों की रोशनी और पारंपरिक उत्साह से ठंड के इस माहौल को खुशियों की गर्माहट से भर देता है।

अमेरिका/मिनेसोटा

सचिन अग्रहरि ⏭ राजनांदगांव

मिनेसोटा में रह रहीं मुंबई की लक्ष्मी वैश्य का कहना है कि यहां भारतीय परिवारों के लिए दीपावली केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि अपनी जड़ों, संस्कृति और परंपराओं से जुड़े रहने का अवसर भी है। भारत से हजारों मील दूर होने के बावजूद यहां दीपावली की तैयारियां किसी भारतीय शहर या कस्बे से कम नहीं होतीं। कई दिन पहले से घरों की साफ-सफाई, रंग-बिरंगी रोशनी, फूलों की मालाओं और पारंपरिक सजावट का सिलसिला शुरू हो जाता है। घरों में आकर्षक पूजा स्थल तैयार किए जाते हैं, जहां विधि-विधान से भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की पूजा-अर्चना की जाती है।



साड़ी के ऊपर जैकेट, कुर्ते के साथ विंटर जैकेट

लक्ष्मी कहती हैं कि मिनेसोटा की दीपावली की सबसे दिलचस्प तस्वीर भारतीय पारंपरिक परिधानों और वहां के मौसम के मेल में दिखाई देती है। महिलाएं साड़ी और पारंपरिक परिधानों में सजती हैं, तो पुरुष कुर्ता-पायजामा पहनकर उत्सव में शामिल होते हैं। लेकिन घर से बाहर निकलते ही कड़ाके की ठंड से बचने के लिए इन परिधानों के ऊपर गर्म जैकेट पहनना भी जरूरी हो जाता है। साड़ी के ऊपर विंटर जैकेट और कुर्ता-पायजामा के साथ गर्म कपड़ों का यह मेल भारतीय परंपरा और अमेरिकी मौसम की अनूठी तस्वीर पेश करता है।





सामूहिक दीपावली पूजा

पिछले दो वर्षों में भी भारतीय परिवारों ने यहां सामूहिक रूप से भव्य दीपावली पूजा का आयोजन किया। पूजा के बाद भजन-कीर्तन और सामूहिक प्रार्थना से वातावरण भक्तिमय हो उठता है। एक ओर बाहर ठंडी हवाएं और बर्फीला मौसम रहता है, तो दूसरी ओर घरों के भीतर दीपों की रोशनी, भजनों की गूंज और परिवारों का मिलन भारतीय त्योहारों की आत्मीयता का अहसास कराता है।

आतिशबाजी से रोशन होता आसमान

लक्ष्मी वैश्य का कहना है कि दीपावली की खुशियां केवल घरों तक सीमित नहीं रहतीं। निर्धारित स्थानों पर आतिशबाजी का आनंद लेने के साथ भारतीय परिवार स्थानीय स्तर पर आयोजित आधिकारिक फायरवर्क्स शो में भी शामिल होते हैं। रात के अंधेरे में आसमान रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगा उठता है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक हर कोई इस नजारे का आनंद लेता है। भारतीय दीपावली की परंपरा और अमेरिका की आयोजन संस्कृति का यह मेल उत्सव को अलग पहचान देता है।

रोशनी, रंगोली, मिठाइयों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाया जाता है दीपावली का पर्व



ऑस्ट्रेलिया में दिवाली की धूम, सात समंदर पार भी जगमगाती भारतीय संस्कृति

भारत के कोने-कोने में दीपावली पर्व की खुशियां मनाई ही जाती हैं। बात यदि सात समुंदर पार 7809 किमी दूर ऑस्ट्रेलिया की करें तो वहां भी दिवाली का त्यौहार पूरे उत्साह, उमंग और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया जाता है। रोशनी का यह पर्व न केवल भारतीय समुदाय को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़े रखता है, बल्कि ऑस्ट्रेलिया की बहु-सांस्कृतिक पहचान को भी एक नई चमक प्रदान करता है। दिवाली के अवसर पर यहां रहने वाले भारतीय परिवार अपने घरों को रंग-बिरंगी झालरों, दीयों, फूलों और सुंदर रंगोलियों से सजाते हैं।

उत्कर्ष शर्मा ⏭ राजिम

पारंपरिक भारतीय परिधान पहनकर परिवार के सदस्य भगवान श्री गणेश और माता लक्ष्मी की पूजा-अर्चना कर सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हैं। घरों में मिठाइयां और स्वादिष्ट भारतीय व्यंजन बनाए जाते हैं। मित्रों और रिश्तेदारों के साथ मिलकर खुशियां बांटने की परंपरा यहां भी उसी आत्मीयता के साथ निभाई जाती है। राजिम की योषिता शर्मा की ननद ऋचा शर्मा 12 वर्ष से सिडनी में हैं। हरिभूमि से चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि यहां के ओपेरा हाउस में दीपावली का पर्व मनाते हैं। हालांकि भारत जैसे यहां दीपावली में बाजार नहीं सजते, मिटटी का दीया नहीं मिलता, लेकिन जितने भी भारतीय वहां निवास करते हैं,



वे दीप जलाकर मां लक्ष्मी की धूमधाम से विधिविधान से पूजा करते हैं। ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख शहर सिडनी, मेलबर्न, ब्रिस्बेन, पर्थ और एडिलेड में दिवाली के अवसर पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम और मेले का आयोजन किया जाता है। विशेष रूप से सिडनी के परामट्टा और आसपास के क्षेत्रों में दिवाली उत्सव की अलग ही रौनक देखने को मिलती है।

ऑस्ट्रेलिया



परंपराएं वही, बस देश बदल गया: भारत की तरह ऑस्ट्रेलिया में दिवाली पर हर जगह सार्वजनिक अवकाश नहीं होता। इसलिए कई परिवार अपने कामकाज और बच्चों की पढ़ाई के बीच समय निकालकर शाम को पूजा और पारिवारिक समारोह आयोजित करते हैं। सप्ताहांत पर सामूहिक दिवाली मिलन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाता है। भले ही भारत जैसी गलियों की चहल-पहल और हर ओर पटाखों की गूंज यहां देखने को न मिले, लेकिन दिवाली की खुशियां और अपनापन बिल्कुल वैसा ही महसूस होता है। दिवाली का वास्तविक संदेश अंधकार पर प्रकाश, बुराई पर अच्छाई और निराशा पर आशा की विजय है। ऑस्ट्रेलिया में मनाया जाने वाला यह पर्व इस बात का सुंदर उदाहरण है कि भौगोलिक दूरियां चाहे कितनी भी हों, संस्कृति, परंपराएं और त्योहार लोगों को अपनी जड़ों से हमेशा जोड़े रखते हैं।

नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का अवसर

विदेश में रहने वाले भारतीय परिवारों के लिए दिवाली केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि अपनी सांस्कृतिक विरासत को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण अवसर भी है। ऑस्ट्रेलिया में जन्मे और पले-बढ़े भारतीय मूल के बच्चे दिवाली के माध्यम से भारतीय परंपराओं, धार्मिक मान्यताओं और पारिवारिक मूल्यों को समझते हैं। कई परिवार बच्चों के साथ मिलकर रंगोली बनाते हैं, घर सजाते हैं और उन्हें भगवान राम के अयोध्या लौटने तथा बुराई पर अच्छाई की विजय से जुड़ी कथाएं सुनाते हैं।

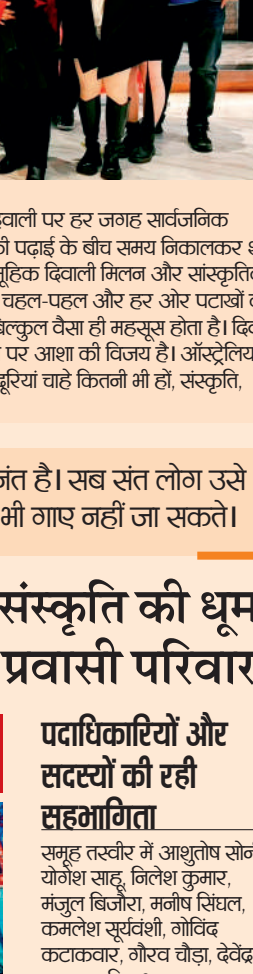

बिनु सत्संग विवेक न होई। राम कृपा बिनु सुलभ न सोई॥
सठ सुधरहिं सत्संगति पाई। पारस परस कुघात सुहाई॥

सत्संग के बिना विवेक नहीं होता और राम जी की कृपा के बिना वह सत्संग नहीं मिलता, सत्संगति आनंद और कल्याण की जड़ है। दुष्ट भी सत्संगति पाकर सुधर जाते हैं जैसे पारस के स्पर्श से लोहा सुंदर सोना बन जाता है।

डोंगरगांव के मटिया वार्ड में जन्मीं और सरस्वती शिशु मंदिर की छात्रा रहीं सोनम साहू की कहानी

दुबई की ज़मीं पर राम की धरा सा अहसास, सात समंदर पार भी धड़कता है भारतीय दिल



धन्यकुमार जैन ⏭ राजनांदगांव

संस्कृति, कला और परंपराओं के बिल्कुल अलग होने के बावजूद जब दिल अपनी जड़ों से जुड़ा हो, तो सात समंदर पार भी पराएपन का एहसास नहीं होता। संयुक्त अरब अमीरात के दुबई शहर में जब दीवाली की जगमगाहट बिखरती है तो ऐसा लगता है मानो राम की पवित्र धरा का उजाला सीधा अरब के मरुस्थल तक पहुंच गया हो।

डोंगरगांव के मटिया वार्ड में जन्मीं और सरस्वती शिशु मंदिर से प्राथमिक शिक्षा पूरी करने वाली सोनम साहू की कहानी कुछ ऐसी ही है। शिक्षक ढाल सिंह साहू की बेटी सोनम का विवाह 2016 में रायपुर निवासी दिलीप साहू के साथ हुआ, जो दुबई में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के पद पर कार्यरत हैं। शादी के बाद से ही सोनम दुबई के अल नाहदा इलाके में रह रही हैं। अल नाहदा एक ऐसा इलाका है जहां विभिन्न धर्मों, संप्रदायों और देशों के नागरिक रहते हैं। सोनम बताती हैं कि भले ही भाषा और संस्कृति अलग है, लेकिन वहां रहते हुए कभी यह महसूस ही नहीं हुआ कि वह जन्मभूमि से दूर हैं।

बाजार में भारत सी रौनक

दुबई के सुपर मार्केट्स और मॉल में त्योहारों के दौरान ठीक वही पूजा सामग्री, दीपक, सजावटी सामान और मिठाइयां मिलती हैं जो भारत के बाजारों में उपलब्ध होती हैं। सोनम का कहना है कि दीवाली पूजा के लिए फल, फूल, आम के पत्ते से लेकर मिट्टी के दीये तक आसानी से मिल जाते हैं। वह बताती है कि भारत की तुलना में वहां चीजें थोड़ी महंगी जरूर होती हैं, लेकिन उनकी क्वालिटी और स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

बर दुबई की सामूहिक दीवाली

हाल ही में मायके आईं सोनम साहू ने दुबई की दीवाली का अनुभव साझा करते हुए बताया कि बर दुबई में दिवाली पर बड़ा सामूहिक आयोजन होता है। इस आयोजन में अलग-अलग देशों और पृष्ठभूमियों के लोग एक जगह एकत्रित होते हैं। वहां न कोई ऊंच-नीच का भेद होता है और न ही किसी प्रकार की परायेपन की भावना। माहौल इतना आत्मीय होता है कि लगता ही नहीं कि लोग विदेश में हैं और ऐसा लगता है कि अपने ही घर-आंगन में अपनों के बीच त्यौहार मना रहे हैं।

जड़ों से जुड़ने की मिसाल

मटिया की गलियों से निकलकर दुबई जैसे आधुनिक वैश्विक शहर में बसी सोनम साहू की यह कहानी साबित करती है कि इंसान चाहे दुनिया के किसी भी कोने में चला जाए, भारत के संस्कार, परंपरा और त्योहारों की मिठास हमेशा उसके साथ रहती है। दुबई का बहु सांस्कृतिक माहौल और भारतीय समुदाय की एकजुटता मिलकर सात समंदर पार भी घर जैसा एहसास कायम रखती है।



हरि अनंत हरि कथा अनंता। कहहिं सुनहिं बहुबिधि सब संता॥
रामचंद्र के चरित सुहाए। कलप कोटि लगि जाहिं न गाए॥

हरि अनंत हैं (उनका कोई पार नहीं पा सकता) और उनकी कथा भी अनंत है। सब संत लोग उसे बहुत प्रकार से कहते-सुनते हैं। रामचंद्र के सुंदर चरित्र करोड़ों कल्पों में भी गाए नहीं जा सकते।

नॉर्थ कैरोलाइना

अमेरिका के नॉर्थ कैरोलाइना के सबसे बड़े शहर शार्लेट में रह रहे धमतरी के प्रवासी छत्तीसगढ़ियों ने अपनी माटी की खुशबू और सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत रखते हुए दीपावली मिलन समारोह - 2026 धूमधाम से मनाया। उत्तर अमेरिका छत्तीसगढ़ संघ (नाचा) के नॉर्थ कैरोलाइना अध्याय द्वारा आयोजित इस समारोह में छत्तीसगढ़ी गीत-संगीत, रंगारंग नृत्य और पारिवारिक आत्मीयता की मनमोहक छटा देखने को मिली। हजारों किलोमीटर दूर रहने के बावजूद प्रवासी परिवारों का अपनी भाषा और संस्कृति के प्रति प्रेम आयोजन में स्पष्ट दिखाई दिया।

गीत-संगीत और लोकनृत्य से सजी शाम, नई पीढ़ी ने भी अपनी माटी की संस्कृति से जुड़ाव का दिया संदेश

अमेरिका के शार्लेट में छत्तीसगढ़ी संस्कृति की धूम दीपावली मिलन समारोह में झूमे प्रवासी परिवार

यशवंत साहू ⏭ धमतरी

समारोह की शुरुआत धमतरी निवासी आशुतोष सोनी ने अनुज शर्मा द्वारा गाए गए गीत की आकर्षक प्रस्तुति से की। इसके बाद बच्चों ने विभिन्न गीतों पर नृत्य कर दर्शकों की खूब सराहना बटोरी। लावण्या सोनी ने 'जय जोहार' गीत पर विशेष प्रस्तुति दी। बच्चों ने 'मल्हारी', 'ओ जाने जान', 'झूम ले संगवारी', 'हैप्पी दिवाली सुनो घरवाली' और 'मैं तो गया रे' जैसे गीतों पर नृत्य किया। श्रीवल्ली शर्मा, लावण्या सोनी, आर्यन यादव, आन्वी शर्मा, आन्या शर्मा, अनाइशा सिंघल, निविशा दुबे, आकाश सोनी, विष्णु शर्मा, चंद्रिका यादव, अंकुर पांडेय, शिखा शर्मा, एंजेल यादव, सुश्री कुमार, अलका सोनी एवं संगीता बिजौरा सहित 16 प्रतिभागियों ने अपनी प्रस्तुतियों से समारोह को यादगार बनाया।

गीत-संगीत और लोकनृत्य से सजी शाम, नई पीढ़ी ने भी अपनी माटी की संस्कृति से जुड़ाव का दिया संदेश



लोकप्रिय छत्तीसगढ़ी गीतों ने बांधा समां

छत्तीसगढ़ के लोकप्रिय गायक सुनील सोनी, कंचन जोशी और रैपर अंकित के गीत समारोह के प्रमुख आकर्षण रहे। 'झूम ले संगवारी' और 'मान झूम-झूम के खिल गया' जैसे गीतों पर बच्चे और अन्य प्रतिभागी उत्साह से झूमते नजर आए। कार्यक्रम की यादगार झलकियां सामाजिक माध्यमों पर भी साझा की गईं।

पदाधिकारियों और सदस्यों की रही सहभागिता

समूह तस्वीर में आशुतोष सोनी, योगेश साहू, निलेश कुमार, मंजुल बिजौरा, मनीष सिंघल, कमलेश सूर्यवंशी, गोविंद कटाकवार, गौरव चौड़ा, देवेंद्र यादव, अमित थवाइत, युवराज शर्मा, अभिनव पांडेय, आलोक शर्मा, विवेक दुबे (अध्यक्ष, नाचा-शार्लेट) तथा गणेश कर (अध्यक्ष, नाचा संचालन मंडल) शामिल रहे। समारोह ने संदेश दिया कि दूरियां अपनी मातृभूमि, भाषा और संस्कृति के प्रति प्रेम को कम नहीं कर सकतीं।



मन में भी जलाएं एक दीपक

दीपों से घर-आंगन रोशन करने के पर्व दीपोत्सव पर हम सब अपने आस-पास कहीं भी अंधेरा नहीं रहने देते। लेकिन दीपावली का पर्व केवल बाहर ही नहीं अपने अंतस को भी उजियारे से भरने की प्रेरणा देता है। महात्मा बुद्ध के उपदेशों, पौराणिक संदेशों और धार्मिक कथाओं में भी आत्म चेतना का दीप प्रज्ज्वलित करने की बात कही गई है। तो आइए आज दीपों के महापर्व में हम सब अपने मन में भी एक दीपक प्रज्ज्वलित करने का संकल्प करें।

आवरण कथा / श्वेता ठाकुर

दीपावली आते ही घर-आंगन बुहारे जाने लगते हैं। दीवारों पर नया रंग-रोगन किया जाता है। देहरी पर रंगोली सजती है और सांझ ढलते ही मिट्टी के नन्हे-नन्हे दीये टिमटिमाने लगते हैं। अमावस की रात चारों ओर उजियारा जगमगाने लगता है। लेकिन इन जगमगाहटों के बीच एक सवाल भी चुपचाप खड़ा रहता है, बाहर तो हर ओर इतना उजाला कर लिया, पर क्या अपने भीतर का हर कोना भी रोशन हुआ? मन के अंतः कोनों में छिपी बैठी मलिनता भी दूर हो पाई?

महात्मा बुद्ध का उपदेशः स्वयं के भीतर प्रकाश फैलाने के संदर्भ में महात्मा बुद्ध का संदेश बहुत मूल्यवान है। महापरिनिर्वाण के समय शोकाकुल आनंद को महात्मा बुद्ध ने जो सीख दी, उसे हम 'आत्म दीप भव' के रूप में याद करते हैं। पालि परंपरा में यह 'अत्तदीपा विहरथ' है। यानी, अपने ही दीपक बनो और अपनी ही शरण में रहो। इसका अर्थ यह नहीं कि गुरु, ग्रंथ या समाज निरर्थक हैं। अर्थ यह है कि कोई भी उजाला, उधार का हो तो बुझ जाता है। रास्ता दिखाने वाले मिल सकते हैं, पर चलना अपने ही पैरों से होता है और लौ अपने ही भीतर जलानी पड़ती है।

उपनिषद की प्रार्थनाः आत्मालोकित करने का भाव भारतीय चिंतन में बहुत प्राचीन काल से प्रवाहित होता आया है। बृहदारण्यक उपनिषद् की प्रसिद्ध प्रार्थना है-

असतो मा सद्गमय। तमसो मा ज्योतिर्गमय। मृत्योर्मामृतंगमय॥

अंधकार से प्रकाश की ओर जाने की यह प्रार्थना, बाहरी अंधेरे के लिए कम और भीतरी अंधकार के लिए अधिक है। वह अंधकार अज्ञान का है, भ्रम का है और उस अहंकार का भी, जो हमें अपने ही सच से दूर रखता है।

गीता का स्वरः गीता आत्मालोकित करने के भाव को और स्पष्ट करती है। भगवान कृष्ण कहते हैं कि अपने भीतर बैठकर वे 'ज्ञानदीप' से अज्ञान से उपजा अंधकार मिटाते हैं (नाशयाम्यात्मभावस्थो ज्ञानदीपेन भास्वता, गीता 10-11)। यानी, दीया कहीं बाहर से नहीं आता, भीतर ही जलता है, बस उसे जलाने की इच्छा चाहिए। गीता के ही छठें अध्याय का सूत्र भी उतना ही सटीक है-

उद्धरेदात्मनात्मानं नात्मानमवसादयेत्।
आत्मैव ह्यात्मनो बन्धुरात्मैव रिपुरात्मनः॥

अर्थात, अपना उद्धार स्वयं करो, स्वयं को गिरने मत दो, क्योंकि मनुष्य अपना सबसे बड़ा मित्र भी है और सबसे बड़ा शत्रु भी। बुद्ध के 'अत्त दीपो भव' से इसका स्वर और निहितार्थ पूरी तरह मिलता है।



पौराणिक परंपरा और दीपदानः पौराणिक परंपरा में कार्तिक मास को दीपदान का महीना माना गया है। नदी-तट पर, तुलसी के नीचे, मंदिर की देहरी पर जलता एक छोटा दीया, पुण्य का प्रतीक माना जाता है। दीप-स्तुति का यह श्लोक प्रसिद्ध है-

शुभं करोति कल्याणमारोग्यं धनसंपदा।
शत्रुबुद्धिविनाशाय दीपज्योतिर्नमोऽस्तुते॥



इस श्लोक में दीपक से धन-संपदा के साथ 'शत्रुबुद्धि के विनाश' की भी कामना की गई है। यह शत्रुबुद्धि कोई बाहरी दुश्मन नहीं, हमारे भीतर पलती ईर्ष्या, क्रोध और कटुता के भाव ही हैं। पौराणिक लोक-कथाओं के अनुसार चौदह वर्ष के वनवास और आततायी रावण का वध करने के बाद भगवान श्रीराम के अयोध्या लौटने की खुशी में दीपावली का पर्व मनाते हैं। कुछ पौराणिक मान्यताएं दीपावली को नरकासुर के अंत के उत्सव के रूप में भी मनाने की बात कहता है। हर कथा का संदेश एक ही है कि अंत में अंधकार हारता है, पर तब, जब कोई दीप जलाने का साहस करे।

जीवन से दूर रहे अंधेराः आधुनिक जीवन में अंधेरे का रूप बदल गया है। आज की रातें रोशनी की झालरों से जगमगाती हैं, पर मन की कोठरी में अकसर सन्नाटा रहता है। हम सैकड़ों लोगों से जुड़े तो दिखते हैं, फिर भी अकसर हम अकेले ही रह जाते हैं। स्क्रीन की नीली रोशनी दिन-रात जलती है, पर उसमें हमें अपना चेहरा नहीं दिखता। तुलना की होड़, कुछ पा लेने की बेचैनी, असंतोष, थकान और रिश्तों में बढ़ती दूरी भी अंधेरा ही हैं। इस अंधेरे में बिजली के बल्ब काम नहीं आते, यहां वही लौ चाहिए, जिसकी बात महात्मा बुद्ध ने की थी, जिसके बारे में पुराणों में बताया गया है।

ऐसे होगा अंतस में उजालाः आधुनिकता की चकाचौंध में बाहर ही नहीं अपने भीतर भी अंधियारा न बढ़े, इसके लिए हमें ही सजग रहना होगा। दीपावली, आत्मचिंतन को प्रेरित करती है कि केवल बाहरी दुनिया में ही नहीं अपने अंतस में भी उजाला फैले, इसके लिए प्रयास करें। दिन में कुछ पल मौन बैठकर अपनी सांस सुनने से, किसी के प्रति वर्षों पुरानी जमी मन की कड़वाहट धोकर क्षमा मांग लेने या क्षमा कर देने से, फोन को परे रखकर अपने घर के या आस-पड़ोस के बुजुर्गों के पास आत्मीयता से बैठ जाने से, भीतर खुशी का उजाला फैलेगा। ऐसे छोटे-छोटे दिखने वाले प्रयास ही भीतर के दीये में तेल डालते हैं, आत्म की आभा को प्रखर करते हैं।

दीये से प्रज्ज्वलित हो दीयाः यह शाश्वत सत्य है कि भीतर का उजाला, निजी होकर भी निजी नहीं रहता। जिसके भीतर आत्मबोध का दीप जल जाता है, उसकी वाणी में मिठास आ ही जाती है, व्यवहार में धैर्य और दृष्टि में करुणा स्वतः उत्पन्न हो जाती है। उसके सान्निध्य में रहने वाले को भी उस ज्योति की आभा, उसकी गर्माहट मिलती है। इस तरह एक दीये से दूसरा दीया जलता जाता है। एक दीये से दूसरा दीया जलाने पर भी पहले की लौ घटती नहीं, उजाला बढ़ता ही है। इसीलिए 'आत्म दीप' का अर्थ स्वयं में सिमट जाना नहीं है।

इस दीपावली करें संकल्पः आज दीपावली की रात में जब देहरी पर दीया रखें, तो एक दीया मन के नाम भी जरूर जलाएं। कुछ क्षण रुककर सोचें कि भीतर कौन-सा कोना बरसों से अंधेरे में पड़ा है, कोई पुरानी शिकायत, कोई अनकही बात, कोई अधूरा सपना। उस कोने तक अपनी लौ ले जाएं। संकल्प लें कि केवल बाहर ही नहीं, अपने भीतर भी प्रेम का दीया जलाएंगे। बाहर की जगमगाहट त्योहार की शोभा है, पर भीतर की रोशनी जीवन की शोभा है। बुद्ध के शब्दों में, अपने दीपक स्वयं बनें और जब आप खुद उजाले से भर जाएंगे, तो आपके आस-पास की दुनिया भी बिना प्रयास रोशन हो उठेगी। *



आज दीपोत्सव के शुभ अवसर पर दीपों को प्रज्ज्वलित करने से पूर्व गणपति और मां लक्ष्मी की आराधना अत्यंत शुभ फलदायी होती है। लेकिन पूजन का विधि-विधान से किया जाना भी अत्यंत आवश्यक है। इस बारे में विस्तार से यहां बता रहे हैं।

दीपोत्सव पर पूरे विधान से करें गणपति-लक्ष्मी की आराधना

पूजा-विधि / अनीता जैन

हिंदू पंचांग के अनुसार प्रत्येक वर्ष कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या को दीपावली का त्योहार मनाया जाता है। पुराणों में कार्तिक मास का विशेष महत्व बताया गया है, इस को दामोदर मास भी कहा जाता है। इस महीने में भगवान विष्णु और उनके अवतारों की पूजा करना सबसे श्रेष्ठ माना जाता है। पूरे कार्तिक मास में कई त्योहार मनाए जाते हैं और इनमें स्नान, दान और भगवत्पूजन किया जाता है। मान्यता है कि ऐसा करने से अक्षय फल की प्राप्ति होती है।



पौराणिक मान्यताः स्वयं भगवान ब्रह्माजी कार्तिक मास की महिमा बताते हुए कहते हैं कि कार्तिक मास सब मासों में उत्तम है। देवताओं में भगवान विष्णु और तीर्थों में नारायण तीर्थ (बद्रिकाश्रम) श्रेष्ठ है।

न कार्तिकसमो मासो न कृतेन समं युगं,
न वेदं सदृशं शास्त्रं न तीर्थं गंगया समं।

अर्थात कार्तिक के समान कोई मास नहीं है, न सतयुग के समान कोई युग, वेद के समान कोई शास्त्र नहीं है और गंगा नदी के समान कोई तीर्थ नहीं। इस महीने में तैंतीस कोटि देवता मनुष्य के सन्निकट हो जाते हैं और इसमें किए हुए स्नान, दान, भोजन, व्रत, तिल, धेनु, सुवर्ण, रजत, भूमि, वस्त्र आदि के दानों को विधिपूर्वक ग्रहण करते हैं।

गणेश-लक्ष्मी पूजन की शुभ तिथिः कार्तिक मास में बुद्धि के दाता, विघ्नहर्ता श्री गणेश और धन-ऐश्वर्य की देवी मां लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए दीपावली का दिन बहुत खास माना गया है। इस दिन भगवान राम असुरों का संहार करके अयोध्या लौटे थे, जिनका दीपोत्सव करके स्वागत किया गया था। दीपावली का दिन लक्ष्मी के स्वागत का भी दिन माना जाता है। इस शुभ तिथि पर हम चारों ओर प्रकाश फैलाकर सकारात्मकता के साथ महालक्ष्मी से समृद्धि और संपन्नता का वर मांगते हैं। शक्ति आराधना यानी काली पूजा के लिए भी यह कार्तिक अमावस्या की तिथि सर्वोपरि मानी गई है।

दीपावली की पूजा विधिः इस दिन प्रदोष वेला से लेकर पिशाच वेला के आरंभ से पहले तक ही महालक्ष्मी पूजा का विधान है। यह पिशाच वेला रात्रि 02 बजे से आरंभ होती है। दीपावली के दिन प्रदोष वेला, स्थानीय सूर्यास्त से 72 मिनट पहले और 72 मिनट बाद तक की वेला प्रदोष वेला मानी गई है। इस दिन स्नान आदि करके स्वच्छ वस्त्राभूषण धारण करके घर के पूजास्थल पर यथाशक्ति पूजन सामग्री लेकर बैठें। साथ ही गणेश सहित महालक्ष्मी वरुण, कुबेर, श्रीयंत्र, कुबेरयंत्र और नवग्रह यंत्र लें। ध्यान रहे दीपावली पूजन में लक्ष्मी और गणेश जी की मूर्तियां अथवा चित्र बिल्कुल नया होना चाहिए यानी, पहले उन मूर्तियों का प्रयोग पूजा में न किया गया हो। आप इस बात का ध्यान रखें कि पूजा में श्रद्धा का नैवेद्य अवश्य चढ़ाएं, भाव और भक्ति की कमी न रहने पाए, तभी लक्ष्मी जी आप से प्रसन्न होंगी। इसके अतिरिक्त गुड़हल, लाल कनेर, गेंदा आदि के पुष्पों से भी मां की आराधना कर सकते हैं। साथ ही श्रंगार का सामान हल्दी, रोली, मौली, लाल चंदन, अक्षत, लौंग, इलायची, पान, सुपारी, शहद, फल, मिष्ठान, गंगाजल, नारियल, कलश अथवा जो भी यथा समय उपलब्ध हो उसे साथ लेकर बैठें। अपने ऊपर जल छिड़कते हुए भगवान ॐ पुण्डरीकाक्ष का स्मरण करके अपने ऊपर जल छिड़कें। सभी सामग्रियों पर भी गंगाजल छिड़कें। अब पृथ्वी स्पर्श करते हुए ॐ भूम्यै नमः का उच्चारण करें। पूजा स्थल के दक्षिण-पूर्व के तरफ घी का दीप जलाते हुए

ॐ दीपज्योतिः परब्रह्मदीपज्योतिः जनार्दनः।
दीपो हरतु मे पापं दीपज्योतिर्नमोस्तुते।।

का उच्चारण करें। इसके अलावा, जो मंगल मंत्र आता हो उसे पढ़ें और स्वयं संकल्प करें। *ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद, श्रीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः!* इस मंत्र को पढ़ते हुए सभी पूजन सामग्री अर्पण कर सकते हैं। देवी लक्ष्मी और भगवान गणेश के लिए भोग में खीर, बूंदी के लड्डू, सूखे मेवे या फिर मावे से बनी हुई मिठाई रखें एवं आरती करें। पूजन के पश्चात चारमुखी दीपक रात्रि भर जलाएं। *

कविता / गोविंद भारद्वाज

बेच रहा हूं दीप...



ले लो, ले लो कुछ दीप नए अच्छे-अच्छे अम्मा जी,
बेच रहा हूं मैं दीप बड़े सस्ते-सस्ते अम्मा जी।
आज विदेशी दीप सजे हैं देखो तो बाजारों में,
लोग बड़े उनको लेने जाएं बैठ बड़ी कारों में।
मेरा रस्ता ताक रहे हैं बीवी-बच्चे अम्मा जी,
बेच रहा हूं मैं दीप बड़े सस्ते-सस्ते अम्मा जी।
निर्धन के घर-आंगन थोड़ा-सा उजियारा भर देते,
थोड़ी बोनी करवा के उपकार जरा-सा कर देते।
रोज पसीनों से खूब बनाए कच्चे-पक्के अम्मा जी,
बेच रहा हूं, मैं दीप बड़े सस्ते-सस्ते अम्मा जी।
लाखों-लाखों दीप जलेंगे अब की बार दिवाली में,
मेरे दीपों को शामिल कर लो अपनी खुशहाली में।
आवाज यही देता हर बस्ती हर रस्ते अम्मा जी,
बेच रहा हूं मैं दीप बड़े सस्ते-सस्ते अम्मा जी।
तुम क्या जानों बारिश, गर्मी में कैसे वक्त बिताया,
इक-इक दीप बनाने में पूरा ही परिवार लगाया।
तुम भी अपनी मन की बोलो सच्चे-सच्चे अम्मा जी,
बेच रहा हूं मैं दीप बड़े सस्ते-सस्ते अम्मा जी।

उदास मन में फैला उजास

लघुकथाएं

मंदिरा जी के बचपन की सहेली रमा, दीपावली मनाने के लिए यू.एस. से भारत आईं। मंदिरा उनके बचपन की सहेली थीं। दीपावली के दिन जब वह मंदिरा जी के घर पर पहुंचीं तो वहां पसरी वीरानी को देख चकित हो गईं। लेकिन जब हॉल में मंदिरा जी के स्वर्गवासी पति सुधाकर जी की तस्वीर देखी तो उनकी मनोदशा समझने में थोड़ी-सी भी देर न लगी। पांच बरस पहले हृदयाघात से सुधाकर जी का देहांत हो गया था। पति को खोने के बाद मंदिरा जी के लिए उनका जीवन और सारे वार-त्योहार जैसे फीके और बेरंग हो गए थे। अब किसी काम में उनका मन नहीं लगता था। घर का जो दीया, दीपावली के सारे जगमगाते दीयों का कारण था, उसके बुझने से अब मंदिरा जी के लिए जैसे अंधेरा ही एकमात्र सच रह गया था। मंदिरा जी का हाथ थामते हुए रमा ने मंदिरा जी को समझाया, 'यदि वे इसी तरह जीवन भर उदास रहेंगी तो प्रेम से बना उनका यह आशियाना, यूं ही अंधेरे में डूबा रहेगा और यकीनन यह बात सुधाकर जी को भी अच्छी नहीं लगेगी।' मंदिरा जी कुछ कहतीं, इससे पहले ही रमा ने पूछ लिया, 'अच्छा, चल एक बात बता, यदि सुधाकर जी की जगह तुम्हें कुछ हो जाता और सुधाकर जी तुम्हारी तरह यूं अनमने और कटे-कटे रहते तो क्या तुमको अच्छा लगता?' मंदिरा जी कुछ बोल न पाईं और केवल ना में गर्दन हिलाकर रह गईं। रमा ने बात आगे बढ़ाते हुए कहा, 'दीये केवल तुम्हारे घर-आंगन को ही नहीं, सुधाकर जी की यादों को भी रोशन करते हैं। इसलिए तुमको दीवाली उसी उत्साह से मनानी चाहिए, जैसे उनके होने पर तुम मनाती थी।' रमा की यह बात मंदिरा जी के मन को छू गई। पर संकोच की बेड़ियां अभी भी मंदिरा जी को जकड़े हुई थीं। स्थिति भांपते हुए स्वयं रमा ने दीयों से उसका घर जगमग करने की तैयारी शुरू कर दी। रमा दीयों से सजा थाल लेकर आंगन में आईं, तो हिम्मत कर मंदिरा जी भी अपनी नम आंखों को पोंछते हुए उसके साथ जुट गईं। उसने रमा को धन्यवाद दिया और भावुकता के साथ दीयों की ओर देखते हुए कहने लगीं, 'शुक्रिया रमा। सच, आज इन दीयों की लौ मुझे उनके खुशनुमा नयनों की तरह प्रतीत हो रहे हैं, जो न केवल मुझे बल्कि इस पूरे घर को प्रेम से निहार रहे हैं।' मंदिरा जी का घर-आंगन ही नहीं उनका चेहरा भी अब उजास से दमक रहा था। पहली दीपावली की तरह ही आज भी प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से इस मुस्कुराहट व उजास के पीछे सुधाकर जी ही कारण थे, जिसे पुनः जगमग करने में रमा ने खास भूमिका निभाई थी। रमा की दीपावली भी इस बार कुछ खास हो गई क्योंकि आज उसने एक अंधेरे में डूबे दिल को पुनः रोशन जो कर दिया था। *



एआई इमेज

– कुलदीप सिंह भाटी

नन्ही सी खुशी

बड़ी-बड़ी इमारतों के किनारे मलिन बस्ती में ननकू अपनी मां के साथ झोपड़ी में रहता था। आज दीपावली के उल्लास में सभी ऊंची इमारतों पर खूब रोशनी की गई थी, मगर उनकी झोपड़ी में अंधेरा ही पसरा था। बाहर पटाखों के शोर के बावजूद ननकू के रोने के आवाज साफ सुनाई दे रही थी। वह अपनी मां से पटाखे खरीदने की जिद कर रहा था, ले कि न उसकी मां इसी सोच में दुखी थी कि आज मिले मजदूरी के पैसे से वह ननकू के लिए पटाखे लाए या दीये जलाने के लिए तेल या दीपावली की मिठाई या फिर रोज की तरह चटनी-रोटी का इंतजाम करे! कुछ देर बाद जब उसकी तंद्रा टूटी, उसे ननकू के हंसने की आवाज सुनाई दी। देखा तो ननकू पास ही की एक इमारत के बच्चों द्वारा फेंके गए जले अधजले पटाखों को जलाकर खुश हो रहा था। कुछ देर बाद ननकू की झोपड़ी के सामने भी एक नन्हा-सा दीपक जल रहा था, जिसके प्रकाश में ननकू की मां के चेहरे पर खुशी की एक हल्की-सी चमक स्पष्ट दिखाई दे रही थी। शायद ननकू की मां को अपनी समस्या का समाधान मिल जाने की खुशी थी। *



एआई इमेज

–विनय मोघे

दोहे / प्रो. शरद नारायण खरे

दीपपर्व



रोशनियों के पत्र हैं, अब दीपों के नाम।
पत्रों के मजमून में, खुशियों के पैगाम।।
फिर मुस्कानें पल रहीं, प्रमुदित है संघर्ष।
महक रहे नव आस से, दिवस, मास, नित वर्ष।।
उल्लासित होने लगे, सारे ही कंदील।
विश्वासों की महफिलें, लगतीं मीलों मील।।
नभ तक उत्सव की छटा, धरती पर आनंद।
मायूसी का दौर अब, आता नहीं पसंद।।
दुल्हन-सी लगती अमां, लजा रही है आज।
दीयों के इस पर्व पर, प्रमुदित लगे समाज।।
भवनों पर हैं झालरें, हर मुंडेर पर दीप।
प्रेमिल नव अहसास चल, आया आज समीप।।
तिमिर दूर जाता दिखे, होकर बहुत उदास।
उजियारे को है हुआ, जय का तो आभास।।
सज्जित वामा दीप ले, गाती शुभ के गीत।
बम, पटाखे फूटते, पली दिलों में प्रीत।।
रमा आज आतुर दिखीं, देने को वरदान।
धन-वैभव को मिल रही, आज पुरानी शान।।
कितने आकर्षक लगें, चलते हुए अनार।
दुआ और शुभकामना, बने आज आचार।।

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

बहुरंगी सॉनेट का सौंदर्य

एक समंदर गहरा भीतर' के बाद हाल में ही डॉ. वेद मित्र शुक्ल के सॉनेट संग्रह की दूसरी पुस्तक 'यादों का जो जंतर-मंतर' प्रकाशित होकर आई है। सॉनेट के अनुशासन को बरतते हुए समाज और दुनिया की तमाम श्याम-श्वेत छवियों के साथ ही जीवन के अंतर्द्वंद्व को भी कवि ने प्रभावी ढंग से व्यक्त किया है। बाजारवाद की हाहाकारी अराजकता से जीवन कैसे आक्रांत हो रहा है, इसकी बानगी इन पंक्तियों में देखी जा सकती है, *'बाजारू हो रही सदी बिकने को हर पल/ बीत रहा जीवन कुछ यों हर सांस वायरल।'* एक अन्य सॉनेट में वे भूमंडलीकरण के दुष्प्रभाव को दूसरे शब्दों में कुछ ऐसे व्यक्त करते हैं, *'वैश्विकता का क्या मतलब जो खुद को भूले/ व्यर्थ ही गया धरा भूल जो नभ हम छू लें।'* इसी तरह आधुनिकता की अंधी दौड़ में कैसे खेती-किसानी उजड़ती जा रही है, इस बारे में कवि कहते हैं, *'खेत हुए वीरान स्वप्न सूने सूने से/ वे दिन क्या थे जुटती थीं पांतें किसान की।'* कहना चाहिए ये सॉनेट हमारे समय की बहुरंगी छवियां उकेरती हैं। *



पुस्तकः यादों का जो जंतर-मंतर (हिंदी सॉनेट संग्रह), **लेखकः** डॉक्टर वेद मित्र शुक्ल, **मूल्यः** 395 रुपए, **प्रकाशकः** सर्व भाषा ट्रस्ट, नई दिल्ली

लिक्विड फंड चुनने में रिटर्न नहीं, पोर्टफोलियो का दम देखें

- 36 फंडों के एक साल के रिटर्न में सिर्फ 0.80% अंक का अंतर
- फ्रैंकलिन, यूनियन और टाटा लिक्विड फंड ने बनाई अहम जगह
- एक साल में 6.42 से 6.52 प्रतिशत तक रहा रिटर्न
- 3 फंडों ने रिटर्न के साथ जोखिम प्रबंधन में भी दिखाया संतुलन

विश्लेषण में दिए गए आंकड़े डायरेक्ट ग्रोथ प्लान के हैं। तीनों फंडों के रिटर्न में अंतर बहुत कम है। उदाहरण के लिए, फ्रैंकलिन के 6.49 प्रतिशत और टाटा के 6.43 प्रतिशत रिटर्न के बीच एक लाख रुपये के निवेश पर एक साल में करीब 57 रुपये का अंतर बनता है। इसलिए केवल मामूली अधिक रिटर्न के आधार पर फंड चुनना उचित नहीं है। लिक्विड फंड में भी क्रेडिट जोखिम और ब्याज दर से जुड़ा जोखिम हो सकता है। इनका रिटर्न निश्चित नहीं होता और यह बैंक जमा की तरह गारंटीड नहीं है। निवेश से पहले अपनी जरूरत, निवेश की अवधि और जोखिम क्षमता का आकलन करें तथा जरूरत पड़ने पर वित्तीय सलाहकार से परामर्श लें।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

बचत खाते में पैसा रखने के बजाय बेहतर रिटर्न की तलाश करने वाले निवेशकों के लिए लिक्विड म्यूचुअल फंड एक विकल्प हो सकते हैं। ये फंड आमतौर पर 91 दिनों तक की परिपक्वता वाली ऋण प्रतिभूतियों में निवेश करते हैं। कम अवधि के कारण इनमें ब्याज दरों में बदलाव का असर अपेक्षाकृत जल्दी दिखाई दे सकता है। हालांकि, इन्हें बैंक की सावधि जमा की तरह पूरी तरह जोखिम-मुक्त नहीं माना जाना चाहिए। ऐसे में लिक्विड फंड चुनते समय केवल पिछले रिटर्न के बजाय उसके पोर्टफोलियो, खर्च और जोखिम के पैमानों को समझना जरूरी है। फाइनेंशियल एक्सप्रेस में प्रकाशित इक्विटीमास्टर के विश्लेषण के अनुसार, पिछले एक साल में लिक्विड फंड श्रेणी का औसत मध्य रिटर्न 6.42 प्रतिशत रहा। कम से कम तीन साल का रिकॉर्ड रखने वाले 36 फंडों में सबसे बेहतर रिटर्न 6.52 प्रतिशत और सबसे कम 5.72 प्रतिशत रहा। यानी दोनों के बीच केवल 0.80 प्रतिशत अंक का अंतर था। ऐसे में निवेश का फैसला करते समय फंड के पोर्टफोलियो और जोखिम अनुपात की भूमिका अहम हो जाती है। विश्लेषण में एक साल के रिटर्न के साथ मानक विचलन, शार्प और सॉर्टिनो अनुपात को भी आधार बनाया गया। इसी आधार पर तीन लिक्विड फंड सामने आए।

1. फ्रैंकलिन इंडिया लिक्विड फंड

फ्रैंकलिन इंडिया लिक्विड फंड ने एक साल में 6.49% रिटर्न दिया। 36 फंडों में इसका स्थान तीसरा रहा। शार्प अनुपात 1.99 के साथ यह छठे स्थान पर रहा। छह महीने के प्रदर्शन में इसने 3.21% रिटर्न दिया, जो इन तीनों फंडों में सबसे अधिक था। इसके पोर्टफोलियो का करीब 81% हिस्सा ए1+ रेटिंग वाली प्रतिभूतियों में है। इसके अलावा 3.8 प्रतिशत एएए रेटिंग वाले निवेश और 0.5 प्रतिशत ट्रेजरी बिल में है। करीब 14.7% हिस्सा नकदी और कॉल मनी में रखा गया है। तीनों फंडों में इसका नकदी हिस्सा सबसे अधिक है। इसकी औसत परिपक्वता अवधि 35 दिन और पोर्टफोलियो यील्ड 6.34 प्रतिशत है। डायरेक्ट सुपर इंस्टीट्यूशनल प्लान का आधार व्यय अनुपात 0.12% बताया गया है।



2. यूनियन लिक्विड फंड

यूनियन लिक्विड फंड ने एक साल में 6.44 प्रतिशत रिटर्न दिया और 36 फंडों में 14वां स्थान हासिल किया। हालांकि, इसका शार्प अनुपात 2.02 रहा, जो इन तीनों में सबसे बेहतर है। इसका मानक विचलन 0.22 प्रतिशत रहा, जो तीनों फंडों में सबसे कम है। फंड के पोर्टफोलियो का करीब 91 प्रतिशत हिस्सा ए1+ रेटिंग वाली प्रतिभूतियों में है। इसमें 15.2 प्रतिशत सरकारी प्रतिभूतियां और 5.4 प्रतिशत एएए रेटिंग वाले निवेश शामिल हैं। इसका पोर्टफोलियो यील्ड 6.58 प्रतिशत है, जो इन तीनों में सबसे अधिक है। डायरेक्ट प्लान का खर्च अनुपात 0.06 से 0.07 प्रतिशत के बीच है। इसकी औसत परिपक्वता अवधि करीब 58 दिन है।

3. टाटा लिक्विड फंड

टाटा लिक्विड फंड ने एक साल में 6.43 प्रतिशत रिटर्न दिया। शार्प अनुपात 1.95 रहा। इसका मानक विचलन 0.23 प्रतिशत है। पोर्टफोलियो का करीब 85 प्रतिशत हिस्सा ए1+ रेटिंग वाली प्रतिभूतियों में और 17 प्रतिशत सरकारी प्रतिभूतियों में है। इसकी औसत परिपक्वता अवधि 53 दिन और पोर्टफोलियो यील्ड 6.44 प्रतिशत है। तीनों फंडों में इसका आकार सबसे बड़ा है। यह सितंबर 2004 में शुरू हुआ था। हालांकि, इसका डायरेक्ट प्लान खर्च अनुपात 0.19 प्रतिशत है, जो इन तीनों में सबसे अधिक है।

निवेश से पहले इन बातों का रखें ध्यान

लिक्विड फंड चुनते समय केवल एक साल के रिटर्न को आधार बनाना सही नहीं है। फंड की प्रतिभूतियों की रेटिंग, पोर्टफोलियो में सरकारी निवेश की हिस्सेदारी, औसत परिपक्वता अवधि और खर्च अनुपात को भी देखना चाहिए। शार्प और सॉर्टिनो अनुपात से जोखिम के मुकाबले मिले रिटर्न को समझने में मदद मिलती है। विश्लेषण में दिए गए आंकड़े डायरेक्ट ग्रोथ प्लान के हैं। तीनों फंडों के रिटर्न में अंतर बहुत कम है। उदाहरण के लिए, फ्रैंकलिन के 6.49 प्रतिशत और टाटा के 6.43 प्रतिशत रिटर्न के बीच एक लाख रुपये के निवेश पर एक साल में करीब 57 रुपये का अंतर बनता है। इसलिए केवल मामूली अधिक रिटर्न के आधार पर फंड चुनना उचित नहीं है।

कम कमाई में भी शुरू करें निवेश, वेतन बढ़ने पर बचत की रकम बढ़ाएं

जानकारी
बिजनेस डेस्क

करियर की शुरुआत में कम वेतन के कारण कई युवा बचत और निवेश को टालते रहते हैं। उन्हें लगता है कि अच्छी कमाई शुरू होने के बाद ही पैसा बचाया जा सकता है। लेकिन आर्थिक मजबूती के लिए बड़ी आय से ज्यादा जरूरी है बचत की आदत और समय पर निवेश की शुरुआत। एक 26 वर्षीय युवा की वित्तीय यात्रा बताती है कि कैसे 18 हजार रुपये महीने की कमाई से शुरुआत करके तीन साल में सालाना 50 लाख रुपये के कंपनी पैकेज तक पहुंचा जा सकता है और निवेश के जरिए अच्छी-खासी संपत्ति बनाई जा सकती है। वर्ष 2023 में इस युवा का मासिक वेतन करीब 18 हजार रुपये था। उन्होंने शुरुआत में ही पांच हजार रुपये की मासिक एसआईपी शुरू कर दी। तीन साल में उनका सालाना पैकेज बढ़कर 50 लाख रुपये हो गया और वित्तीय संपत्ति करीब 65 से 75 लाख रुपये तक पहुंच गई। इस दौरान मई 2026 में नौकरी भी चली गई, लेकिन आपातकालीन बचत ने आर्थिक मुश्किलों से निपटने में मदद की। इस अनुभव से युवा सात अहम सबक सीख सकते हैं।

कम कमाई हो तो भी बचत

निवेश शुरू करने के लिए बड़ी रकम का इंतजार न करें। नौकरी की शुरुआत में पांच सौ या एक हजार रुपये की बचत भी अच्छी आदत बन सकती है। नियमित निवेश से समय के साथ रकम बढ़ाने का अवसर मिलता है। शुरुआत छोटी हो सकती है, लेकिन उसे लगातार जारी रखना जरूरी है।

आय बढ़ाने पर भी दें ध्यान

बचत के लिए अनावश्यक खर्च कम करना जरूरी है, लेकिन केवल खर्च घटाकर बड़ी संपत्ति बनाना मुश्किल है। युवाओं को अपने कौशल और कार्यक्षमता बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। नए प्रशिक्षण, बेहतर नौकरी के अवसर और वेतन वृद्धि के लिए बातचीत आय बढ़ाने में मदद कर सकती है। कमाई बढ़ने पर बचत और निवेश की रकम भी बढ़ाएं।

युवा कैसे बचाएं पैसे, ये सात टिप्स निभाएंगे अहम भूमिका

आपातकालीन कोष बनाएं

अच्छी नौकरी और ऊंचा वेतन भी नौकरी जाने के जोखिम को खत्म नहीं करते। इसलिए कम से कम छह महीने के जरूरी खर्च के बराबर रकम अलग रखें। इसे बचत खाते, सावधि जमा या ऐसे सुरक्षित विकल्पों में रखें, जहां जरूरत पड़ने पर पैसा आसानी से मिल सके। इस रकम को शेयर बाजार जैसे जोखिम वाले निवेश में न लगाएं। संबंधित युवा के पास नौकरी जाने के समय छह लाख रुपये का आपातकालीन कोष था, जिसे बाद में बढ़ाकर सात से आठ लाख रुपये कर लिया गया।

5. सीटीसी और हाथ में आने वाले वेतन का अंतर समझें

कंपनी का सालाना पैकेज यानी सीटीसी बैंक खाते में आने वाली रकम नहीं होता। इसमें मूल वेतन के अलावा बोनस, भविष्य निधि, कंपनी के शेयर और दूसरी सुविधाएं शामिल हो सकती हैं। इसलिए नौकरी बदलते समय केवल बड़े पैकेज से प्रभावित न हों। कर और दूसरी कटौतियों के बाद हर महीने मिलने वाली वास्तविक रकम का हिसाब लगाएं। उसी के आधार पर खर्च, बचत और निवेश की योजना बनाएं।



वेतन बढ़ते ही जीवनशैली महंगी न करें

नौकरी में वेतन बढ़ने के साथ महंगे फोन, वाहन, कपड़े और बाहर खाने पर खर्च बढ़ाना आसान है। इसे जीवनशैली का विस्तार कहा जाता है। यदि हर वेतन वृद्धि के साथ खर्च भी उतनी ही तेजी से बढ़ेगा तो बचत सीमित रह जाएगी। वेतन बढ़ने पर पहले निवेश की रकम बढ़ाएं और फिर जरूरत के अनुसार खर्च तय करें।

पूरा पैसा एक ही निवेश विकल्प में न लगाएं

संपत्ति बनाने के लिए निवेश में विविधता जरूरी है। म्यूचुअल फंड, शेयर, सोना और सुरक्षित बचत विकल्पों में अपनी जोखिम क्षमता और लक्ष्य के अनुसार पैसा बांट सकते हैं। किसी एक शेयर या तेजी से मुनाफा देने वाले विकल्प के पीछे पूरी बचत न लगाएं। नियमित निवेश और लंबी अवधि का नजरिया अपनाएं। बाजार में उतार-चढ़ाव के कारण निवेश का मूल्य घट-बढ़ सकता है, इसलिए रिटर्न की गारंटी मानकर न चलें। आर्थिक योजना केवल अपनी जरूरतों और शौक तक सीमित नहीं होनी चाहिए।

दिवाली पर गोल्ड या सिल्वर ईटीएफ में कहां लगाएं पैसा?

- सोना देता है बाजार की उठापटक में सहारा
- चांदी में तेजी के साथ जोखिम भी ज्यादा
- पोर्टफोलियो में 10 से 15 प्रतिशत तक रखें कीमती धातुओं की हिस्सेदारी

तैयारी
बिजनेस डेस्क

दिवाली पर सोना खरीदना शुभ माना जाता है। इसी वजह से कई निवेशक त्योहार के मौके पर गोल्ड और सिल्वर में पैसा लगाने की योजना बनाते हैं। हालांकि, अब भौतिक सोने-चांदी के साथ एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) भी निवेश का एक विकल्प बन गए हैं। इनके जरिये निवेशक बिना धातु को खरीदे और संभालकर रखे, उसकी कीमतों में होने वाले बदलाव का लाभ ले सकते हैं। लेकिन सवाल यह है कि इस दिवाली गोल्ड ईटीएफ बेहतर रहेगा या सिल्वर ईटीएफ? इसका जवाब केवल पिछले रिटर्न में नहीं, बल्कि निवेश के उद्देश्य और जोखिम उठाने की क्षमता में छिपा है। सोना और चांदी दोनों कीमती धातुएं हैं, लेकिन इनके दाम तय होने के कारक अलग-अलग हैं। सोना आर्थिक अनिश्चितता और महंगाई के दौर में निवेशकों के लिए सुरक्षा का माध्यम माना जाता है। वहीं, चांदी का इस्तेमाल औद्योगिक गतिविधियों में भी होता है। इसलिए इसकी कीमत पर निवेश की मांग के साथ उद्योगों की जरूरत का भी असर पड़ता है। इसमें तेजी के साथ गिरावट की आशंका भी अधिक रहती है। निवेश से पहले इन पांच बातों को समझना जरूरी है।

सोने और चांदी की भूमिका को समझें

गोल्ड ईटीएफ और सिल्वर ईटीएफ को एक जैसा निवेश विकल्प नहीं मानना चाहिए। सोना आमतौर पर आर्थिक अनिश्चितता, महंगाई और बाजार में अस्थिरता के दौरान पोर्टफोलियो को संतुलन देने में मदद करता है। इसके मुकाबले चांदी की कीमत औद्योगिक मांग से भी प्रभावित होती है। इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में इसकी जरूरत बढ़ने या घटने का असर कीमतों पर पड़ सकता है। पिछले एक साल में चांदी ने सोने से बेहतर प्रदर्शन किया, लेकिन बीते छह महीनों में दोनों की कीमतों पर दबाव रहा। इसलिए केवल हालिया रिटर्न देखकर निवेश का फैसला न करें।

पहली बार निवेश कर रहे हैं तो सोने से करें शुरुआत

यदि आप पहली बार कीमती धातुओं में निवेश कर रहे हैं और ज्यादा जोखिम नहीं लेना चाहते तो गोल्ड ईटीएफ से शुरुआत पर विचार कर सकते हैं। इसकी तुलना में सिल्वर ईटीएफ में कीमतों का उतार-चढ़ाव अधिक हो सकता है। जिन निवेशकों के पास पहले से सोना है और निवेश की अवधि लंबी है, वे अपने पोर्टफोलियो में सीमित मात्रा में चांदी शामिल करने पर विचार कर सकते हैं। ध्यान रखें कि चांदी का भाव सोने से कम होने का अर्थ यह नहीं है कि उसमें तेजी की संभावना निश्चित है।



पोर्टफोलियो में कितनी रखें हिस्सेदारी?

निवेश विशेषज्ञों के अनुसार, पोर्टफोलियो में कीमती धातुओं की हिस्सेदारी सीमित रखनी चाहिए। इन्वेस्को म्यूचुअल फंड के पैसिव इन्वेस्टमेंट प्रमुख अभिषेक बहिनिपति के अनुसार, एक सामान्य रणनीति के तहत पोर्टफोलियो का करीब 10 प्रतिशत हिस्सा सोने में रखा जा सकता है। यदि निवेशक सोने और चांदी दोनों में पैसा लगाना चाहते हैं तो कुल 15 प्रतिशत हिस्सेदारी में 10 प्रतिशत सोना और पांच प्रतिशत चांदी रख सकते हैं। हालांकि, यह कोई अनिवार्य नियम नहीं है। कम जोखिम लेने वाले निवेशक चांदी का हिस्सा और कम रख सकते हैं।

किस्तों में लगाएं पैसा

सोने और चांदी की कीमतों में तेजी से बदलाव हो सकता है। ऐसे में एक साथ बड़ी रकम निवेश करने से बचना बेहतर हो सकता है। निवेशक हर महीने थोड़ी-थोड़ी रकम लगाकर खरीद की औसत लागत को संतुलित करने का प्रयास कर सकते हैं। यदि एकमुश्त पैसा उपलब्ध है तो उसे तीन से छह महीने में अलग-अलग हिस्सों में निवेश किया जा सकता है। इससे किसी एक दिन की ऊंची कीमत पर पूरी रकम लगाने का जोखिम कम हो सकता है। हालांकि, किस्तों में निवेश करने से नुकसान की आशंका पूरी तरह समाप्त नहीं होती।

पोर्टफोलियो का संतुलन जरूर जांचें

सोने या चांदी की कीमतों में तेजी आने से पोर्टफोलियो में इनकी हिस्सेदारी तय सीमा से अधिक हो सकती है। ऐसी स्थिति में कुछ निवेश बेचकर दूसरी संपत्तियों में पैसा लगाया जा सकता है। इसे पोर्टफोलियो का पुनर्संतुलन कहा जाता है। वहीं, बाजार में थोड़ी गिरावट आने पर घबराकर निवेश बेचने से बचना चाहिए। निवेश बनाए रखने या मुनाफा निकालने का फैसला अपने वित्तीय लक्ष्य, निवेश अवधि, जोखिम उठाने की क्षमता और कर देनदारी को ध्यान में रखकर करें। गोल्ड या सिल्वर ईटीएफ चुनते समय केवल रिटर्न पर ध्यान देना पर्याप्त नहीं है। संबंधित फंड का खर्च अनुपात, कारोबार की मात्रा और खरीद-बिक्री के बीच कीमत का अंतर भी देखना चाहिए। ईटीएफ में निवेश के लिए डीमैट और ट्रेडिंग खाते की जरूरत होती है। यह भी समझें कि ईटीएफ का मूल्य संबंधित धातु की कीमत के साथ घट-बढ़ सकता है। इसलिए इसमें निश्चित रिटर्न की उम्मीद नहीं करनी चाहिए।

अलर्ट 10 हजार की मासिक एसआईपी में 10 साल बाद 1.45 लाख का अंतर संभव

निवेश में अनुशासन और सही फंड का चयन भी जरूरी

समझदारी
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों के लिए खर्च घटाने और लंबी अवधि में बेहतर कोष बनाने का एक नया अवसर सामने आया है। बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के फैसले के अनुसार, एक नवंबर से म्यूचुअल फंड कंपनियों की वेबसाइटों पर डायरेक्ट प्लान डिफॉल्ट विकल्प के रूप में उपलब्ध होंगे। इसका उद्देश्य निवेशकों को कम खर्च वाले विकल्प की ओर प्रोत्साहित करना है। हालांकि, जिन निवेशकों को फंड चुनने, पोर्टफोलियो की निगरानी और बाजार के उतार-चढ़ाव के दौरान मार्गदर्शन की जरूरत है, वे रेगुलर प्लान भी चुन सकेंगे। इस बदलाव से निवेशकों के सामने अब यह समझने का अवसर है कि उन्हें केवल कम खर्च वाला विकल्प चुनना है या विशेषज्ञ की सलाह के साथ निवेश को आगे बढ़ाना है।

कम खर्च में निवेश, लंबी अवधि में बड़ा फायदा

म्यूचुअल फंड वेबसाइटों पर एक नवंबर से डायरेक्ट प्लान डिफॉल्ट विकल्प

क्या है डायरेक्ट व रेगुलर प्लान का अंतर

म्यूचुअल फंड में निवेश के लिए मुख्य रूप से दो विकल्प होते हैं। डायरेक्ट प्लान में निवेशक सीधे म्यूचुअल फंड कंपनी के माध्यम से निवेश करता है। इसमें वितरक या एजेंट का कमीशन शामिल नहीं होता, इसलिए इसका व्यय अनुपात यानी एक्सपेंस रेशियो कम रहता है। दूसरी ओर, रेगुलर प्लान में निवेशक वितरक या एजेंट के माध्यम से निवेश करता है। इसके बदले फंड के खर्च में वितरक का कमीशन भी शामिल रहता है। दोनों प्लान में निवेश एक ही फंड और पोर्टफोलियो में होता है, लेकिन खर्च अलग होने के कारण लंबी अवधि में मिलने वाले रिटर्न में अंतर आ सकता है। डायरेक्ट प्लान की शुरुआत वर्ष 2013 में हुई थी।

फंड के अनुसार अलग है खर्च का अंतर

डायरेक्ट और रेगुलर प्लान के बीच एक्सपेंस रेशियो का अंतर फंड की श्रेणी के अनुसार बदलता है। लार्ज कैप फंड में यह अंतर करीब 0.7 से 0.8 प्रतिशत, मिड कैप फंड में 1 से 1.3 प्रतिशत और फ्लेक्सी कैप फंड में 0.8 से 1 प्रतिशत तक हो सकता है। लिक्विड फंड में यह अंतर अपेक्षाकृत कम, करीब 0.15 से 0.3 प्रतिशत रहता है। कम खर्च का फायदा शुरुआत में भले ही छोटा दिखाई दे, लेकिन लंबी अवधि में चक्रवृद्धि की वजह से इसका प्रभाव बड़ा हो सकता है। निवेशक को यह समझना चाहिए कि खर्च में कमी का अर्थ निश्चित रूप से अधिक रिटर्न नहीं है, क्योंकि फंड का प्रदर्शन बाजार की परिस्थितियों पर भी निर्भर करता है।



10 हजार की एसआईपी में 1.45 लाख रुपए का अंतर

डायरेक्ट और रेगुलर प्लान के बीच खर्च का प्रभाव एक उदाहरण से समझा जा सकता है। यदि कोई निवेशक मिड कैप फंड में हर महीने 10 हजार रुपये की एसआईपी करता है और 14 प्रतिशत सालाना अनुमानित रिटर्न मानकर 10 साल तक निवेश बनाए रखता है तो डायरेक्ट प्लान में करीब 24.66 लाख रुपये का कोष बन सकता है। वहीं, रेगुलर प्लान में यह राशि करीब 23.21 लाख रुपये रह सकती है। इस तरह दोनों विकल्पों के बीच लगभग 1.45 लाख रुपये का अंतर हो सकता है। यदि निवेश की अवधि 20 साल कर दी जाए तो खर्च में अंतर और उस पर मिलने वाले संभावित चक्रवृद्धि लाभ का प्रभाव भी बढ़ जाता है। हालांकि, यह केवल अनुमानित गणना है। वास्तविक रिटर्न बाजार के प्रदर्शन, फंड के खर्च और निवेश की अवधि के अनुसार अलग हो सकता है।

रेगुलर प्लान में मिलता है मार्गदर्शन का लाभ

कम एक्सपेंस रेशियो डायरेक्ट प्लान का बड़ा फायदा है, लेकिन निवेश में केवल लागत ही महत्वपूर्ण नहीं होती। बाजार में गिरावट, आर्थिक अनिश्चितता और फंड के प्रदर्शन में उतार-चढ़ाव के दौरान निवेशक कई बार घबराकर पैसा निकाल लेते हैं। ऐसे समय में वितरक निवेशकों को धैर्य बनाए रखने, पोर्टफोलियो की समीक्षा करने और जरूरत के अनुसार निवेश में बदलाव करने में मदद कर सकते हैं। आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2026 में पांच साल से अधिक समय तक निवेश बनाए रखने वाले रेगुलर प्लान के निवेशकों की हिस्सेदारी 23.5 प्रतिशत थी, जबकि डायरेक्ट प्लान में यह 14 प्रतिशत रही। इससे निवेश के दौरान मार्गदर्शन और अनुशासन की अहमियत सामने आती है।

डायरेक्ट प्लान की ओर बढ़ रहा निवेशकों का रुझान

एम्फी-क्रिसिल फैक्टबुक 2026 के आंकड़ों के अनुसार, डायरेक्ट प्लान में खुदरा निवेशकों की हिस्सेदारी मार्च 2021 में 21.4 प्रतिशत थी, जो मार्च 2026 में बढ़कर 36.7 प्रतिशत हो गई। डिजिटल निवेश मंचों की उपलब्धता और वित्तीय जागरूकता बढ़ने से युवा निवेशक खुद फंड चुनने में अधिक रुचि दिखा रहे हैं। 18 से 34 वर्ष आयु वर्ग में डायरेक्ट प्लान का रुझान अधिक है। इसके विपरीत, 58 वर्ष से अधिक आयु के निवेशकों में रेगुलर प्लान की हिस्सेदारी मार्च 2021 के 18.5 प्रतिशत से बढ़कर मार्च 2026 में 22.4 प्रतिशत हो गई।

सलाह लेकर भी चुन सकते हैं डायरेक्ट प्लान

निवेशकों के पास एक तीसरा रास्ता भी है। वे सेबी में पंजीकृत निवेश सलाहकार से शुल्क देकर वित्तीय सलाह ले सकते हैं और इसके बाद डायरेक्ट प्लान में निवेश कर सकते हैं। इसमें सलाह का शुल्क फंड के खर्च से अलग रहता है। इस व्यवस्था में निवेशक को फंड चयन और वित्तीय योजना के लिए विशेषज्ञ की मदद मिल सकती है, जबकि वितरक के कमीशन का अतिरिक्त खर्च नहीं देना पड़ता। हालांकि, सलाहकार का चयन करते समय उसकी योग्यता, पंजीकरण और शुल्क व्यवस्था की जांच करना जरूरी है।

निवेश से पहले इन बातों का रखें ध्यान

- केवल कम एक्सपेंस रेशियो देखकर किसी फंड में निवेश न करें। उसके पिछले प्रदर्शन, निवेश रणनीति और जोखिम का आकलन करें।
- अपनी आय, वित्तीय लक्ष्य और जोखिम उठाने की क्षमता के अनुसार फंड की श्रेणी चुनें।
- बाजार में गिरावट आने पर जल्दबाजी में एसआईपी बंद करने या निवेश निकालने से बचें।
- समय-समय पर पोर्टफोलियो की समीक्षा करें और जरूरत के अनुसार संतुलन बनाए रखें।
- यदि फंड और बाजार की पर्याप्त समझ नहीं है तो विशेषज्ञ की सलाह लेने में संकोच न करें।

अनुशासन भी जरूरी

डायरेक्ट प्लान निवेश की लागत घटाने का अवसर जरूर देता है, लेकिन केवल इसी आधार पर निवेश का फैसला करना उचित नहीं है। सही फंड का चयन, निवेश की अवधि, जोखिम की समझ और नियमित निवेश बनाए रखना भी उतना ही जरूरी है। निवेशक को अपनी जानकारी और जरूरत के अनुसार डायरेक्ट या रेगुलर प्लान चुनना चाहिए। लंबी अवधि में बेहतर कोष बनाने का रास्ता केवल कम खर्च से नहीं, बल्कि सही रणनीति और अनुशासित निवेश से तैयार होता है।

आडवाणी : एक शताब्दी की ओर बढ़ती प्रेरणादायी यात्रा



व्यक्तित्व

नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री

आज लालकृष्ण आडवाणी जी अपने जीवन के सौवें वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं। ये सुखद संयोग है कि आज ही दीपावली का पावन पर्व भी है। प्रभु श्रीराम और दीपों के इस उत्सव के साथ आडवाणी जी के जीवन का इतना महत्वपूर्ण पड़ाव जुड़ना, इस अवसर को और भी यादगार बनाता है। इस संयोग को एक और बात विशेष बनाती है। इसी वर्ष हम जनसंघ की स्थापना के 75 वर्ष, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती भी मना रहे हैं। मैं स्वयं को सौभाग्यशाली मानता हूं कि मुझे हमेशा आडवाणी का स्नेह, सान्निध्य और मार्गदर्शन मिलता रहा है। आज उनके साथ बिताए हुए अनगिनत पल, उनसे जुड़ी कितनी ही स्मृतियां मन में उमड़ रही हैं। मैं ईश्वर से उनके उत्तम स्वास्थ्य की प्रार्थना करता हूं।

आज 8 नवंबर को लालकृष्ण आडवाणी जी अपने जीवन के सौवें वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं। ये कितना सुखद संयोग है कि आज ही दीपावली का पावन पर्व भी है। प्रभु श्रीराम और दीपों के इस उत्सव के साथ आडवाणी जी के जीवन का इतना महत्वपूर्ण पड़ाव जुड़ना, इस अवसर को और भी यादगार बनाता है। इस संयोग को एक और बात विशेष बनाती है। इसी वर्ष हम जनसंघ की स्थापना के 75 वर्ष, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती भी मना रहे हैं।

आज का ये अवसर मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से बहुत भावुक कर देने वाला है। मैं स्वयं को सौभाग्यशाली मानता हूं कि मुझे हमेशा आडवाणी का स्नेह, सान्निध्य और मार्गदर्शन मिलता रहा है। आज उनके साथ बिताए हुए अनगिनत पल, उनसे जुड़ी कितनी ही स्मृतियां मन में उमड़ रही हैं। सार्वजनिक जीवन में काम करते हुए कई दशक पहले मुझे उनके संपर्क में आने का अवसर मिला था। धीरे-धीरे हमारा ये संबंध इतना आत्मीय हो गया कि वे मेरे लिए अभिभावक की तरह बन गए। उन्होंने मेरा हाथ थामकर मुझे राजनीति की बारीकियां सिखाईं, कदम-कदम पर मेरा मार्गदर्शन किया। जीवन में जब भी कोई कठिन परिस्थिति आई, उनका अनुभव और उनकी सीख मेरे लिए संबल बने। उनकी वैचारिक स्पष्टता, उनका आत्मविश्वास और अपने सिद्धांतों के प्रति उनकी अटूट निष्ठा ने मुझे हमेशा प्रेरित किया। आज भी जब मैं उनसे मिलने जाता हूं, तो उनके साथ बिताया हुआ समय मुझे नई ऊर्जा और नई प्रेरणा से भर देता है। आज इस अवसर पर आडवाणी जी के लिए मन में एक ही भाव उमड़ रहा है..."जीवेत शरदः शतं, पश्येम शरदः शतं, शृणुयाम शरदः शतं।" ऐसे व्यक्तित्व बहुत कम हैं, जिनके जीवन में आधुनिक भारत के इतिहास के इतने सारे अध्याय समाए हों। आडवाणी का जन्म 8 नवंबर, 1927 को देव दीपावली के दिन हुआ था। 1947 में उन्हें विभाजन की पीड़ा सहनी पड़ी। सिंध में अपना घर, अपना परिवेश, अपनी जानी-पहचानी दुनिया छोड़कर उन्हें आना पड़ा। सब कुछ पीछे छूट गया और जीवन की नई शुरुआत शून्य से करनी पड़ी।





जनसंघ को मजबूत बनाया

इस कठिन अनुभव को लेकर उनके मन में कभी कोई कड़वाहट या पछतावा नहीं रहा। कितनी भी कठिन परिस्थितियां क्यों न हों, नए सिरे से कुछ खड़ा करने का उनका ये संकल्प जीवनभर उनके साथ रहा। जनसंघ को मजबूत बनाने और बाद में भारतीय जनता पार्टी के निर्माण में भी उनका यही गुण सामने आया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में उनके कार्यकाल में देश की राजनीति ने बड़े बदलाव देखे। 1989 में कांग्रेस की सीटें 400 से घटकर 200 से भी नीचे आ गईं। 1996 में भाजपा पहली बार देश की सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। आडवाणी ने कार्यकर्ताओं की अनेक पीढ़ियों को तैयार किया। उन्होंने राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत पर पार्टी की मजबूत नींव रखी। यहां मैं उनके व्यक्तित्व की दो ऐसी विशेषताओं का उल्लेख करना चाहूंगा, जो एक नेता के रूप में उन्हें अलग पहचान देती हैं। पहली है, उनकी वैचारिक स्पष्टता और बौद्धिक प्रखरता। उनके भाषणों और लेखन में इसकी झलक साफ दिखाई देती थी। जनसंघ और भाजपा के लिए उन्होंने जो प्रस्ताव लिखे, वे आज भी पढ़ने और समझने योग्य हैं। उनके इंटरव्यू में भी विचारों की गहराई के साथ शब्दों की स्पष्टता और सटीकता दिखाई देती थी। दूसरी विशेषता थी, भारतीय राजनीति में लंबे समय तक हावी रही छद्म धर्मनिरपेक्षता को लेकर उनका स्पष्ट और निर्भीक रुख। उन्होंने देश के राजनीतिक विमर्श में इस प्रवृत्ति की वास्तविकता को उजागर किया। आडवाणी जी को जो भी जिम्मेदारी मिली, उन्होंने उसे पूरी निष्ठा और लगन से निभाया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक के रूप में उन्होंने सबसे पहले राजस्थान के अलग-अलग क्षेत्रों में काम किया। इसके बाद वे दिल्ली आए, जहां उन्हें अटल जी के साथ मिलकर काम करने का अवसर मिला। दोनों ने दशकों तक कंधे से कंधा मिलाकर काम किया। आडवाणी जी के लिए अटल जी हमेशा उनके नेता और मार्गदर्शक रहे। राजनीति के इतिहास में ऐसे उदाहरण बहुत कम मिलते हैं, जब दो बड़े कद के नेता इतने लंबे समय तक एक-दूसरे के साथ खड़े रहे हों। अक्सर समय के साथ राजनीतिक परिस्थितियां बदलती हैं, महत्वाकांक्षाएं टकराती हैं। साथ चलने वाले नेता भी अलग-अलग रास्तों पर निकल जाते हैं, लेकिन अटल जी और आडवाणी जी का साथ अपने आप में एक अनूठी मिसाल है।

अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण की शपथ

आडवाणी जी ने इस रथयात्रा में जिस जीवटता और संकल्प शक्ति का परिचय दिया, वो अपने आप में प्रेरणादायी है। इस यात्रा से जुड़ा एक प्रसंग आज भी मेरी स्मृतियों में ताजा है। बिहार में आडवाणी जी की गिरफ्तारी हम सभी के लिए बहुत दुखद क्षण था। उस समय गुजरात में भाजपा ने चिमनभाई पटेल की सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया। इसके पीछे संदेश बिल्कुल स्पष्ट था...अपनी विचारधारा और राम मंदिर के निर्माण के संकल्प पर कोई समझौता नहीं होगा। हमारे अनेक वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने शपथ ली कि चाहे कितनी भी बाधाएं आएं, अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण होकर ही रहेगा। और फिर वर्षों बाद वो ऐतिहासिक अवसर भी आया, जब जनता-जनार्दन के आशीर्वाद से अयोध्या में प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर का सपना साकार हुआ। आडवाणी जी के व्यक्तित्व के ऐसे अनेक पहलू हैं, जो उन्हें और भी विशिष्ट बनाते हैं। उनकी सादगी और सरलता भी ऐसी ही एक विशेषता है। नवनिर्माण आंदोलन के बाद आडवाणी जी जूनागढ़ आए थे। वहां वे एक सामान्य कार्यकर्ता की तरह पूरे एक महीने तक रहे और विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी को तैयार करने में जुटे रहे। इन चुनावों में जनता ने इंदिरा गांधी की कांग्रेस को नकार दिया था। आडवाणी जी ने अपने आचरण से हमेशा सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी और शुचिता का उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्हें पढ़ने का बहुत शौक है। जो लोग उनके साथ रहे हैं, वे जानते हैं कि वे अखबारों को भी कितने ध्यान से और कितनी बारीकी से पढ़ते रहे हैं। सिनेमा और रंगमंच से भी उनका गहरा लगाव रहा है। वर्षों तक वे बड़े उत्साह से फिल्मों की समीक्षा भी करते रहे हैं।

2024 में 'भारत रत्न' से सम्मानित

इतिहास के प्रति उनकी गहरी समझ और उसे सहेजकर रखने की उनकी भावना भी उल्लेखनीय है। उनकी पुस्तक '**My Country My Life**' में इसकी सुंदर झलक मिलती है। आडवाणी जी का अपनी सिंधी संस्कृति से हमेशा गहरा जुड़ाव रहा है। लेह के पास सिंधु दर्शन पूजा को लोकप्रिय बनाने में भी उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुझे स्वयं भी एक बार आडवाणी जी और जॉर्ज फर्नांडिस जी के साथ सिंधु दर्शन पूजा में शामिल होने का सौभाग्य मिला था। आडवाणी जी की इस असाधारण जीवन यात्रा की बात हो और कमला आडवाणी जी का उल्लेख न हो, तो ये यात्रा अधूरी रह जाएगी। इतने लंबे सार्वजनिक जीवन में कमला जी हमेशा उनकी शक्ति और संबल बनी रहीं। हर कदम पर उनका साथ दिया। कराची में पले-बढ़े आडवाणी जी ने शायद ही कभी कल्पना की होगी कि जीवन उन्हें कितनी लंबी और असाधारण यात्रा पर ले जाएगा। देश के प्रति उनके योगदान के लिए कृतज्ञ राष्ट्र ने वर्ष 2024 में उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया। आज जब आडवाणी जी अपने जीवन के सौवें वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं, तो मैं ईश्वर से उनके उत्तम स्वास्थ्य की प्रार्थना करता हूं।



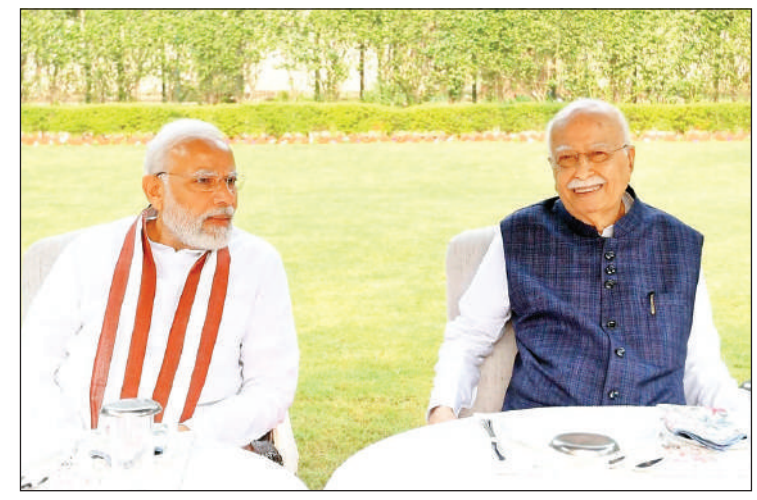

सोमनाथ से अयोध्या की रथयात्रा

आपातकाल आडवाणी जी के जीवन का एक महत्वपूर्ण मोड़ था। उस दौर में वे लोकतंत्र को बचाने और संविधान की रक्षा के संघर्ष में अग्रिम पंक्ति में खड़े रहे। इसमें उन्होंने जून 1975 से भारत में शुरू हुई घटनाओं और 1933 में हिटलर के शासन के दौरान जर्मनी में हुई घटनाओं के बीच आश्चर्यजनक समानताओं का बहुत प्रभावी ढंग से वर्णन किया है। आडवाणी जी विपक्ष में जितने प्रखर नेता रहे, प्रशासन में भी उतने ही कुशल साबित हुए। 1977 में जब जनता सरकार बनी, तो उन्हें सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की जिम्मेदारी मिली। इस मंत्रालय में उनके कार्यकाल को आज भी विशेष रूप से प्रभावशाली माना जाता है। बाद में उप प्रधानमंत्री और देश में सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले गृह मंत्रियों में से एक के रूप में उन्होंने भारत की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हमारे सुरक्षा बलों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए उन्होंने जो प्रयास किए, उन्हें आज भी बड़े आदर और आत्मीयता से याद किया जाता है। आतंकवाद के खिलाफ उनका रुख हमेशा स्पष्ट और दृढ़ रहा। उनके इसी संकल्प के कारण देश को आतंकवाद से निपटने के लिए एक सख्त कानून मिला। सोमनाथ से अयोध्या तक की रथयात्रा आडवाणी जी के जीवन का एक ऐतिहासिक अध्याय है। मैं स्वयं को सौभाग्यशाली मानता हूं कि मुझे इस ऐतिहासिक यात्रा से जुड़ने का अवसर मिला। यात्रा की परिकल्पना से लेकर उसकी तैयारियों और फिर उसे आगे बढ़ाने तक, मुझे हर चरण में योगदान देने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। रथयात्रा के शुभारंभ के समय सोमनाथ में उपस्थित रहना भी मेरे लिए एक अविस्मरणीय अनुभव था।

गुजरात से पुराना नाता रहा

इतिहास साक्षी है, पांच-छह दशकों की इस लंबी यात्रा में दोनों एक-दूसरे के सहयोगी बने रहे। भारतीय राजनीति में आपसी विश्वास, सहयोग और समर्पण की ये परंपरा आज भी एक बड़ी प्रेरणा है। आडवाणी जी जब दिल्ली आए थे, तब ये शहर विभाजन की विभीषिका से उबरने का प्रयास कर रहा था। ऐसे समय में उन्होंने जनसंघ को मजबूत बनाने के लिए खुद को पूरी तरह समर्पित कर दिया। 1967 में वे दिल्ली महानगर परिषद के अध्यक्ष बने। एक सांसद के रूप में आडवाणी की यात्रा 1970 के दशक से शुरू हुई। एक सांसद के रूप में, दोनों सदनों में विपक्ष के नेता के रूप में और सत्ता पक्ष में रहते हुए भी उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई। संसदीय जिम्मेदारियों में व्यस्त रहने के बावजूद वे लगातार देश के अलग-अलग हिस्सों में जाते रहे, लोगों से मिलते रहे और उनसे संवाद करते रहे। 1991 के लोकसभा चुनाव की स्मृतियां आज भी मेरे मन में ताजा हैं। उस समय तय हुआ था कि आडवाणी जी दो लोकसभा सीटों से चुनाव लड़ेंगे। इनमें से एक सीट गांधीनगर की थी। आडवाणी जी का गुजरात से बहुत पुराना नाता रहा है। विभाजन के बाद उनके पिताजी कच्छ में आकर बसे थे। 1976 में, जब देश में आपातकाल अपने चरम पर था, तब आडवाणी जी गुजरात से राज्यसभा सांसद भी बने थे। इस तरह 1991 में गांधीनगर से चुनाव लड़ना उनके लिए एक तरह से घर वापसी जैसा था। उस समय मैं भाजपा के संगठन में काम कर रहा था। मुझे आडवाणी जी के नामांकन पत्र तैयार करने से लेकर पूरे चुनाव अभियान में उनके साथ काम करने का सौभाग्य मिला।

अमेरिका के प्रति संतुलित रुख रखे भारत



मंथन

उमेश चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

यह पहला मौका नहीं है कि जब किसी अमेरिकी राष्ट्रपति की पार्टी को मध्यावधि चुनावों में करारी हार का सामना करना पड़ा हो। अमेरिकी इतिहास में 1934 से अब तक सिर्फ तीन ऐसे मौके आए हैं, जब मध्यावधि चुनावों में अमेरिकी राष्ट्रपति की पार्टी को जीत मिली। ट्रंप को अपने पहले कार्यकाल के दौरान भी मध्यावधि चुनाव में हार मिली थी। यह बात और है कि तब हार इतनी बड़ी नहीं थी।

लोकतांत्रिक समाज में हर चुनावी नतीजे का असर होता है। अगर नतीजे व्यापक हों तो उसका असर भी उतना ही व्यापक होता है। इस लिहाज से कह सकते हैं कि अमेरिका के इन चुनाव नतीजों का असर सिर्फ अमेरिका ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया पर पड़ेगा, जिसमें अपना देश भी शामिल है। चूंकि अमेरिकी संसद, कांग्रेस के दोनों सदनों हाउस ऑफ रिप्रजेंटिव और सीनेट में अब विपक्षी डेमोक्रेट का बहुमत हो गया है, इसलिए ट्रंप को अपनी नीतियों को लागू करना आसान नहीं होगा। डेमोक्रेट सांसद उनके प्रस्तावों को रोक सकते हैं या उनमें सुधार प्रस्तावित कर सकते हैं। लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि अमेरिकी राष्ट्रपति के पास वीटो का ताकतवर हथियार है, जिसका वह इस्तेमाल करता रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप की जैसी फितरत है, उसकी वजह से कह सकते हैं कि वे अपनी इस शक्ति का इस्तेमाल करने से नहीं रुकेंगे। अमेरिकी लोकतंत्र की एक खासियत है कि वहां की नीतियां जनमत के पैरामीटर के साथ गिरती और उठती रही हैं। अमेरिकी संविधान के अनुसार वहां का नागरिक इतना महत्वपूर्ण है कि उसकी सामूहिक राय से अमेरिकी राष्ट्रपति और उसकी नीतियां प्रभावित हुए बिना नहीं रहतीं। इसके बावजूद याद रखा जाना चाहिए कि ट्रंप अलग ही तरह की शख्सियत हैं। वे कब क्या बोल दें और कब अपनी ही कही हुई बात से पलट जाएं, कहना मुश्किल है। उन पर भरोसा करना मुश्किल है। जिस रूस से तेल खरीदने के लिए वे भारत पर टैरिफ लाद रहे थे, उसी रूस से खुद उन्होंने ही तेल खरीदना शुरू कर दिया। इसलिए मौजूदा मध्यावधि चुनाव नतीजों के बाद भारत को न तो ज्यादा उत्साहित होने की बात है और न ही ज्यादा निराश होने की। भारत को पहले की ही तरह संतुलित रुख अख्तियार किए रखना होगा। भारतीय नेतृत्व और कूटनीति के लिए अच्छी बात यह है कि उनका अमेरिका की दोनों प्रमुख पार्टियों रिपब्लिकन और डेमोक्रेट-से बेहतर संबंध रहा है। इसलिए रिपब्लिकन ट्रंप और डेमोक्रेट सांसदों के बीच भारत को संतुलन बनाए रखना होगा। अव्यवस्थित चित्त वाले ट्रंप और सधी हुई राजनीति करने वाले डेमोक्रेट सांसदों से भरी अमेरिकी संसद से भारत को संतुलित संबंध बनाए रखना होगा। फिर भी मोटे तौर पर कहा जा सकता है कि अमेरिकी चुनाव के मौजूदा नतीजे भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। इन परिणामों का भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात के साथ ही वहां काम कर रहे भारतीय पेशेवरों के भविष्य पर असर पड़ेगा। इसके साथ ही दोनों देशों के बीच जारी रक्षा और सामरिक सहयोग पर भी प्रभाव दिख सकता है। चूंकि अमेरिका आज के दौर में भारतीय उत्पादो का बड़ा बाजार है, इसलिए अमेरिकी टैरिफ नीति में छोटे से छोटे परिवर्तन का असर सीधे तौर पर भारतीय निर्यातकों पर पड़ता है। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता अभी तक परवान नहीं चढ़ पाया है। पिछले महीने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने अपनी भारत यात्रा के दौरान कहा था कि दोनों देशों के बीच व्यापार समझौता अपने आखिरी दौर में है। इन चुनाव नतीजों से उम्मीद की जा रही है कि अमेरिका में रह रहे और वहां जाने की इच्छा रखने वाले भारतीय पेशेवरों को थोड़ी आसानी होगी। चूंकि ट्रंप प्रशासन ने अमेरिका आने वाले लोगों की वीजा नीति और वर्क परमिट में खासा बदलाव किया है। अब हो सकता है कि डेमोक्रेट बहुमत वाली अमेरिकी संसद इस प्रस्ताव में कुछ छूट सुझाए। पूरी दुनिया में महंगाई की वजह ट्रंप प्रशासन द्वारा ईरान पर किया गया हमला और उससे उपजी परिस्थितियां रही हैं। अब संसद पर ट्रंप की पकड़ कमजोर हुई है, लिहाजा अब ज्यादा दिन तक ईरान युद्ध नहीं चल सकता। इससे जहां कच्चे तेल का उत्पादन बढ़ सकता है, वहीं वैश्विक रक्षा खर्च भी कम हो सकता है। चूंकि भारत अपनी ईंधन जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है, इसलिए तेल की कीमतें घटने से घरेलू अर्थव्यवस्था को बड़ी राहत मिलेगी।



अमेरिकी संविधान के अनुसार वहां का नागरिक इतना महत्वपूर्ण है कि उसकी सामूहिक राय से अमेरिकी राष्ट्रपति और उसकी नीतियां प्रभावित हुए बिना नहीं रहतीं। इसके बावजूद याद रखा जाना चाहिए कि ट्रंप अलग ही तरह की शख्सियत हैं। वे कब क्या बोल दें और कब अपनी ही कही हुई बात से पलट जाएं, कहना मुश्किल है।

भारतवंशियों की बड़ी जीत के मायने



अमेरिकी संसद

विवेक शुक्ला
वरिष्ठ पत्रकार

अमेरिका के 2026 के मध्यावधि चुनावों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की राजनीति और अमेरिकी समाज की बदलती सोच को लेकर कई अहम सवाल खड़े कर दिए हैं। वहीं, छह भारतवंशी उम्मीदवारों के अमेरिकी संसद में पहुंचने की खबर ने भारतीय मूल के समुदाय की बढ़ती राजनीतिक ताकत को फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है। चुनाव परिणामों में डेमोक्रेटिक पार्टी की बड़ी सफलता के साथ मिशिगन से डेमोक्रेटिक उम्मीदवार अब्दुल अल-सईद अमेरिकी सीनेट के लिए चुने जाने वाले पहले मुस्लिम बन गए हैं। अमेरिकी संसद में आधा दर्जन भारतवंशी नेताओं का पहुंचना भी इस चुनाव का महत्वपूर्ण पहलू है। इनमें चार पुराने सांसदों ने अपनी सीट बरकरार रखी, जबकि दो नए चेहरों ने अमेरिकी राजनीति में जगह बनाई।

इन छह नेताओं में अमी बेरा, रो खन्ना, प्रमिला जयपाल, सुहास सुब्रमण्यम, पिया दांडिया और अमीश शाह शामिल हैं। ये सभी डेमोक्रेटिक पार्टी से जुड़े हैं। अमी बेरा कैलिफोर्निया से आठवीं बार प्रतिनिधि सभा के लिए चुने गए हैं। रो खन्ना सिलिकॉन वैली वाले कैलिफोर्निया के 17वें संसदीय क्षेत्र से फिर जीते हैं। प्रमिला जयपाल ने वाशिंगटन राज्य से अपनी सीट बरकरार रखी है। वह अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में पहुंचने वाली पहली दक्षिण एशियाई मूल की महिला हैं। सुहास सुब्रमण्यम ने वर्जीनिया से अपनी सीट बचाई, जबकि पिया दांडिया ने फ्लोरिडा के 22वें संसदीय क्षेत्र से जीतकर पहली बार अमेरिकी संसद में प्रवेश किया। अमीश शाह की जीत ने भी भारतवंशी प्रतिनिधित्व को मजबूती दी। इनकी सफलता का अर्थ केवल इतना नहीं है कि भारतीय मूल के लोगों की संख्या अमेरिकी राजनीति में बढ़ रही है। इसका एक बड़ा अर्थ यह है कि अप्रवासी परिवारों की नई पीढ़ी अब अमेरिकी राजनीति में केवल मतदाता या आर्थिक योगदानकर्ता बनकर नहीं रहना चाहती, बल्कि नीतियां बनाने और सत्ता के केंद्र में अपनी भूमिका भी सुनिश्चित कर रही है। भारतीय मूल के इन नेताओं की प्राथमिकताएं भी अलग-अलग हैं। कोई स्वास्थ्य सेवाओं और आर्थिक असमानता पर जोर देता है तो कोई अप्रवासन सुधार, शिक्षा, तकनीक और नागरिक अधिकारों को प्रमुखता देता है। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि भारतीय मूल का समुदाय राजनीतिक रूप से एक जैसा नहीं है। उसके भीतर विचारों और प्राथमिकताओं की विविधता है। 2026 के चुनावों में मुस्लिम और भारतवंशी उम्मीदवारों की सफलताएं इस स्थिति में बदलाव का संकेत देती हैं। अब अप्रवासी पृष्ठभूमि के लोग अमेरिकी राजनीति के शीर्ष संस्थानों में पहुंच रहे हैं। वे केवल अपने समुदायों की आवाज नहीं उठा रहे, बल्कि राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य, विदेश नीति और सामाजिक न्याय जैसे व्यापक मुद्दों पर भी अपनी भूमिका निभा रहे हैं। यहां मुस्लिम और भारतीय मूल के नेताओं की जीत को ट्रंप की नीतियों के खिलाफ जनमत संग्रह मान लेना सही नहीं होगा। बेशक, इस चुनाव की सबसे उल्लेखनीय उपलब्धियों में अब्दुल अल-सईद की जीत है। मिशिगन से डेमोक्रेटिक उम्मीदवार अल-सईद ने रिपब्लिकन प्रत्याशी माइक रोजर्स को हराकर इतिहास रचा। वह अमेरिकी सीनेट के लिए चुने जाने वाले पहले मुस्लिम हैं। इस बीच, एक सवाल यह भी है कि क्या अप्रवासियों के खिलाफ ट्रंप की सख्त नीतियों और राजनीतिक बयानों ने अमेरिकी मतदाताओं के एक वर्ग को उनसे दूर किया है? क्या इन नतीजों को अमेरिका के बहुसांस्कृतिक समाज की बदलती राजनीतिक प्राथमिकताओं के रूप में देखा जाना चाहिए? डोनाल्ड ट्रंप की राजनीति में अप्रवासन का मुद्दा हमेशा प्रमुख रहा है। लेकिन इस नीति का दूसरा पहलू भी है। 2026 के चुनाव में डेमोक्रेट्स की सफलता के पीछे केवल अप्रवासन का मुद्दा नहीं था। महंगाई, जीवनयापन की बढ़ती लागत, ईरान के साथ युद्ध, व्यापारिक तनाव और ट्रंप प्रशासन के कामकाज को लेकर असंतोष भी प्रमुख कारणों में शामिल रहे। अमेरिका के 2026 के चुनावों को केवल रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टियों के बीच सत्ता की लड़ाई के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। इन नतीजों में अमेरिकी समाज की बदलती जनसांख्यिकी, अप्रवासी समुदायों की राजनीतिक भागीदारी और प्रतिनिधित्व की नई आकांक्षाएं भी दिखाई देती हैं।



अमेरिका के 2026 के चुनावों को केवल रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टियों के बीच सत्ता की लड़ाई के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। इन नतीजों में अमेरिकी समाज की बदलती जनसांख्यिकी, अप्रवासी समुदायों की राजनीतिक भागीदारी और प्रतिनिधित्व की नई आकांक्षाएं भी दिखाई देती हैं।

दीपावली के पहले ही मंदिरों-भवनों को सजाया

देश के नामी मंदिर और प्रसिद्ध स्थान जगमगाए, फूलों में डूबे केदारनाथ

दीपावली का पर्व पूरे देश में श्रद्धा, उल्लास और धूमधाम के साथ मनाया जाता है। हिंदू सनातन परंपरा में इस दिन धन, वैभव और समृद्धि की देवी माता लक्ष्मी की पूजा का विशेष विधान है। देशभर में माता लक्ष्मी के पूजन की परंपरा सदियों पुरानी है।

एजेंसी ▶▶ रुद्रप्रयाग

दीपावली के पावन अवसर पर उत्तराखंड स्थित विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ धाम के मंदिर परिसर और गर्भगृह को करीब 18 से 20 क्विंटल रंग-बिरंगे फूलों से भव्य रूप से सजाया गया है। मंदिर को गेंदे और अन्य आकर्षक फूलों से सजाया गया है,और मंदिर के प्रवेश द्वार पर फूलों से 'जय श्री केदार' लिखा गया है। बाबा केदार के कपाट शीतकाल के लिए 11 नवंबर को विधिविधान के साथ बंद किए जाएंगे। दिल्ली के बुराड़ी (हिरण की रोड) क्षेत्र में श्री केदारनाथ धाम दिल्ली ट्रस्ट द्वारा केदारनाथ मंदिर का निर्माण प्रस्तावित/कार्यरत है, जिसकी प्रतिकृति तैयार की जा रही है।



केदारनाथ मंदिर को 20 क्विंटल रंग-बिरंगे फूलों से सजाया।


झुंझुनूं। फूलों से सजे खेतड़ी के प्रसिद्ध मंदिर,सतरंगी रोशनी से जगमग हुए देवस्थान विभाग ने करवाई सजावट।

सलाखों के पीछे उम्मीदों की रोशनी

हाई सिक्योरिटी जेल में सीमित साधनों में बंदियों ने की सुंदर सजावट

अजमेर। अंधेरी तो देहरी पर है मगर उम्मीदों के दीये रोशन हैं, जिनके जीवन में सलाखों के पीछे अंधेरा है, वे भी रोशनी के सपने देखना नहीं भूले हैं। हाई सिक्योरिटी जेल, घूघरा, अजमेर में दीपावली के अवसर पर बंदियों ने अपनी कलात्मक प्रतिभा से बड़ा संदेश दिया है। बंदियों ने सीमित संसाधनों के बीच कल्पनाशक्ति और हुनर से दीपावली की आकर्षक सजावट तैयार की है।



प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति भवन में मनाई दिवाली

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिवाली के पावन अवसर पर राष्ट्रपति भवन पहुंचकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की और उन्हें दीपावली की शुभकामनाएं दीं। इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी ने उपराष्ट्रपति भवन जाकर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से भी मुलाकात की और दिवाली की बधाई दी। पीएम मोदी ने एक वीडियो संदेश के जरिए देशवासियों को दिवाली की बधाई दी और कहा कि प्रकाश का यह पर्व अंधकार के खिलाफ संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने अपनी परंपरा को जारी रखते हुए इस वर्ष भी देश के वीर जवानों के साथ दिवाली मनाने की बात कही है।


नई दिल्ली। दिवाली की शुभकामनाएं देने के लिए हुई एक मुलाकात के दौरान उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

खबर संक्षेप

ऑपरेशन सफल तो चढ़ाया सोने का दिल

मेवाड़। दिल की बीमारी से जूझने और सफल ऑपरेशन के बाद जालौर जिले के एक श्रद्धालु ने मनोकामना पूरी होने पर भगवान सांवलिया सेठ को सोने से बना दिल भेंट किया। मेवाड़ के प्रसिद्ध कृष्णधाम श्रीसांवलियाजी मंदिर में इस अनोखी भेंट का वजन 21 ग्राम है। इसकी अनुमानित कीमत 3 लाख रुपए से अधिक बताई जा रही है। इसे लेकर लोगों में काफी चर्चा है।



विवेकानंद की तस्वीर पर अभद्र भाषा, 2 सस्पेंड

कोलकाता। प्रेसीडेंसी यूनिवर्सिटी के अधिकारी ने शनिवार को बताया कि यूनिवर्सिटी ने दो छात्राओं को निष्कासित कर दिया है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद की तस्वीर वाले एक पोस्टर पर अपमानजनक बातें लिखीं और अन्य संगठनों के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। यह फैसला एक जांच समिति की ओर से सीसीटीवी फुटेज पर लिया गया।



मंत्री आर्य के पति गिरधारी गिरफ्तार

देहरादून। उत्तराखंड की कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य के पति गिरधारी लाल साहू उर्फ पप्पू साहू को उत्तराखंड एसआईटी और पुलिस ने शनिवार सुबह गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरफ्तारी यूपी के झांसी जिले से हुई है। 15 अक्टूबर को पत्नी रेखा आर्य ने एफआईआर दर्ज कराई थी। साहू पिछले कई दिनों से यहां छिपा हुए थे। उन्हें देहरादून लाया गया।



बेंगलूरू-लखनऊ प्लेन में सुरक्षा खतरा, वापस आया

बेंगलुरू। इंडिगो की बेंगलुरू से लखनऊ जा रही फ्लाइट संख्या 6ई 451 में शनिवार को सुरक्षा संबंधी खतरे की सूचना मिलने से हड़कंप मच गया। एहतियात के तौर पर पायलटों ने विमान को लखनऊ ले जाने के बजाए बेंगलुरु लौटाने का फैसला किया। इसके बाद विमान को जरूरी सुरक्षा जांच के लिए बंगलूरू में उतारा गया।

भाजपा ने दी सोनिया को नसीहत, कई मामलों का जिक्र किया

इटैलियन चश्मा उतारकर देखिए भारत की तरक्की, 12 वर्षों में देश कहां से कहां पहुंचा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के मोदी सरकार पर लोकतंत्र और संस्थाओं को नुकसान पहुंचाने के आरोपों के बाद भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने पलटवार किया है। भाजपा ने उन्हें पिछले 12 वर्षों में देश की तरक्की देखने की नसीहत दी। साथ ही पार्टी ने सोनिया के इमरजेंसी को सांविधानिक बताने वाले बयान पर भी सवाल उठाए। साथ ही बाटला हाउस मुठभेड़, 1984 के सिख विरोधी दंगों और बोफोर्स मामले का जिक्र कर कांग्रेस को घेरा। सोनिया ने अपनी आने वाली किताब 'बिलॉन्गिंगः अ जर्नी ऑफ लव' के विमोचन से पहले एक अखबार को साक्षात्कार दिया था। इसमें उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले कुछ वर्षों में देश के लोकतंत्र, संस्थाओं और सामाजिक ताने-बाने को काफी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में भारत की व्यवस्था को गहरा नुकसान हुआ है। यहां तक कि मोदी सरकार के जाने के बाद भी देश की संस्थाओं और व्यवस्था को फिर से पटरी पर लाने में समय लगेगा।

नवीन ने बटला हाउस मुठभेड़, सिख विरोधी दंगों और बोफोर्स मामले का जिक्र किया

इमरजेंसी को सही ठहराने पर भी घेरा



विदेश टूलकिट बनकर देश में अराजकता फैला रहे

नवीन ने राहुल पर देश में अराजकता फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी इस देश को अस्थिर करने के लिए, अराजकता पैदा करने के लिए, एक टूलकिट की तरह इस्तेमाल हो रहे हैं। रिजीम चेंज को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस के मंत्री कहते हैं कि राहुल गांधी के पास रिमोट बटन है। जब वो चाहेंगे तो 40 लाख लोग इस देश में अराजकता फैलाने के लिए तैयार खड़े हैं।

इमरजेंसी पर सोनिया गांधी ने क्या कहा, भाजपा को क्यों हुई आपत्ति?

सोनिया ने आपातकाल को सांविधानिक प्रक्रिया के तहत उठाया गया कदम बताया। उन्होंने कहा कि इमरजेंसी के दौरान लोकतांत्रिक अधिकारों पर रोक लगी थी और बंदी प्रत्यक्षीकरण का अधिकार भी निलंबित कर दिया गया था।

चुघ ने भी सोनिया पर किया पलटवार

देखिए, देश में आस्था की लहर दिखाई देगी



सोनिया के बयान पर भाजपा ने तीखी प्रतिक्रिया दी। पार्टी के वरिष्ठ नेता तरुण चुघ ने कहा कि सोनिया गांधी को 'इटैलियन चश्मा' उतारकर भारत की तरक्की देखनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि पिछले 12 वर्षों में देश ने हर क्षेत्र में प्रगति की है और भारत वैश्विक शक्ति के रूप में उभर रहा है। चुघ ने कहा कि अगर आप अपना इटैलियन चश्मा उतार देंगी तो आपको भारत की असली तस्वीर दिखाई देगी। सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास और 7.8 प्रतिशत की जीडीपी विकास दर के साथ आगे बढ़ता भारत नजर आएगा। देशभर में आस्था की नई लहर दिखाई दे रही है, लेकिन सोनिया इसे पचा नहीं पा रही हैं।

जाति, धर्म और वोट बैंक की राजनीति के जरिए देश को बांट रहीं

चुघ ने कहा कि सोनिया को अपनी किताब में कांग्रेस शासन के दौरान सामने आए कथित घोटालों का भी जिक्र करना चाहिए। उन्होंने कांग्रेस के इतिहास पर जाति, धर्म और वोट बैंक की राजनीति के जरिए देश को बांटने का आरोप लगाया।

चुघ ने मुद्दों की लगा दी झड़ी

चुघ ने कहा कि कांग्रेस शासन के दौरान विभिन्न घोटालों पर सोनिया अपनी किताब में क्या लिखेंगी? बटला हाउस मुठभेड़ में आतंकी के मारे जाने के बाद सोनिया के कथित तौर पर रोने को लेकर चुघ ने सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि ऐसा क्यों हुआ था? सैनिकों की शहादत पर सोनिया ने कोई बयान क्यों नहीं दिया?

भंडारी ने कहा

सोनिया केवल वोट बैंक की राजनीति कर रहीं

भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने सोनिया पर इमरजेंसी को सही ठहराने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सोनिया इंदिरा गांधी को पीड़ित के रूप में पेश करने की कोशिश कर रही हैं,



लेकिन उनका जनसंपर्क अभियान सच्चाई को नहीं छिपा सकता। भंडारी ने इमरजेंसी लगाने और 1984 के सिख विरोधी दंगों को लेकर भी कांग्रेस नेतृत्व पर निशाना साधा।

अभिषेक के घर पर हमले से भड़कीं ममता

हमारे ऊपर बुलडोजर चला दो भाजपा यहां कर रही 'गुंडागर्दी'

उपद्रवियों ने काली पूजा समारोह में भी भारी तोड़-फोड़ की



एजेंसी ▶▶ कोलकाता

ममता ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बेनर्जी ने शनिवार को भाजपा पर 'गुंडागर्दी' का गंभीर आरोप लगाया है। ममता ने दावा किया कि शनिवार तड़के करीब 2:00 बजे कोलकाता के कालीघाट इलाके में ममता टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बेनर्जी के घर पर हमला करने के बाद उपद्रवियों के एक गिरोह ने स्थानीय काली पूजा समारोह में भी भारी तोड़फोड़ और व्यवधान पैदा किया। काली पूजा और दिवाली के त्यौहार से ठीक पहले कालीघाट में हुई इस घटना के बाद बंगाल का राजनीतिक माहौल गरमा गया है। ममता ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि इंडी गठबंधन की एकजुटता से बौखलाई है और इसीलिए इस तरह के हथकंडे अपना रहा है।

ममता का पलटवार कार्यक्रम रद्द कर दिया

कालीघाट में ममता ने कहा, काली पूजा और दिवाली है। बीती रात 2:00 बजे अभिषेक के घर पर हमला किया गया। यह हमारा इलाका है, जहां से मां काली के कई जुलूस निकलते हैं। आप यहां इस तरह का उपद्रव क्यों पैदा कर रहे हैं? आपने हमारी पारंपरिक और वर्षों पुरानी पूजा की अनुमति रद्द कर दी और उसकी जगह नई पूजा आयोजित करने की इजाजत दे दी। बीती रात हमारे स्थानीय क्लबों को काम नहीं करने दिया गया। हम 'इंडिया' गठबंधन का हिस्सा हैं, और यही गुस्से की वजह है। अगर भाजपा में हिम्मत है तो वह सीधे मुकाबला नहीं कर सकते। लोग रात के 2:00 या 3:00 बजे आकर हमारे पार्टी दफ्तर और पूजा के कामों में खलल डालते हैं।

अभिषेक पर 6 महीने में 7 बार जानलेवा हमला

टीएमसी के सांसद कीर्ति आजाद ने गहरी चिंता जताते हुए दावा किया कि 56 महीनों के भीतर अभिषेक बेनर्जी पर यह 7वां जानलेवा हमला है। उन्होंने इस सिलसिले में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर बंगाल में कानून-व्यवस्था की स्थिति और पुलिस की निष्क्रियता पर सवाल उठाए हैं। कीर्त ने बताया कि शुक्रवार रात 2:00 बजे अभिषेक के जन्मदिन के मौके पर लाठी-डंडों और पत्थरों से लैस उपद्रवियों ने 30 से 45 मिनट तक उनके परिसर पर हमला किया और संपत्तियों में तोड़फोड़ की। साथ ही छोटी दुकानों को भी नुकसान पहुंचाया गया।

दोसांझ के 'पटियाला पैग' पर बैन

इंदौर कॉन्सर्ट में नहीं गा सकेंगे ये चार गाने, बच्चे शामिल होंगे

एजेंसी ▶▶ इंदौर

पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट में 'पटियाला पैग' सहित 4 गानों पर रोक लगा दी गई है। महिला एवं बाल विकास विभाग ने शराब, नशे और हथियारों का जिक्र होने के कारण ये निर्देश जारी किए हैं, क्योंकि कॉन्सर्ट में बच्चों को भी प्रवेश मिलेगा। इंदौर में 15 नवंबर को होने वाले दोसांझ के कॉन्सर्ट को लेकर नया विवाद सामने आया है। कार्यक्रम में दिलजीत 4 चर्चित गाने नहीं गा सकेंगे। विभाग के जिला बाल संरक्षण अधिकारी ने सी 21



मॉल प्रबंधन को पत्र लिखकर इन गानों को कार्यक्रम में शामिल नहीं करने के निर्देश दिए हैं। इन गानों के बोल में शराब, नशे और हथियारों का जिक्र है। विभाग का कहना है कॉन्सर्ट में बच्चों को भी प्रवेश दिया जाएगा ऐसे में इस तरह के गानों का उन पर गलत असर पड़ सकता है।

23 साल बाद 'जैनी प्रकरण' गरमाया

हरक पर लगाए गंभीर आरोप सीबीआई जांच की मांग की

एजेंसी ▶▶ देहरादून

उत्तराखंड की राजनीति का सबसे चर्चित और हाई-प्रोफाइल 'जैनी प्रकरण' करीब 23 साल बाद एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। इस मामले की मुख्य केंद्र रही जैनी (मूल नाम इंदिरा देवी/इंदिरा देवरी) ने देहरादून के उत्तरांचल प्रेस क्लब में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करके और सोशल मीडिया पर वीडियो जारी करके अपनी लंबी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने इस मामले में कई चौंकाने वाले बयान दिए हैं और उत्तराखंड के वरिष्ठ नेता व पूर्व मंत्री हरक सिंह



रावत पर दोबारा गंभीर आरोप लगाए हैं। जैनी ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से गुहार लगाई है कि उनके मामले की सीबीआई जांच दोबारा हो। जैनी ने कहा कि उनके 23 साल के बेटे को उसके पिता का नाम और उसका कानूनी हक मिलना चाहिए।

रेल मंत्री वैष्णव ने कहा- केंद्र सरकार सुधार करना जारी रखेगी

जल्द दौड़ेंगी 1000 से ज्यादा ट्रेनें

त्योहारों पर यात्रियों को मिलेगी राहत अतिरिक्त ट्रेनें चलाईं, और चलाएंगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

त्योहारों से पहले केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेल भवन में 'वॉर रूम' की तैयारियों और कामकाज की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि हम सुधार करना जारी रखेंगे। वैष्णव ने बताया कि दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ जैसे त्योहारों के दौरान प्रति वर्ष सबसे अधिक भीड़ होती है। उन्होंने कहा कि भारतीय रेलवे यात्रियों की सुविधाओं को बेहतर बनाने, सेवाओं में सुधार करने और यात्रियों को अधिक से अधिक सहूलियत देने के लिए लगातार काम कर रही है।

1,000 से अधिक अतिरिक्त नियमित ट्रेनें चलाएंगे



रेलमंत्री ने कहा 1,000 से अधिक अतिरिक्त नियमित ट्रेनें चलाने वाले हैं। इस दौरान अत्यधिक दबाव, माल ढुलाई और क्षमता विस्तार की दीर्घकालिक परियोजनाओं पर कहा, अभी हम अत्यधिक दबाव के दौर से गुजर रहे हैं। हमारी लगातार कोशिश क्षमता विस्तार पर केंद्रित है।

नई दिल्ली में यात्री सुविधाओं का जायजा लिया

वैष्णव ने शुक्रवार को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन का व्यापक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने यात्री सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्थाओं और दिवाली तथा छठ के त्योहारों के समय बढ़ने वाली भीड़ से निपटने की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने यात्रियों से बातचीत भी की।

कोलकाता हाईकोर्ट से गिरफ्तारी वारंट जारी हुआ, पुलिस के आने की सूचना पर फरार

हजार करोड़ हड़पने वाले कारोबारी महेंद्र गोयनका पर शिकंजा, कोलकाता पुलिस पहुंची गिरफ्तार करने

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

कोलकाता हाईकोर्ट से गिरफ्तारी वारंट जारी होने के बाद कोलकाता पुलिस कारोबारी महेंद्र गोयनका को गिरफ्तार करने शनिवार को रायपुर पहुंची। कोलकाता पुलिस खम्हारडीह थाने में जरूरी कानूनी प्रक्रिया पूरी कर रही थी, इसकी जानकारी मिलने पर कारोबारी फरार हो गया। कारोबारी के छिपने के संभावित ठिकानों पर कोलकाता पुलिस पतासाजी करने की बात कह रही है। एक हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्तियों और कंपनियों के शेयर धोखाधड़ी प्रकरण में कारोबारी को कोलकाता पुलिस गिरफ्तार करने आई थी।


आरोपी महेंद्र गोयनका

पूरा मामला यूरो प्रतीक इस्पात इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और उससे जुड़ी कंपनियों के शेयरों पर कथित अवैध कब्जे से जुड़ा है। कोलकाता में दर्ज एफआईआर के अनुसार, रायपुर के कारोबारी महेंद्र गोयनका और उनके सहयोगियों पर जाली दस्तावेज, फर्जी हस्ताक्षर और कंपनी की नकली मुहरों के जरिए शेयरों का मालिकाना हक बदलने का आरोप है।

पुराने रिकार्ड में बदलाव कर की गड़बड़ी

आरोप है कि महेंद्र गोयनका सहित आठ आरोपियों ने 6 जुलाई 2018 की कथित बोर्ड मीटिंग के प्रस्ताव के आधार पर वित्तीय वर्ष 2016-17 का संशोधित वार्षिक रिटर्न (एमजीटी-7) दाखिल किया। इसमें दिखाया गया कि 9 मार्च 2017 को ही 5 हजार शेयर फ्यूचर डीलट्रेड से महेंद्र गोयनका एंड संस के नाम ट्रांसफर हो गए थे। शिकायतकर्ता के अनुसार उनकी कंपनी ने न तो शेयर बेचने की सहमति दी थी और न ही इसके बदले कोई रकम मिली थी। शेयर ट्रांसफर से संबंधित कोई दस्तावेज भी कंपनी ने हस्ताक्षर नहीं किए थे।

8 लोगों के खिलाफ अपराध दर्ज

कोलकाता के बोबाजार थाने में 30 अक्टूबर 2026 को मामला दर्ज किया गया है। एफआईआर में महेंद्र गोयनका, अभिषेक अग्रवाल, अशोक रैकवार, मनीष गोयनका, सुरेंद्र सिंह सलूजा और धनेश शिवहरे सहित महेंद्र गोयनका एंड संस और सुशील गोयनका एंड संस का नाम है। प्रकरण में पुलिस ने बीएनएस की धाराओं के तहत धोखाधड़ी, जालसाजी और फर्जी दस्तावेजों के इस्तेमाल से जुड़ी धाराओं में केस दर्ज किया है।

भाजपा विधायक की कंपनी के साथ की थी ठगी

महेंद्र गोयनका मूल रूप से मप्र के अनूपपुर जिले का रहने वाला है। वह खम्हारडीह थाना क्षेत्र के कचना स्थित आनंदम वर्ल्ड सिटी में निवासरत था। आरोपी माइनिंग, मिनरल्स, इस्पात, जेम्स और इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में कारोबार करता है। वह कई अन्य कंपनियों में निदेशक और पार्टनर है। कारोबारी ने मप्र के भाजपा विधायक संजय पाठक के साथ फ्रॉड किया था।

कर्नाटक ई-20 विवाद

केंद्र ने ज्यादा इथेनॉल मिलावट के दावे को सिरे से किया खारिज

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने कर्नाटक के कुछ पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल में तय सीमा से ज्यादा इथेनॉल मिलाने के दावों को खारिज कर दिया। केंद्र ने राज्य की जांच पर सवाल उठाए और कहा कि देशव्यापी गुणवत्ता निगरानी के तहत राज्य में जांचे गए सभी 56 सैंपल तय ई-20 मानकों पर खरे हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने कहा कि 3 सरकारी तेल कंपनियों इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने



स्पष्ट किया है 26-31 % इथेनॉल मिलावट के दावे गलत हैं। वैधानिक और तकनीकी प्रक्रियाओं के तहत किए गए परीक्षणों से साबित नहीं होते। मंत्रालय ने कहा कि देशभर में कर्नाटक सहित इन तीनों कंपनियों द्वारा आपूर्ति किया जाने वाला ई20 पेट्रोल आईएस 17021 के अनुरूप है, जो इथेनॉल-मिश्रित मोटर गैसोलीन के लिए भारतीय मानक ब्यूरो का मानक है।

विदेशों में दिवाली का जश्न

व्हाइट हाउस में ट्रंप ने जलाया दीया, भारतीय मूल के लोगों ने भेंट की हनुमान चालीसा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत के अलावा नेपाल, अमेरिका, ब्रिटेन, मलेशिया, सिंगापुर, मॉरीशस, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और त्रिनिदाद एवं टोबैगो सहित 20 से अधिक देशों में बड़े उत्साह के साथ मनाई जाती है। अमेरिका के व्हाइट हाउस में इस साल भी दीवाली का जश्न देखने को मिला।

भारतीय मूल के लोगों ने डोनाल्ड ट्रंप के साथ ओवल ऑफिस में दिवाली मनाई। ओवल ऑफिस में पारंपरिक तरीके से दीये भी जलाए गए। इस खास मौके पर राष्ट्रपति ट्रंप को हनुमान चालीसा गिफ्ट किया गया।


राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ओवल ऑफिस में दीया जलाते हुए

भारतीय संस्कृति की दिखी झलक

समारोह में भारतीय राजदूत विनय मोहन क्वात्रा, मशहूर मिशेलिन स्टार शेफ विकास खन्ना और कनाडा की पूर्व सांसद रूबी ढल्ला समेत भारतीय मूल की कई जानी-मानी हस्तियां शामिल हुईं। विदेश मंत्री मार्को रुबियो और सोशल सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेशन के डिप्टी कमिश्नर अर्जुन मोदी भी मौजूद थे। इस आयोजन ने अमेरिकी राष्ट्रपति भवन में भारतीय संस्कृति और परंपराओं की झलक पेश की।



दुनिया में शांति की कामना

भारतीय टेक उद्यमी विशाल गोंडल ने 'एक्स' लिखा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ दिवाली मनाना उनके लिए सम्मान की बात है। उन्होंने ट्रंप को हनुमान चालीसा भेंट कीं। गोंडल ने भारत और अमेरिका के बीच दोस्ती और मजबूत होने की प्रार्थना की। उन्होंने लिखा कि उनकी कामना है कि अंधकार पर प्रकाश की जीत हो और दुनिया में शांति, समृद्धि, अच्छी सेहत और लंबी उम्र का आशीर्वाद सभी को मिले।

सिंगापुर में की गई विशेष साज-सज्जा


भारत में सिंगापुर के उच्चायुक्त साइमन वोंग ने सिंगापुर की सड़कों की तस्वीरें साझा की थीं, जिन्हें दीपावली के स्वागत में विशेष रूप से सजाया गया था।

टोक्यो में भारतीय व्यंजनों का आनंद लिया

जापान के आंतरिक मामलों और संचार मंत्री हिसायुकी फुजी, न्याय मंत्री ताकाशी यामाशिता और जापान में भारत की राजदूत नगमा मलिक ने टोक्यो में भारतीय दूतावास द्वारा आयोजित दीपावली समारोह का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में भारतीय शास्त्रीय संगीत और नृत्य की शानदार प्रस्तुतियां दी गईं। साथ ही भारतीय व्यंजनों की विविधता भी पेश की गई, जिससे जापान में भारत की समृद्ध सांस्कृतिक झलक



देखने को मिली। जापान स्थित भारतीय दूतावास ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि दोस्तों के साथ दीपावली का जश्न।

म्यांमार में दीपावली समारोह में राष्ट्रपति यू हुए शामिल


म्यांमार में 'नेशनल थियेटर यांगून' में राष्ट्रीय स्तर पर दीपावली मनाई गई। इसमें हिंदू समुदाय के कई समूहों ने हिस्सा लिया और 1200 से अधिक मेहमान शामिल राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग का गर्मजोशी से स्वागत किया। उनकी पत्नी, कुछ केंद्रीय मंत्री भी शामिल हुए।

खबर संक्षेप

पोलैंड में अंधाधुंध गोलीबारी, 6 की मौत

क्राको। पोलैंड के सबसे बड़े शहर क्राको के एक मुख्य बाजार में



शनिवार को एक भीषण गोलीबारी में कम से कम 6 लोगों की जान चली गई, जबकि 15 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में संदिग्ध हमलावर को भी गोली लगी है, जिसे गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया है।

पराग्वे में उपराष्ट्रपति पेड्रो ने संभाली सत्ता

असुनसियन। दक्षिण अमेरिका के पराग्वे में बड़ा सियासी उलटफेर हुआ है। एक बड़े बैंकिंग संकट के



बाद पराग्वे की संसद के उच्च सदन सीनेट ने राष्ट्रपति सैंटियागो पेना को महाभियोग के जरिए पद से हटा दिया गया है। उन्हें नजरबंद रखने का आदेश दिया गया है। उपराष्ट्रपति पेड्रो एलियाना ने नए राष्ट्रपति के रूप में शपथ ले ली है।

बिश्नोई का करीबी हैरी बॉक्सर यूएस से अरेस्ट

वॉशिंगटन। गैंगेस्टर लॉरेंस बिश्नोई के करीबी हैरी बॉक्सर को अमेरिका में हिरासत में लेने के बाद गिरफ्तार



कर लिया गया है। हरियाणा एसटीएफ के मुताबिक, हरियाणा के मोस्ट वांटेड गैंगस्टर हैरी बॉक्सर को अमेरिका से हिरासत में लिया गया, फिर गिरफ्तार किया गया है। वह लॉरेंस बिश्नोई गैंग को अमेरिका में बैठकर ऑपरेट कर रहा था।

यूएन के बजट सलाहकार पैनल में शिवानी नामित

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र में राजनयिक शिवानी गुप्ता को संयुक्त राष्ट्र महासभा के महत्वपूर्ण बजट



सलाहकार पैनल में शामिल करने के लिए निर्विरोध नामित किया गया है। चार्टर्ड अकाउंटेंट शिवानी इस प्रतिष्ठित समिति में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। महासभा की पांचवीं समिति ने यह निर्णय लिया।

बागडोगरा वायुसेना स्टेशन पर जवानों संग रक्षा मंत्री ने मनाई दीपावली, बोले

युद्ध अब केवल सीमाओं पर नहीं लड़े जा रहे इसमें साइबर और ड्रोन के हमले भी शामिल

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

> रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि दुश्मन सोशल मीडिया के माध्यम से वह भ्रामक सूचनाएं फैलाकर स्थानीय लोगों और हमारे सैनिकों के मन में संदेह पैदा कर सकता है। ऐसी परिस्थितियों में आपकी भूमिका केवल एक सैनिक तक सीमित नहीं रहती, बल्कि उसका दायरा कहीं अधिक व्यापक हो जाता है

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रक्षा बलों से हर समय उच्च स्तर की तैयारी बनाए रखने का आह्वान किया है। उन्होंने उभरते सुरक्षा खतरों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए क्षेत्रीय परिस्थितियों की गहरी समझ, साइबर हमलों से निपटने की क्षमता और सूचना की विश्वसनीयता एवं अखंडता को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया।



रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

पश्चिम बंगाल के बागडोगरा वायुसेना स्टेशन पर 7 नवंबर, 2026 को दीपावली की पूर्व संध्या पर भारतीय वायु सेना के कर्मियों से बातचीत करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि मौजूदा सुरक्षा परिदृश्य पहले से कहीं अधिक जटिल हो गया है।

युद्ध अब केवल सीमाओं पर होने वाले पारंपरिक संघर्षों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें असममित युद्ध, छद्म युद्ध, साइबर हमले, ड्रोन के झुंड, भ्रामक सूचना प्रवाह और विमर्शों को प्रभावित करने जैसी चुनौतियां भी शामिल हो गई हैं।

अक्सर विरोधी सीधे टकराव से बचते हुए कमजोरियों का फायदा उठाने की कोशिश करता है। सोशल मीडिया के माध्यम से वह भ्रामक सूचनाएं फैलाकर स्थानीय लोगों और हमारे सैनिकों के मन में संदेह पैदा कर सकता है। ऐसी परिस्थितियों में आपकी भूमिका केवल एक सैनिक तक सीमित नहीं रहती, बल्कि उसका दायरा कहीं अधिक व्यापक हो जाता है।

- जवानों के आचरण से सेना की छवि दिखती
- जवानों के साहस और समर्पण की सराहना की
- हर समय उच्च स्तर की तैयारी बनाए रखें


जवानों को मिठाई खिलाते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

स्थानीय जनता से जुड़ने की अपील की

रक्षा मंत्री ने कहा कि रक्षा बलों के जवानों का आचरण, व्यवहार, भाषा और संयम स्थानीय समुदायों के बीच सेना की छवि निर्धारित करते हैं। उन्होंने सैनिकों से विशेष रूप से बागडोगरा और आसपास के क्षेत्रों के स्थानीय लोगों के साथ अपना जुड़ाव मजबूत करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इससे आम जनता व रक्षा बलों के बीच विश्वास एवं आत्मीयता का रिश्ता और मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि आप स्थानीय समुदाय के साथ जितना अधिक जुड़ेंगे, विरोधियों के षड़यंत्र उतने ही कमजोर होते जाएंगे।

बागडोरा पूर्वोत्तर क्षेत्र का अहम सुरक्षा तंत्र

राजनाथ सिंह ने बागडोगरा को विशेषकर पूर्वोत्तर क्षेत्र के संदर्भ में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र और देश के सुरक्षा तंत्र की एक अहम कड़ी बताया। इस क्षेत्र में तैनात वायु योद्धा पूर्वी इलाकों की सुरक्षा में मजबूत रक्षा कवच की भूमिका निभाते हैं। इस क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता बनाए रखने के लिए उनकी सतर्कता और परिचालन तैयारी बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के प्रति रक्षा बलों के जवानों के साहस और समर्पण की सराहना की। रक्षा मंत्री ने कहा कि तकनीकी प्रगति के बावजूद अनुशासन और साहस का महत्व हमेशा बना रहेगा।

सेना के आधुनिकीकरण पर जोर

राजनाथ सिंह ने 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य को साकार करने के सरकार के संकल्प को दोहराते हुए ड्रोन, ड्रोन-रोधी प्रणालियों और अत्याधुनिक सैन्य उपकरणों के विकास में भारतीय स्टार्टअप्स एवं रक्षा उद्योगों की बढ़ती भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने स्वदेशी तकनीकों को अपनाने के लिए रक्षा बलों की सराहना करते हुए कहा कि ड्रोन संचालन और साइबर सुरक्षा जैसे उभरते क्षेत्रों में नए कौशल विकसित करना समय की आवश्यकता है। रक्षा मंत्री ने भविष्य की सुरक्षा चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने के लिए सेना को आधुनिक तकनीकों से लैस करने और उसकी तकनीकी क्षमताओं को निरंतर मजबूत बनाने पर भी जोर दिया।

न्यूजीलैंड में मतदान समाप्त, काउंटिंग शुरू

नेशनल और लेबर के बीच कांटे की टक्कर, छोटे दल हुए अहम


क्रिस्टोफर लक्सन


क्रिस हिपकिंस

एजेंसी ▶▶ वेलिंगटन

न्यूजीलैंड के आम चुनाव की वोटिंग (7 नवंबर) संपन्न होने के कुछ देर बाद ही काउंटिंग शुरू हो गई। शुरुआती नतीजों में सत्तारूढ़ नेशनल पार्टी को 29.4 फीसदी और मुख्य विपक्षी लेबर पार्टी को 29.9 फीसदी मत मिले। इस तरह दोनों के बीच मुकाबला बेहद करीबी हो गया है।

लगभग 35 फीसदी काउंटिंग होने के बाद ये स्पष्ट किया गया। शुरुआती रुझानों में नेशनल पार्टी आगे रही, जबकि मतगणना के दौरान लेबर पार्टी ने भी उसे कड़ी चुनौती दी। किसी भी प्रमुख दल को स्पष्ट बहुमत मिलने के संकेत नहीं हैं, और ऐसे में सरकार गठन में छोटे दलों की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। न्यूजीलैंड के चुनाव आयोग ने 27 नवंबर को आधिकारिक नतीजे घोषित करने का कार्यक्रम तय किया है। विदेशों में रहने वाले न्यूजीलैंड के नागरिकों के वोट और विशेष मतों की गिनती भी अंतिम परिणाम में शामिल होगी।

पीएम लक्सन की पार्टी को 29.4% वोट

न्यूजीलैंड के चुनाव आयोग की शुरुआती मतगणना में नेशनल पार्टी को 29.4 प्रतिशत और लेबर पार्टी को 29.9 प्रतिशत वोट मिले। ग्रीन पार्टी 14.1 प्रतिशत, एसीटी न्यूजीलैंड 10.5 प्रतिशत और न्यूजीलैंड फर्स्ट पार्टी 9.3 प्रतिशत वोट के साथ अन्य प्रमुख दलों में शामिल रहे। ऑपरचुनिटी पार्टी को 5.4 प्रतिशत वोट मिले, जो संसद में प्रवेश के लिए जरूरी पांच प्रतिशत की सीमा से अधिक हैं। पीएम क्रिस्टोफर लक्सन के नेतृत्व में नेशनल पार्टी मौजूदा गठबंधन सरकार का नेतृत्व कर रही है। चुनाव से पहले आए सर्वेक्षणों में भी इस पार्टी को संभावित गठबंधन सरकार के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा था। हालांकि, नेशनल पार्टी के नेता लक्सन पहले ही अवसर पार्टी के साथ गठबंधन की संभावना से इनकार कर चुके हैं।

महंगाई, स्वास्थ्य सेवा जैसे मुद्दे अहम रहे

वहीं, लेबर पार्टी के नेता और पूर्व पीएम क्रिस हिपकिंस सत्ता में वापसी की कोशिश कर रहे हैं। हिपकिंस 2023 के चुनाव में हार गए थे। इस बार उनका अभियान महंगाई, स्वास्थ्य सेवाओं और आम लोगों के जीवन-यापन की बढ़ती लागत जैसे मुद्दों पर केंद्रित रहा है। चुनाव प्रचार के दौरान न्यूजीलैंड की अर्थव्यवस्था और बढ़ती बेरोजगारी प्रमुख मुद्दे रहे। देश लंबे आर्थिक सुस्ती के दौर से धीरे-धीरे उबर रहा है। बेरोजगारी दर 5.7 प्रतिशत तक पहुंचने और घरेलू बजट पर बढ़ते दबाव ने मतदाताओं की चिंताएं बढ़ाई हैं। नेशनल पार्टी ने बजट घाटा कम करने का मुद्दा उठाया था।

बांग्लादेश में फिर भारत विरोधी गतिविधि

टैगोर की तस्वीर पर कालिख पोती, बताया मुस्लिम विरोधी

एजेंसी ▶▶ ढाका

बांग्लादेश में कवि रवींद्रनाथ टैगोर की तस्वीर पर कालिख पोती गई। घटना आज खुलना रेलवे स्टेशन के पास हुई। टैगोर की तस्वीर के पास कुछ पोस्टर भी लगाए गए, जिनमें लिखा था कि मुस्लिम विरोधी टैगोर की यहां कोई जगह नहीं है। यह घटना ऐसे समय हुई है, जब बांग्लादेश में पिछले कुछ समय से भारत के खिलाफ प्रदर्शन हो रहे हैं। कुछ प्रदर्शनकारी टैगोर पर ढाका यूनिवर्सिटी की



स्थापना का विरोध करने का आरोप भी लगा रहे हैं। पीएम तारिक रहमान खुलना शहर में दौरे पर आने वाले हैं। इसके चलते ही स्थानीय प्रशासन ने रेलवे स्टेशन की दीवार पर ये चित्र बनवाए थे।

टैगोर के अलावा फकीर लालन शाह, काजी नजरुल इस्लाम, कलाकार एसएम सुल्तान और पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान समेत कई जानी-मानी हस्तियों के चित्र थे। दीवार पर सुंदरबन, 60 गुंबद वाली मस्जिद और जूट उद्योग से जुड़े चित्र भी बनाए गए थे।

सरकारों और अदालत की मंजूरी जरूरी

केंद्र सरकार ने राज्यों के बीच कैदियों के तबादले की दी मंजूरी



एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने 'पंजाब पुलिस एंड करेक्शनल सर्विसेज एक्ट, 2006' को केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में लागू कर दिया है, जिसके तहत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीच कैदियों के तबादले और जेल प्रशासन के कामकाज में बदलाव से जुड़े प्रावधान शामिल किए गए हैं।

केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा शुक्रवार को जारी एक अधिसूचना के अनुसार, 'पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966' की धारा 87 के तहत यह अधिसूचना जारी की गई है। इसके जरिए पंजाब के कानून को कुछ संशोधनों के साथ केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में लागू किया गया है। इन संशोधित प्रावधानों में चंडीगढ़ और अन्य राज्यों या केंद्र शासित प्रदेशों के बीच कैदियों के तबादले की व्यवस्था की गई है।

ईरानी एयरोस्पेस फोर्स ने अपना विशेष स्मृति सप्ताह मनाया

पूर्व सैनिकों को दी श्रद्धांजलि

दुश्मन के 260 विमान मारने और 7 ड्रोन सुरक्षित कब्जे में लेने का दावा

एजेंसी ▶▶ तेहरान

ईरान की इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) की एयरोस्पेस फोर्स ने अपना



विशेष स्मृति सप्ताह मनाया। तेहरान के सरचेशमेह कल्चरल कॉम्प्लेक्स में आईआरजीसी के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल हुसैन मोहेब्बी ने पुराने क्षेत्रीय युद्धों से जुड़े प्रमुख लोगों और शहीद हुए सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि एयरोस्पेस वीक, एयरोस्पेस फोर्स के शहीदों, उसके पूर्व सैनिकों, कमांडरों और उनके सम्मानित परिवारों को श्रद्धांजलि देने का एक कीमती अवसर है।

जमीन के नीचे बड़े पैमाने पर मिसाइल ठिकाने

प्रवक्ता मोहेब्बी ने बताया कि ईरान ने जमीन के नीचे बड़े पैमाने पर मिसाइल ठिकाने बनाए हैं। इन ठिकानों को बनाने में देश की अपनी तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। साथ ही, ईरान की भौगोलिक परिस्थितियों का भी फायदा उठाया गया है। ईरान की वायु रक्षा इकाइयों ने 'दुश्मन' के 260 विमानों को रोका और मार गिराया।

12 देशों के साथ विदेश मंत्री की चर्चा

क्षेत्रीय मुद्दों पर ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि उन्होंने 48 घंटों (गुरुवार और शुक्रवार) के भीतर 12 देशों के अपने समकक्षों से संवाद स्थापित किया। सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए उन्होंने इसकी जानकारी दी।

इजराइल में नई सरकार को लेकर असमंजस की स्थिति

आज होगा साफ, राष्ट्रपति हर्जोग के फैसले पर टिकी सबकी निगाहें

एजेंसी ▶▶ तेल अवीव

इजराइल में नई सरकार किसकी होगी इसको लेकर तस्वीर अब भी साफ नहीं है। हाल ही संपन्न हुए चुनाव को लेकर राजनीतिक अनिश्चितता बनी हुई है। अब रविवार को साफ होगा कि राष्ट्रपति इसाक हर्जोग किसे मौका देते हैं। पीएम बेंजामिन नेतन्याहू और उनके प्रमुख प्रतिद्वंद्वी एवं पूर्व सेना प्रमुख गादी आइजेनकोट, दोनों ही बहुमत के आंकड़े से दूर हैं। ऐसे में हर्जोग के सामने चुनौती बड़ी है।


इसाक हर्जोग

एक उम्मीदवार को करेंगे आमंत्रित

राष्ट्रपति हर्जोग रविवार को सरकार गठन के लिए किसी एक उम्मीदवार को आमंत्रित करने वाले हैं। उन्होंने एक वीडियो मैसेज जारी कर कहा कि मैं आने वाले रविवार (8 नवंबर) को नेसेट (संसद) के एक सदस्य को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करूंगा। राष्ट्रपति के साथ राजनीतिक दलों के प्रमुखों की बातचीत गुरुवार को पूरी हुई। इस दौरान 120 सदस्यीय नेसेट (इजराइली संसद) के 67 सदस्यों ने आइजेनकोट के समर्थन में अपनी राय दी, जबकि नेतन्याहू को 46 सांसदों का समर्थन मिला।

आंकड़े आइजेनकोट के पक्ष में

हालांकि, चुनाव बाद संसद में मिले समर्थन के आंकड़े आइजेनकोट के पक्ष में दिखाई दे रहे हैं, लेकिन उनकी राह भी आसान नहीं है। इसकी बड़ी वजह अरब पार्टियों का समर्थन है, जिसे आइजेनकोट सरकार में शामिल करने से इनकार कर चुके हैं। नेतन्याहू के नेतृत्व वाले दक्षिणपंथी और धार्मिक गठबंधन के पास 53 सीटें हैं।

लद्दाख में दुनिया का सबसे ऊंचा एयरबेस चीन सीमा से 23 किमी दूर

218 करोड़ से नवंबर 2025 में न्योमा को अपग्रेड करके नया एयरबेस बनाया गया था

वायुसेना का गजराज 13 हजार फीट की ऊंचाई पर सुरक्षित उतरा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय वायुसेना (आईएएफ) ने शनिवार को अपने भारी मालवाहक विमान आईएल-76एमडी की लद्दाख के न्योमा एयरबेस पर लैंडिंग करवाई। यह लैंडिंग 13,629 फीट की ऊंचाई पर हुई, जो दुनिया का सबसे ऊंचा एयरबेस है।

आईएएफ के मुताबिक, इस विमान की दुनिया के सबसे ऊंचे एयरबेस पर लैंडिंग हुई। यह एयरबेस 1962 में शुरू हुआ था, लेकिन भारत-चीन युद्ध के बाद बंद कर दिया गया था।


लद्दाख के न्योमा एयरबेस पर गजराज की लैंडिंग

चीनी सीमा पर तेजी से पहुंच सकेगी मदद

आईएएफ के मुताबिक यह दुनिया का सबसे ऊंचा फाइटर-कैपेबल एयरफील्ड है। गजराज की लैंडिंग के बाद अब भारत, चीन बॉर्डर के बिल्कुल पास भारी हथियार, गाड़ियां और बड़ी संख्या में सैनिक बहुत तेजी से पहुंचा सकता है।

सर्दियों में तापमान माइनस 20 डिग्री तक गिर जाता

सिंधु नदी के किनारे स्थित न्योमा, लेह से करीब 180 किमी दक्षिण-पूर्व में स्थित है। न्योमा को मुध-न्योमा भी कहते हैं। मुध-न्योमा नाम बेस के पास स्थित मुध गांव से लिया गया है। यह पूर्वी लद्दाख में है और चीन बॉर्डर से सिर्फ 23 किमी दूर है। यहां सर्दियों में तापमान माइनस 20 डिग्री तक गिर जाता है, जिससे एयरबेस पर विशेष रखरखाव ढांचे की जरूरत पड़ती है। न्योमा एयरबेस 13,710 फीट की ऊंचाई पर है और यह दुनिया के सबसे ऊंचे एयरबेस में से एक है। इसमें 2.7 किमी लंबा रनवे है।

लद्दाख में बनेगा दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे स्टेशन

प्रस्तावित बिलासपुर-मनाली-लेह रेललाइन पर तंगलांग ला दर्रे के पास टेंगला में समुद्र तल से 17,582 फीट की ऊंचाई पर एक रेलवे स्टेशन बनाने की योजना है। इसके निर्माण के बाद यह चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र और चिंगहाई प्रांत की सीमा पर चिंगहाई-तिब्बत रेलवे लाइन पर 16,627 फीट की ऊंचाई स्थित तांगगुला रेलवे स्टेशन को पीछे छोड़ देगा। विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की जा चुकी है। प्रस्तावित परियोजना की लागत करीब 1.31 लाख करोड़ रुपए है। यह रेललाइन हिमालय के दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र से गुजरते हुए 489 किलोमीटर लंबा रेल संपर्क स्थापित करेगी। इसका उद्देश्य केवल लद्दाख को रेल नेटवर्क से जोड़ना ही नहीं, बल्कि रणनीतिक रूप से अहम इस सीमावर्ती क्षेत्र तक सैन्य साजो-सामान और आवश्यक वस्तुओं की आवाजाही को मजबूत बनाना भी है। रक्षा मंत्रालय ने इसे रणनीतिक महत्व की परियोजना के रूप में चिह्नित किया है।

संभागीय शालेय थ्रोबॉल में भोपाल का दबदबा, बालक-बालिका दोनों वर्गों में बना चैंपियन



हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

संभागीय शालेय थ्रोबॉल प्रतियोगिता में भोपाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बालक एवं बालिका दोनों वर्गों में चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। शासकीय नवीन हायर सेकेंडरी स्कूल, अरेरा कॉलोनी भोपाल द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में भोपाल की टीमों ने अपने दमदार खेल से प्रतिद्वंद्वी टीमों को पराजित किया। बालक वर्ग में भोपाल ने पहले मुकाबले में राजगढ़ को 15-02 एवं 15-04 से हराया। इसके बाद सीहोर को भी 15-02 एवं 15-03 से शिकस्त दी। वहीं रायसेन के खिलाफ मुकाबला संघर्षपूर्ण रहा, जिसमें भोपाल ने 15-9 एवं 15-11 से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया। बालिका वर्ग में भी भोपाल की खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। टीम ने सीहोर, राजगढ़ और रायसेन को लगातार दो सेटों में पराजित कर प्रतियोगिता में विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर भोपाल संभाग की बालक एवं बालिका टीमों का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया है।

5 लाख की इनामी ठाकुर हुकुम सिंह स्मृति अखिल भारतीय डे- नाइट क्रिकेट प्रतियोगिता 15 से

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल



ओल्ड कैम्पियन मैदान पर भोपाल संभाग क्रिकेट संघ के अध्यक्ष ध्रुव नारायण सिंह की अध्यक्षता मैं एक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें निर्णय लिया गया कि स्वर्गीय ठाकुर हुकुम सिंह मेमोरियल क्रिकेट इस वर्ष अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित की जाएगी। यह प्रतियोगिता 15 नवंबर से ओल्ड कैम्पियन खेल मैदान पर दूधिया रोशनी में आयोजित की जाएगी। बैठक में प्रतियोगिता में खिलाड़ियों को लगभग पांच लाख की इनामी राशि व अन्य शानदार पुरस्कारों द्वारा पुरस्कृत करने का निर्णय लिया।







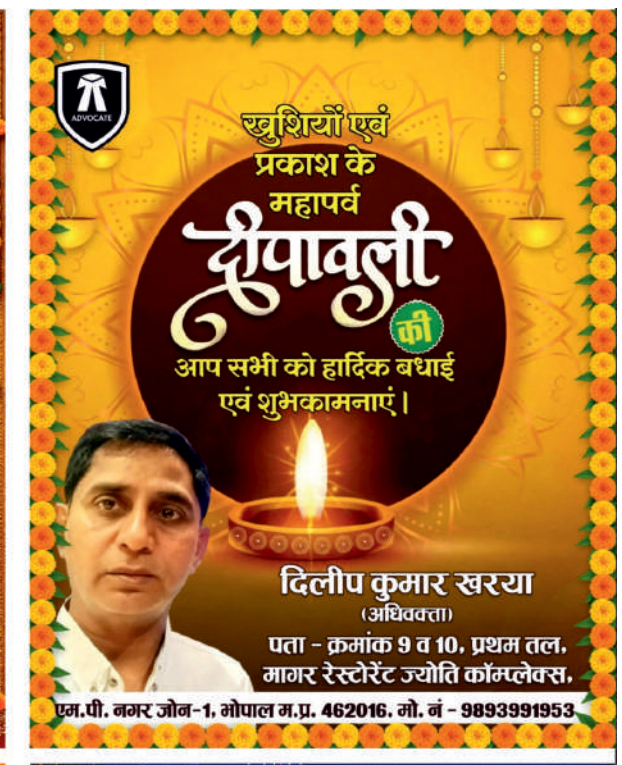

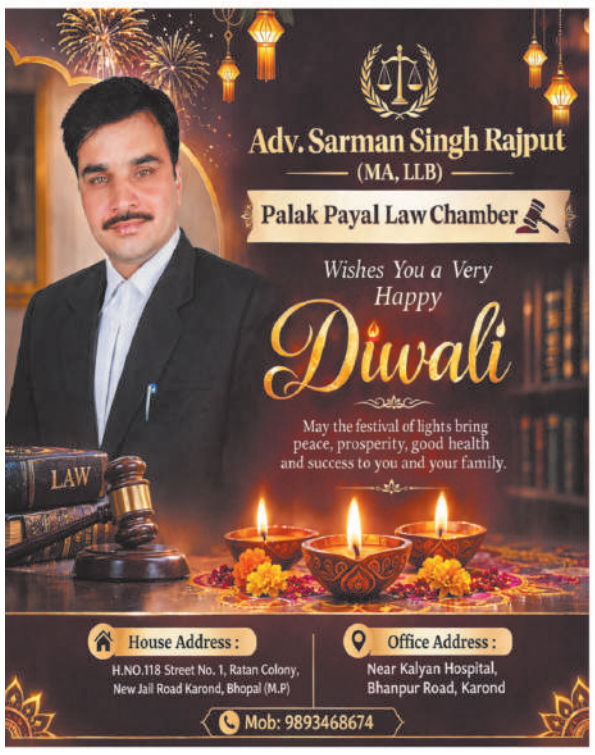







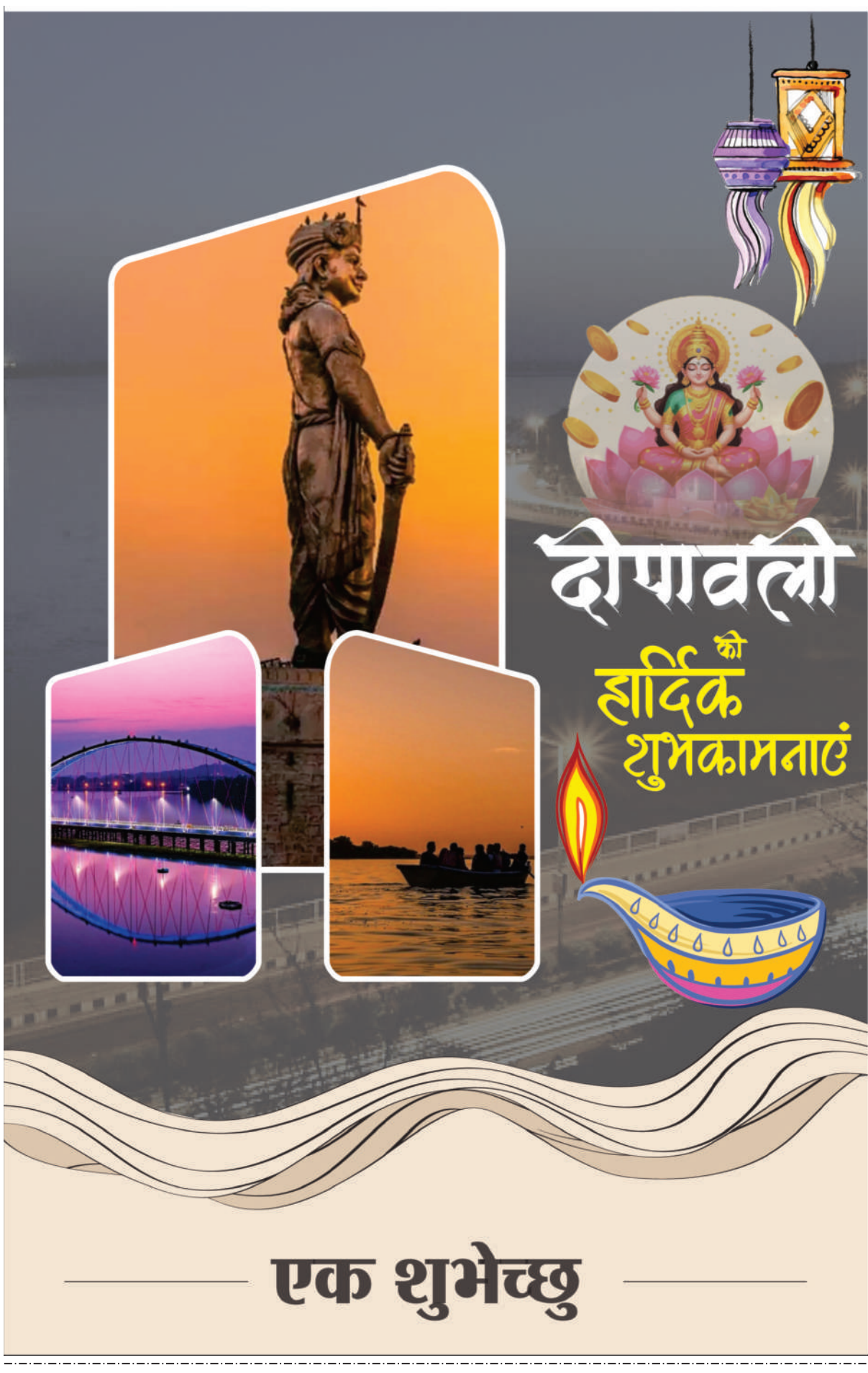





पेरिस मास्टर्स

अल्काराज के वार से फ्रिट्ज का टूटा सपना

जोडार को मिला एटीपी फाइनल्स का टिकट



एजेंसी ▶▶| पेरिस

कार्लोस अल्काराज ने टेलर फ्रिट्ज को 6-7 (10), 7-5, 6-3 से हराकर पेरिस मास्टर्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली। अल्काराज की जीत ने फ्रिट्ज की एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीदों को खत्म कर दिया और इसके बजाय यह पक्का कर दिया कि उनके देश के राफेल जोडार साल के आखिर में होने वाले टूर्नामेंट के लिए आखिरी जगह पक्की कर लें।

कार्लोस ने फ्रिट्ज के खिलाफ की जबरदस्त वापसी

अल्काराज ने फ्रिट्ज के खिलाफ मैच में जबरदस्त वापसी करते हुए सीजन के अपने तीसरे एटीपी मास्टर्स 1000 सेमीफाइनल में पहुंच गए। वह मैच में 36-7 (10) और 3-5 से पीछे थे और अपनी सर्व पर एक मैच पॉइंट का सामना कर रहे थे, इससे पहले कि उन्होंने एक शानदार पॉइंट जीतकर स्कोर 4-5 कर दिया। इसके बाद अल्काराज को अगले गेम में फ्रिट्ज की सर्व पर एक मैच पॉइंट बचाना पड़ा, इससे पहले कि वह उन्हें 5-5 से बराबर कर पाते। अल्काराज ने तब अपना गेम बेहतर किया जब यह सबसे ज्यादा जरूरी था, क्योंकि उन्होंने अगले दो गेम जीतकर डिसाइडर में चीजें अपने नाम कीं।

डकवर्थ लुईस प्रणाली से भारत ने न्यूजीलैंड को 4 रन से हराया, सीरीज में 2-0 की बढ़त

बारिश में भी नहीं धुला भारत की जीत का रंग

राहुल की संयमित पारी और तेज गेंदबाजों ने दिखाया दम

एजेंसी ▶▶| वेलिंगटन

सितारों से सजे भारतीय बल्लेबाजी क्रम की शुरुआती नाकामी के बाद केएल राहुल की संयमित पारी के दम पर भारत ने वर्षाबाधित दूसरे वनडे में शनिवार को न्यूजीलैंड को डकवर्थ लुईस प्रणाली के आधार पर 4 रन से हरा दिया। अब भारत 5 मैचों की श्रृंखला में 2-0 से आगे है। तीसरा मैच मंगलवार को हैमिल्टन में खेला जाएगा। जीत के लिए 47 ओवर में 135 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने 26 ओवर में 7 विकेट 113 रन पर गंवा दिए थे, जब बारिश शुरू हो गई। उस समय डकवर्थ लुईस प्रणाली के आधार पर भारत को 109 रन की जरुरत थी। भारत ने अपने तेज गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की मदद से न्यूजीलैंड को 41 ओवर में 134 रन पर समेट दिया।

भारतीय गेंदबाजों ने फेंकी 176 डॉट गेंदें

आकिब नबी ने 7 ओवर में 31 रन देकर 2 विकेट लिए जबकि अंशुल कम्बोज ने 8 ओवर में 25 रन देकर 2 विकेट चटकाए। वहीं बराड़ ने 10 ओवर में 30 रन देकर 4 विकेट लिए, जो उनके कैरियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। उन्होंने शॉर्ट गेंदों का बखूबी इस्तेमाल करके मेजबान मध्यक्रम की कमर तोड़ दी। अर्शदीप सिंह ने 7 ओवर में 16 रन दिए लेकिन उन्हें विकेट नहीं मिली। उन्होंने हालांकि बेहद अनुशासित और सटीक गेंदबाजी करके दबाव बनाया। भारतीय गेंदबाजों ने 176 डॉट गेंदें फेंकी।



जीरो पर आउट हुए गिल

जवाब में कप्तान शुभमन गिल पहली ही गेंद पर जैकब डफी का शिकार हुए और खाता खोले बिना स्लिप में कैच दे बैठे। डफी ने विराट कोहली (7) को भी पवेलियन भेजा। रोहित शर्मा ने 28 गेंद में 23 रन बनाए लेकिन सीम का सामना करने में सहज नहीं दिखे। अक्षर पटेल (7) और श्रेयस अय्यर (30) शॉर्ट गेंदों पर विकेट गंवा बैठे। वहीं पहली 20 में से 18 डॉट गेंद खेलने वाले राहुल ने अपना संयम बनाए रखा और डफी को छक्का लगाकर टीम को सौ रन के पार पहुंचाया। राहुल ने 38 गेंद में 26 रन बनाए।



रोहित ने तोड़ा अफरीदी का वर्ल्ड रिकॉर्ड

रोहित शर्मा ने कीवी टीम के खिलाफ दूसरे वनडे मैच में 2 छक्के लगाए और वो वनडे में इस टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा छक्के जड़ने वाले बल्लेबाज बन गए और शाहिद अफरीदी का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ दिया। शाहिद अफरीदी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे में कुल 50 छक्के अपने करियर के दौरान लगाए थे, लेकिन रोहित ने 51 छक्के लगाते हुए उन्हें पीछे छोड़ दिया और लिस्ट में टॉप पर पहुंच गए जबकि शाहिद अफरीदी अब दूसरे नंबर पर आ गए।

जूझते नजर आए विल यंग

इससे पहले गिल ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का सही फैसला लिया। बारिश और मौसम को देखते हुए मैच प्रति टीम 47 ओवर का कर दिया गया था। नबी ने सबसे पहले टिम सीफर्ट (0) का विकेट लिया। मिडविकेट पर खड़े कम्बोज ने सामने की ओर डाइव लगाकर कैच पकड़ा और नबी को उनका पहला अंतरराष्ट्रीय विकेट दिलाया। विल यंग ने 17 गेंद में 6 रन बनाए और वह जूझते ही नजर आए। आफ स्टम्प पर पड़ती गेंद पर बल्ला अड़ाकर वह विकेट के पीछे केएल राहुल को कैच देकर लौटे। हेनरी निकोल्स 26 गेंद में 11 रन बनाकर नौवें ओवर में कम्बोज की गेंद पर बोल्ड हुए।

हार्दिक का पंजाब किंग्स, अर्शदीप का एमआई में जाना तय

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

आईपीएल नीलामी से पहले मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स के बीच खिलाड़ियों की अदला-बदली (ट्रेड) पर सहमति बन गई है। इससे स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या पंजाब किंग्स जबकि तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह मुंबई इंडियंस से जुड़ जाएंगे। यह सौदा हालांकि अभी प्रस्तावित है और इसे बीसीसीआई की मंजूरी मिलना बाकी है। आईपीएल के सूत्र ने बताया कि हार्दिक पंड्या श्रेयस अय्यर की कप्तानी में खेलने को लेकर खुश हैं। उम्मीद है कि श्रेयस अय्यर आगामी सत्र में भी पंजाब के कप्तान बने रहेंगे। सूत्र ने कहा, 'ट्रेड पूरा हो चुका है। हार्दिक पंजाब किंग्स में जा रहे हैं और अर्शदीप मुंबई इंडियंस में शामिल हो रहे हैं।

उनके अनुसार, 'अर्शदीप के बदले हार्दिक को ट्रेड करने का फैसला कप्तान और कोच का था। अर्शदीप लंबे समय से पंजाब किंग्स के साथ जुड़े हुए हैं और फ्रेंचाइजी के लिए शानदार प्रदर्शन करके इस मुकाम तक पहुंचे हैं।

2024 सत्र में मुंबई में लौटे थे हार्दिक

हार्दिक 2024 सत्र में मुंबई इंडियंस में लौटे थे और उन्हें रोहित शर्मा की जगह कप्तान बनाया गया था। हालांकि हार्दिक की कप्तानी में मुंबई का सफर उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। पांच बार की चैंपियन टीम हार्दिक के नेतृत्व संभालने के बाद तीन सत्र में से दो बार प्लेऑफ में जगह बनाने में नाकाम रही। यह सौदा बीसीसीआई द्वारा खिलाड़ियों को बरकरार रखने की समय सीमा को 17 नवंबर तक बढ़ाने के बाद हुआ है, जिससे दोनों फ्रेंचाइजी को 16 दिसंबर को गोवा में होने वाली मिनी नीलामी से पहले औपचारिकता पूरा करने के लिए पर्याप्त समय मिल जाएगा।











हरिभूमि कम्यूनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक अचिंत महेश्वरी द्वारा प्लॉट नं.160 न्यू एच-सेक्टर इंडस्ट्रियल एस्टेट, गोविंदपुरा, भोपाल (म.प्र.) 462023 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्पलैक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। स्थानीय संपादक: प्रमोद भारद्वाज। RNI No. MPHIN/2014/55906, फोन 0755-4049930

हरिभूमि
भोपाल भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, रविवार 8 नवंबर 2026

2 स्वाति नक्षत्र और चार शुभ योगों के महासंयोग ...



4 अब अलमारी में सहेजी इन अनमोल यादों को नया ...



हर दिल जगमग... हर आंगन रोशन





भोपाल। दिल में दिवाली की खुशियां हों और बड़ी झील का किनारा हो तो ये खुशियां कई गुनी तक बढ़ जाती हैं। ऐसे ही कुछ युवा हाथों में दीपों की थाली लिए शीतलदास की बगिया घाट पर दिवाली की पूर्व संध्या पर सजे-संवरे नजर आए। इन्होंने घाट पर रोशनी की और दिवाली के प्रति अपना उल्लास जाहिर किया। फोटो जर्नलिस्ट : जसप्रीत सिंह

बालाजी छोले-भटूरे की दुकान में भीषण आग के बाद भी नहीं चेता नगर निगम

दिवाली से पहले देर रात तक शहर के बाजार रहे गुलजार...हजारों लोग करते रहे खरीदारी

- *1200 दुकानों वाले न्यू मार्केट में पैर रखने की जगह नहीं*
- *धनतेरस पर बाजार में फायर ब्रिगेड तक की व्यवस्था नहीं*
- *नगर निगम और प्रशासन की लापरवाही से हजारों खरीदारों की जान पर खतरा*
- *आग लगी तो दमकल को पहुंचने में लगेगा वक्त, नुकसान हो सकता है कई गुना*

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

न्यू मार्केट में पिछले महीने बालाजी छोले-भटूरे की दुकान में लगी भीषण आग के बाद भी नगर निगम और प्रशासन ने कोई सबक नहीं लिया है। धनतेरस और दीपावली के चलते बाजार में हजारों की संख्या में लोग खरीदारी के लिए पहुंच रहे हैं, लेकिन उनकी सुरक्षा सवालों के घेरे में है।

1200 से अधिक दुकानों वाले इस बाजार में सुबह से देर शाम तक पैर रखने तक की जगह तक नही बची है। भीड़ के बीच दुकानों में सुरक्षा इंतजामों की अनदेखी किसी बड़े हादसे को न्योता दे रही है। बाजार में कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक्स, सजावटी सामान और अन्य दुकानों पर ग्राहकों की भारी भीड़ है। मुख्य रास्तों पर भी लोगों की आवाजाही लगातार बनी हुई है। इसके बावजूद बाजार में आग बुझाने के पर्याप्त इंतजाम नजर नहीं आ रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि त्योहार के सबसे व्यस्त दिनों में भी बाजार के बाहर फायर ब्रिगेड की गाड़ियां तैनात नहीं कराई गई हैं। ऐसे में अगर किसी दुकान में आग लगती है तो दमकल को मौके तक पहुंचने में लगने वाला समय नुकसान को कई गुना बढ़ा सकता है।

भोपाल। न्यू मार्केट में दीवाली से एक दिन पूर्व कुछ इस तरफ बाजर में खरदारी करते नजर आए लोग।

दुकानदारों के पास अग्निशमन यंत्र तक नहीं

मार्केट में दूर-दूर तक इलेक्ट्रिकल दुकानों का फैलाव है, लेकिन सुरक्षा के इंतजाम नदारद हैं। दुकानों में बिजली के तारों का जाल और अस्थायी कनेक्शन कभी भी शॉर्ट सर्किट की वजह बन सकते हैं। ऐसे में एक छोटी सी चिंगारी भी भीषण आग का रूप ले सकती है। हैरानी की बात यह है कि अधिकांश दुकानदारों के पास अग्निशमन यंत्र तक उपलब्ध नहीं हैं। यदि आगजनी की घटना होती है तो शुरुआती स्तर पर आग बुझाने और तत्काल राहत देने के इंतजाम नहीं।

यह भी रहेगा प्रतिबंधित

- कार्बाइड गन की बिक्री और उपयोग पर रोक।
- सिर्फ ग्रीन पटाखे या रिड्यूस्ड इमिशन यानी कम आवाज वाले पटाखों का ही निर्माण, भंडारण, परिवहन, बेचने और उपयोग किया जा सकेगा।
- लड़ी यानी जुड़े हुए पटाखे प्रतिबंधित हैं।
- बेरियम साल्ट के उपयोग वाले पटाखे नहीं चला सकेंगे।
- पटाखे जिनकी तीव्रता विस्फोटक स्थल से 4 मीटर की दूरी पर 125 डेसीबल से अधिक हो, वे प्रतिबंधित रहेंगे।
- घोषित शांति क्षेत्र से 100 मी. की दूरी तक पटाखे नहीं चलाए जा सकेंगे।

इस बार भी खूब बिके पटाखा लड़, रस्सी बम और फुलझड़ियां,रात 8 से 10 बजे तक फोड़ सकेंगे पटाखे

भोपाल। इस दिवाली पर लड़ वाले पटाखे और रस्सी बम पर पूरी तरह से रोक थी, बावजूद इसके पटाखा दुकानों से जमकर प्रतिबंधित पटाखों की बिक्री जारी रही। तेज आवाज वाले पटाखे भी जमकर बेचे गए। हालांकि कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने पटाखे बेचने और चलाने को लेकर गाइडलाइन जारी की है। जिसके तहत दिवाली के दिन सिर्फ रात आठ से दस बजे तक पटाखे फोड़े जा सकेंगे। वहीं, ग्रीन और कम आवाज वाले पटाखे उपयोग करना होंगे।



बिट्टन मार्केट में पटाखा बाजार में खरीदारी करते शहरवासी। इनसेट : एक दुकान की जांच करता पुलिसकर्मी।

बिट्टन मार्केट में 1 लाइसेंस पर 4 दुकान, पुलिसकर्मी कर रहे जांच

शहर के फुटकर पटाखा बाजारों में भारी अनियमिता देखने मिल रही है। बिट्टन मार्केट में एक लाइसेंस पर दुकानदारों ने चार-चार दुकानें लगा रखी हैं। एसडीएम की टीम ने इनकी निगरानी तक नहीं की है। थाना स्तर के पुलिसकर्मी यहां आकर लाइसेंस की जांच कर रहे हैं।

निगरानी नहीं होने से मनमर्जी के पटाखे बेच रहे दुकानदार...

गाइडलाइन के तहत दिवाली पर आतिशबाजी रात 8 से 10 बजे तक की जा सकेगी। शहर के सभी पटाखा दुकानों पर लड़ वाले जुड़े हुए पटाखे बेचे जा रहे हैं। इसी तरह रस्सी बम भी अधिकतर दुकानों पर मौजूद हैं। पहली बार ऐसा हुआ है कि पटाखा दुकानों की जांच नहीं की गई है, जिससे कारोबारी मनमर्जी से लड़ वाले पटाखे बेच रहे हैं। अपर कलेक्टर महेंद्र कवचे का कहना है कि पटाखा दुकानों पर प्रतिबंधित पटाखों और आग से सुरक्षा को लेकर निगरानी की जा रही है।



धनतेरस के पहले हुए तीन सौ करोड़ की प्रॉपर्टी के सौदे

दिवाली पर गुलजार रहा प्रापर्टी बाजार अब तक 5 सौ करोड़ की प्रॉपर्टी सेल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

दिवाली के त्यौहार के साथ ही शुक्रवार को दीवाली के शुभ मुहुर्त के साथ प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री का काम खत्म हो गया है। अब दीवाली के तीसरे दिन मंगलवार को ही रजिस्ट्री की जाएंगी। इस बार नवरात्र से लेकर अब तक भोपाल जिले में करीब 4 हजार प्रॉपर्टी के सौदे हुए हैं। इधर इन प्रॉपर्टी की बाजार कीमत छह सौ करोड़ रुपए आंकी गई है।

इस नवरात्र के साथ दीवाली पर लोगों ने जमकर प्रॉपर्टी की खरीद-फरोख्त की। प्रॉपर्टी का बाजार गुलजार रहने से आईएसबीटी और परी बाजार में प्रॉपर्टी के खरीदारों की रात आठ बजे तक भीड़ देखी गई। एक दिन में रिकार्ड 668 तक रजिस्ट्रियां दर्ज की गई। शुभ मुहूर्त के दौरान आइएसबीटी, परी बाजार और बैरसिया स्थित पंजीयन कार्यालयों में प्रापर्टी के खरीदारों का पहुंचना शुरू हो गया था।



आईएसबीटी दफ्तर में पंजीयन के लिए आवश्यक कार्रवाई कराती महिला।

इन क्षेत्रों में जमकर हुई रजिस्ट्री

एक दिन में दर्ज 668 रजिस्ट्री में सबसे अधिक नये शहर के कोलार, नर्मदापुरम रोड, कटारा हिल्स, जाटखेड़ी, सलैया सहित अन्य क्षेत्रों में लोगों ने जमकर फ्लैट खरीदे हैं। यहां लगभग 70 लाख से एक करोड़ रुपए तक की प्रापर्टी के सौदे किए गए हैं। लोगों ने यह सौदे पहले कर लिए थे, लेकिन रजिस्ट्री उन्होंने शुभ मुहूर्त में कराई है।

राज्य लेबोरेटरी से डेढ़ महीने में मिल रही रिपोर्ट

टनों से बिक गए मावा-मिठाई, अब डेढ़ हजार सैंपल का इंतजार



दिवाली के लिए न्यू मार्केट में मिठाई खरीदते लोग।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी सहित प्रदेश भर में दिवाली के पहले मावा, पनीर, मिठाईयों सहित अन्य खाद्य पदार्थों के लिए गए डेढ़ हजार सैंपल की जांच रिपोर्ट आने का अब इंतजार किया जा रहा है, दरअसल खाद्य सुरक्षा विभाग ने प्रदेश भर की दुकानों से दिवाली के पहले सैंपलिंग की थी, जिसकी सैंपल जांच रिपोर्ट मिलने के बाद ही पता चलेगा कि लोगों ने कैसी मिठाईयां खाई हैं। अफसरों का कहना है कि सैंपल की जांच रिपोर्ट आने में एक से डेढ़ महीने का समय लग सकता है।

अमले ने मावा, पनीर, दूध से बने पदार्थ, मिठाई, नमकीन सहित अन्य खाद्य पदार्थों के करीब डेढ़ हजार नमूने लिए थे। जिसे अमले ने राज्य स्तरीय प्रयोगशाला जांच के लिए भेजा गया था, अब इनकी रिपोर्ट का विभाग को इंतजार है। इस रिपोर्ट आने के बाद ही खाद्य पदार्थों की शुद्धता की पहचान हो सकेगी, जिसके आधार पर कारोबारियों पर कार्रवाई की जा सकेगी।

एक माह में एक करोड़ 32 लाख की मिलावटी सामग्री जब्त

दिवाली के त्यौहार के दौरान मिठाइयों, मावा, पनीर, नमकीन और खाद्य तेल जैसी सामग्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए एक अक्टूबर से 1 नवंबर तक पूरे प्रदेश में जांच अभियान चलाया गया। जिसके तहत दो हजार 243 सैंपल लेकर लेबोरेटरी भेजे गए हैं। जिसमें दूध, मावा और मिठाइयों के 875, नमकीन, तेल और बेसन और बेसन के खाद्य पदार्थों के 393 और अन्य खाद्य पदार्थों के 975 सैंपल लिए गए हैं।

एक महीने में मिल जाएगी रिपोर्ट

दिवाली के मद्देनजर 150 से अधिक दुकानों से मावा, मिठाई, पनीर, नमकीन सहित अन्य खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं। प्रयास किया जा रहा है कि निश्चित समयावधि में इनकी रिपोर्ट मिल जाए, जिससे शुद्धता-अशुद्धता की पहचान होने के बाद आगे की कार्रवाई की जा सके।

शिवराज पावक, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी

दीपावली पर एंबुलेंस में तैनात रहेंगे पायलट

हाई अलर्ट पर 108 एंबुलेंस, 15 मिनट में लोकेशन पर पहुंचेगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

दीपावली पर्व पर पटाखों से जलने, सड़क दुर्घटना, आंखों की चोट और प्रदूषण से सांस की परेशानी के लिए 108 एंबुलेंस हर लोकेशन पर तैयार रहेगी। घायलों को अस्पताल तक पहुंचाने के लिए 108 एंबुलेंस सेवा की 40 गाड़ियां अलर्ट पर रहेगी। 108 एंबुलेंस का संचालन करने वाली जय अंबे कंपनी के मीडिया मैनेजर तरूण सिंह परिहार ने बताया कि प्रत्येक एंबुलेंस में आवश्यक चिकित्सा उपकरण एवं प्रशिक्षित इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन (ईएमटी) और पायलट उपलब्ध रहते हैं। आपातकालीन सूचना मिलने पर एंबुलेंस मौके पर पहुंचकर मरीज को आवश्यक प्री-हॉस्पिटल केयर (अस्पताल पहुंचने से पूर्व प्राथमिक चिकित्सा एवं जीवनरक्षक उपचार) प्रदान करेगी और सुरक्षित रूप से नजदीकी उपयुक्त अस्पताल तक पहुंचाएगी।



आपात व्यवस्थाएं की गईं सुनिश्चित

दीपावली पर जलने की घटनाओं और प्रदूषण से जुड़ी समस्याओं को देखते हुए अस्पतालों में डॉक्टरों, उपकरणों, दवाओं और आपातकालीन उपचार की व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

डॉ. मनीष शर्मा, सीएमएचओ

सभी अस्पतालों में मौजूद रहेंगी एंबुलेंस

एम्स, हमीदिया, जेपी अस्पताल, सीएचसी बैरसिया, सीएचसी कोलार, सीएम हाउस श्यामला हिल्स, पीएचसी मिसरोद, एसडीएच बैरागढ़ सहित विभिन्न शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के निर्धारित बेस लोकेशन पर एंबुलेंस तैनात रहेंगी।

हमीदिया, जेपी और एम्स में 50 से ज्यादा बेड रिजर्व: दीपोत्सव के दौरान आतिशबाजी और एक्सीडेंट के घायलों के लिए अलग-अलग हमीदिया, जेपी और एम्स में 50 से ज्यादा बेड रिजर्व किए गए हैं। इसके साथ ही बर्न एंड प्लास्टिक सर्जरी, हड्डी रोग और नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉक्टर्स को ऑन कॉल ड्यूटी के लिए अलर्ट पर रखा है, ताकि दीपावली के दिन पीड़ित को जल्द इलाज मिल सके।

आज नया पश्चिमी विक्षोभ बढ़ाएगा सर्दी

शहर में दिवाली से पहले ही एक्यूआई 300 पार, सर्दी में और बढ़ेगा प्रदूषण

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी में सर्दी_गर्मी के बीच शनिवार को प्रदूषण का लेबल भी खतरे से ऊपर पहुंच गया है। शहर उड़ रही धूल और धुएं के असर से एक्यूआई(एयर क्वालिटी इंडेक्स) 304 पर दर्ज हुआ है। यह रेड लेबल पर रहा, जो स्वास्थ्य के लिहाज से बेहद खतरनाक बताया गया है। पर्यावरण परिसर में एक्यूआई 304 रहा, जो वेरी पुअर क्वालिटी का रहा। इसमें पीएम10 की मात्रा 201.70 और पीएम2.5 का लेबल 125.35 दर्ज हुआ। पर्यावरणविदों के अनुसार हवा में प्रदूषण का यह स्तर स्वास्थ्य के लिहाज से बेहद खराब है। इसके अलावा कलेक्टोरेट, गोविंदपुरा, पुराना शहर और टीटी नगर में भी प्रदूषण काफी रहा है। मप्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल के अधिकारियों के अनुसार अभी हवा की गति धीमी और धूल का के असर से प्रदूषण बढ़ा है। हालांकि, इसके रोकथाम के लिए उपाय किए जा रहे हैं। शनिवार को भी शहर में रात का पारा दशमलव 4 डिग्री बढ़कर 13 डिग्री के करीब थमा रहा। न्यूनतम तापमान 13.2 डिग्री रहा, जो सामान्य से 3.1 डिग्री कम है। इससे रात में सर्दी का असर बरकरार रहा है। वहीं, दिन का तापमान लगातार दूसरे दिन 32 डिग्री दर्ज हुआ। इसमें कोई बदलाव नहीं होने से दिन में हल्की गर्मी महसूस की गई।

स्टेशन पर ट्रेनों को जगह देने के लिए आउटर पर रोकना पड़ा, प्लेटफॉर्म से टिकट काउंटर तक यात्रियों की भीड़; बसें भी ठसाठस

स्पेशल ट्रेनों ने बढ़ाया ट्रैक पर दबाव, भोपाल पहुंचने में साढ़े चार घंटे तक लेट हुईं गाड़ियां

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

दीपावली के त्योहार पर यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रेलवे ने बड़ी संख्या में स्पेशल ट्रेनें चलाईं, लेकिन इन ट्रेनों के संचालन से रेल ट्रैक पर यातायात का दबाव बढ़ गया। नतीजा यह हुआ कि नियमित ट्रेनों की रफ्तार भी प्रभावित होने लगी। शनिवार को दिल्ली, मुंबई और जबलपुर की ओर से भोपाल आने वाली कई ट्रेनें 30 मिनट से लेकर साढ़े चार घंटे तक की देरी से पहुंचीं। भोपाल स्टेशन पर प्लेटफॉर्म खाली नहीं मिलने के कारण कुछ ट्रेनों को आउटर पर भी रोकना पड़ा। इससे यात्रियों को घंटों इंतजार करना पड़ा।



त्यौहारों के मद्देनजर भोपाल रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की भीड़भाड़ रही।

आउटर पर खड़ी रहीं ट्रेनें, यात्री होते रहे परेशान

त्योहारी सीजन में ट्रेनों और स्टेशनों पर यात्रियों का दबाव लगातार बढ़ रहा है। शनिवार को भोपाल स्टेशन पर ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित होने के कारण सुखीसेवनिया, निशातपुरा और मिसरोद सहित अन्य आउटर पर कई ट्रेनों को रोकना पड़ा। ट्रेनों के निर्धारित समय पर नहीं पहुंचने से यात्रियों को प्लेटफॉर्म पर लंबा इंतजार करना पड़ा। वहीं, रेलवे ट्रैक पर बढ़ते दबाव के कारण ट्रेनों की समय-सारणी भी गड़बड़ा गई।

यह ट्रेनें देरी से पहुंची

- 12920 मालवा एक्सप्रेस 4.20 घंटे लेट आई
- 12616 जीटी एक्सप्रेस 3.43 घंटे लेट आई
- 12716 अमृतसर-नांदेड़ सचखंड एक्सप्रेस 1.44 घंटे लेट आई
- 11058 अमृतसर एक्सप्रेस 1:19 घंटे लेट आई
- 22538 कुशीनगर सुपरफास्ट एक्सप्रेस - 1.18 घंटे लेट आई
- 22537 कुशीनगर एक्सप्रेस 1:04 घंटे लेट आई
- 11072 कमायानी एक्सप्रेस 0:58 मिनट लेट आई
- 12138 पंजाब मेल 0:57 मिनट लेट आई
- 12622 तमिलनाडु एक्सप्रेस-0:41 मिनट लेट आई
- 12722 दक्कन एक्सप्रेस 0:24 मिनट लेट आई
- 20103 मुंबई एलटीटी - गोरखपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस 0.37 मिनट

दिवाली पर रेल में पटाखे ले गए तो लगेगा 1000 का जुर्माना या 3 साल की जेल

भोपाल। भोपाल रेल मंडल ने दीपावली के अवसर पर यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, पटाखे ज्वलनशील पदार्थ को लेकर एक खास टीम गठित कर विशेष ट्रेनों में विशेष चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। तो वहीं भोपाल सहित मंडल के स्टेशन पर अनाउंसमेंट कर यात्रियों को सूचित किया जा रहा है। इस दौरान यात्रियों को बताया जा रहा है कि यात्रा के दौरान पटाखे, विस्फोटक या ज्वलनशील वस्तुएं साथ ले जाना सख्त रूप से प्रतिबंधित है। रेल प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि रेल यात्रा के दौरान ज्वलनशील पदार्थ जैसे पटाखे, पेट्रोलियम उत्पाद, गैस सिलेंडर, केरोसिन, माचिस, स्टोव, लाइटर, सूखी झाड़ियां या पत्तियां साथ ले जाना अत्यंत खतरनाक है और भारतीय रेलवे अधिनियम 1989 की धारा 67, 164 और 165 के अंतर्गत दंडनीय अपराध है।

त्योहारी भीड़ का असर

दिल्ली के तीन स्टेशनों पर 15 तक पार्सल बुकिंग बंद

भोपाल। दीपावली और छठ पूजा के मद्देनजर ट्रेनों में बढ़ती यात्री भीड़ को देखते हुए रेलवे ने सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन के लिए बड़ा निर्णय लिया है। इसके तहत दिल्ली क्षेत्र के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर पार्सल बुकिंग और सामान की लोडिंग-अनलोडिंग पर अस्थाई रोक लगा दी गई है। यह प्रतिबंध 15 नवंबर तक लागू रहेगा। पश्चिम मध्य रेल के भोपाल मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि नई दिल्ली, पुरानी दिल्ली और आनंद विहार स्टेशनों पर इस अवधि में पार्सल बुकिंग के साथ लोडिंग-अनलोडिंग नहीं हो सकेगी। हालांकि, आनंद विहार और हजरत निजामुद्दीन स्टेशन पर निर्धारित स्थानों से पार्सल की लोडिंग-अनलोडिंग की अनुमति रहेगी। दीपावली से एक दिन पहले शनिवार को भोपाल स्टेशन पर यात्रियों का सैलाब उमड़ा। स्टेशन के सभी प्लेटफॉर्म पर भारी भीड़ रही।

बुधादित्य, शुक्रादित्य, आयुष्मान और सौभाग्य योग का बनेगा विशेष संयोग

स्वाति नक्षत्र और चार शुभ योगों के महासंयोग में आज मनाया जाएगा दीपावली पर्व, गज पर आएंगी मां लक्ष्मी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

रोशनी, खुशियों और सुख-समृद्धि का पर्व दीपावली रविवार को विशेष ज्योतिषीय संयोगों के बीच मनाया जाएगा। इस बार दीपावली पर स्वाति नक्षत्र के साथ बुधादित्य, शुक्रादित्य, आयुष्मान और सौभाग्य योग का महासंयोग बन रहा है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, इस विशेष संयोग में मां महालक्ष्मी गज यानी हाथी पर सवार होकर पृथ्वी पर आएंगी।

इसे व्यापार, कारोबार और कृषि क्षेत्र के लिए शुभ संकेत माना जा रहा है। दीपोत्सव को लेकर राजधानी सहित देशभर में घरों, बाजारों और प्रतिष्ठानों को सजाने के साथ मां लक्ष्मी के स्वागत की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। चामुंडा दरबार के पुजारी गुरु पं. रामजीवन दुबे ने बताया कि इस बार दीपावली पर चार शुभ योगों का विशेष संयोग बन रहा है। मां लक्ष्मी का गज वाहन पर आगमन व्यापारियों, कारोबारियों और किसानों के लिए शुभ फलदायी माना जाता है। मान्यता है कि ऐसे योगों में दीपावली का पूजन करने से घर-परिवार में सुख-समृद्धि और खुशहाली आती है।


दीपावली महापर्व के लिए न्यू मार्केट में खरीदारी करती महिला श्रद्धालु।

रूप चौदस पर महिलाओं का श्रृंगार, श्रद्धालुओं ने किया विशेष स्नान

भोपाल। राजधानी में शनिवार को रूप चौदस का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर महिलाओं ने सहेलियों और परिवार के साथ मिलकर पारंपरिक तरीके से रूप निखारा। बेसन, मलाई और जड़ी-बूटियों से बने उबटन का इस्तेमाल कर महिलाएं घंटों सजने-संवरने में जुटी रहीं। वहीं, नरक चौदस के अवसर पर श्रद्धालुओं ने पुण्य लाभ की कामना से सूर्योदय से पहले नदी और घाटों पर स्नान कर दान-पुण्य किया।

तीन मुहूर्तों में होगी लक्ष्मी पूजा

- *पं. दुबे के अनुसार, दीपावली पर मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा का विशेष महत्व है। इस बार व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और घरों में पूजन के लिए अलग-अलग शुभ मुहूर्त रहेंगे।*
- *व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में पूजनः दोपहर 1:00 से 2:31 बजे तक कुंभ लग्न।*
- *घरों में लक्ष्मी पूजनः शाम 5:37 से 7:34 बजे तक प्रदोष काल में स्थिर वृषभ लग्न।*
- *महानिशा पूजनः रात 12:05 से 2:19 बजे तक सिंह लग्न।*

आधी रात में होगी विशेष लक्ष्मी साधना

दीपावली की रात विशेष लक्ष्मी साधना, श्री यंत्र की पूजा और मंत्र जाप करने वालों के लिए महानिशीथ काल का विशेष महत्व रहेगा। 8 नवंबर की रात 11:39 से 12:31 बजे तक महानिशीथ काल रहेगा। इस दौरान साधक विशेष मंत्रों का जाप और गुप्त लक्ष्मी पूजन कर सकेंगे। वहीं, सिंह लग्न में भी विशेष साधना का विधान बताया गया है।

अर्पित करें श्रृंगार सामग्री

दीपावली पर मां लक्ष्मी और भगवान गणेश के साथ इंद्र, वरुण, यम और कुबेर की भी पूजा करनी चाहिए। विधि-विधान से पूजन के बाद माता लक्ष्मी को श्रृंगार सामग्री अर्पित करने का विशेष महत्व है। इसके बाद श्री लक्ष्मी सूक्त, श्री सूक्त, कनकधारा स्तोत्र और पुरुष सूक्त का पाठ करना चाहिए।

दीपावली पर ऐसे सजाएं अपना घर

घर के प्रवेश द्वार पर फूलों की तोरण, आम के पत्ते और रंग-बिरंगी बंदनवार लगाएं। मुख्य द्वार और पूजा स्थल पर फूलों, रंगों और चावल के आटे से सुंदर रंगोली बनाएं। रंगोली के बीच दीपक सजाकर इसे और आकर्षक बनाएं।

दीपों से रोशन करें घर

- घर की छत, बालकनी, आंगन और खिड़कियों पर मिट्टी के दीपक जलाएं। सजावटी लाइटों से भी घर को रोशन करें।

फूलों से करें सजावट

- गेंदे और गुलाब के फूलों से दरवाजे, पूजा स्थल और घर के आंगन को सजाएं।
- पूजा स्थल को दें खास रूप
- मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की प्रतिमा के सामने फूल, दीपक, धूप और सुंदर आसन सजाएं।

सुख-समृद्धि ऐश्वर्य के पर्व दीपावली पर दोपहर में करें पितरों की पूजा

भोपाल। पितृ दोषों के निवारण के लिए भी यह अमावस्या शुभ मानी जाती है। पं. रामजीवन दुबे के मुताबिक दीपावली पर अमवास्या के शुभ संयोग में सुबह महाकाली की पूजा करनी चाहिए। दोपहर में पितरों का पूजन करना चाहिए। दीपावली की शाम गणेशजी, महालक्ष्मी, सरस्वती और कुबेरदेव की पूजा करनी चाहिए। इसके बाद हनुमान जी की पूजा करें। दीपावली पर क्रोध नहीं करें तथा घर में क्लेश नहीं करना चाहिए। मान्यता है कि जिन घरों में शांति रहती है, वहां देवी लक्ष्मी का वास होता है।

ऐसे करेंगे दीपावली पर पूजा

- *सबसे पहले चौकी पर लक्ष्मी व गणेश की मूर्तियां इस प्रकार रखें कि उनका मुख पूर्व या पश्चिम में रहे। लक्ष्मीजी, गणेशजी की दाहिनी ओर रहें।*
- *पूजा करने वाले मूर्तियों के सामने की तरफ बैठें।*
- *कलश को लक्ष्मीजी के पास चावलों पर रखें।*
- *नारियल को लाल वस्त्र में इस प्रकार लपेटें कि नारियल का अग्रभाग दिखाई देता रहे व इसे कलश पर रखें। यह कलश वरुण का प्रतीक है।*
- *दो बड़े दीपक रखें। एक में घी भरें व दूसरे में तेल।*
- *एक दीपक चौकी के दाईं ओर रखें व दूसरा मूर्तियों के चरणों में।*
- *इसके अलावा एक दीपक गणेशजी के पास रखें।*
- *मूर्तियों वाली चौकी के सामने छोटी चौकी रखकर उस पर लाल वस्त्र बिछाएं।*


करोंद हाउसिंग बोर्ड इलाके में जलता कचरा।

हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र में 4 दिन से जल रहा कचरा

13 घंटे में सफाई का दावा फेल पॉश क्षेत्रों में भी कचरे के ढेर

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

सफाई कर्मचारियों की हड़ताल खत्म होते ही नगर निगम ने 13 घंटे में पूरे शहर को साफ करने का दावा कर दिया, लेकिन जमीनी हकीकत इस दावे से बिल्कुल उलट है। शहर के कई इलाकों में अब भी कचरे के ढेर लगे हैं। हालात यह हैं कि वीआईपी कॉलोनी चार इमली में मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के बंगलों के बीच भी गंदगी पसरी हुई है। एक मंत्री के बंगले के सामने तक कचरा पड़ा है।

वहीं हाउसिंग बोर्ड करोंद में पिछले चार दिनों से कचरा जल रहा है। इसके बावजूद निगम का सफाई अभियान पूरे शहर में असरदार नजर नहीं आ रहा है। शनिवार सुबह 7 बजे महापौर मालती राय और निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने प्रमुख बाजारों का निरीक्षण किया। उन्होंने सफाई और सड़क धुलाई में सहभागिता भी की। निगम आयुक्त ने दावा किया कि हड़ताल के दौरान 72 घंटे में जमा हुआ कचरा महज 13 घंटे में साफ कर दिया गया।


रोशनपुरा इलाके में कचरे का ढेर।

चार इमली में भी नहीं पहुंचा सफाई अमला

शहर की सबसे पॉश कॉलोनियों में शामिल चार इमली में कई जगह कचरे के ढेर लगे हैं। मंत्रियों, विधायकों और वरिष्ठ अधिकारियों के बंगले होने के बावजूद सफाई व्यवस्था दुरुस्त नहीं है। हाउसिंग बोर्ड करोंद में सड़क किनारे चार दिन से कचरा जल रहा है। शनिवार को भी आग और धुआं दिखाई दिया। इससे आसपास के रहवासियों को बदबू और धुएं की परेशानी झेलनी पड़ रही है। कटारा हिल्स में तीन दिन से नाले का कचरा नहीं उठाया गया है। रोशनपुरा और अरेरा कॉलोनी में भी जगह-जगह कचरे के ढेर लगे हैं।

विद्यार्थियों ने मनाई अनोखी दिवाली, स्थानीय कुम्हारों के चेहरों पर लाई मुस्कान

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी के भेल क्षेत्र स्थित शासकीय सांदीपनि महात्मा गांधी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों ने इस वर्ष भी दिवाली को एक अनूठे और सामाजिक सरोकार से जुड़े अंदाज में मनाया। शिक्षिका डॉ. अर्चना शुक्ला के मार्गदर्शन में कक्षा 9वीं के विद्यार्थियों ने परियोजना आधारित शिक्षण के अंतर्गत गो वोकल फॉर लोकल थीम पर विशेष अभियान चलाया। डॉ. अर्चना शुक्ला पिछले पांच वर्षों से विद्यार्थियों के माध्यम से इस तरह की गतिविधियों को निरंतर आगे बढ़ा रही हैं। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य स्थानीय कुम्हारों एवं मिट्टी के पारंपरिक दीपक बनाने वाले कारीगरों को प्रोत्साहित करना तथा उनके उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने में सहयोग करना था। विद्यार्थियों ने लोगों को जागरूक करते हुए एक बेहतर संदेश दिया।


छात्राओं ने कुम्हारों संग मनाई दिवाली।

पोस्टर हाथ में लेकर दिया गो वोकल फॉर लोकल का संदेश



जनजागरुकता अभियान चलाया

इस अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों ने पिपलानी गांधी मार्केट, बरखेड़ा मार्केट, विजय मार्केट एवं न्यू मार्केट में पहुंचकर जनजागरूकता अभियान चलाया। विद्यालय की यूनिफॉर्म में विद्यार्थियों ने विभिन्न आकर्षक नारों और स्लोगन लिखी तख्तियों के माध्यम से लोगों से स्थानीय कारीगरों से दीपक खरीदने की अपील की। विद्यार्थियों ने दीपक खरीदने वाले ग्राहकों को स्वयं तैयार किए गए धन्यवाद कार्ड भी भेंट किए। इस गतिविधि में अनामिका पिपरिया, सृष्टि, ज्योति, परी, स्वाति, अंशिका एवं कीर्तिका पांडे सहित कक्षा 9वीं के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। साथ ही कक्षा अध्यापिका निधि नेमा एवं सुमित्रा श्रीमाली का भी महत्वपूर्ण सहयोग रहा।



बायोमेडिकल कचरे के निपटान में नियमों का पूरी तरह पालन नहीं

बायोमेडिकल कचरा निपटान में लापरवाही पर एनजीटी सख्त, नियमों की हो रही अनदेखी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी सहित प्रदेशभर के अस्पतालों और स्वास्थ्य संस्थानों से निकलने वाले बायोमेडिकल कचरे के सुरक्षित निपटान को लेकर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल(एनजीटी) ने सख्ती दिखाई है। प्रदेश के कई जिलों में नियमों का पूरी तरह पालन नहीं होने से बेंच ने निर्देश जारी किए हैं। बताया गया कि राजधानी में भी कई अस्पतालों द्वारा सामान्य कचरे के साथ बायोमेडिकल वेस्ट मिला दिया जाता है। एनजीटी ने इसे पर्यावरण से जुड़ा गंभीर मुद्दा मानते हुए केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय सहित अन्य प्रतिवादियों को नोटिस जारी किया है। सभी से आगामी छह सप्ताह में जवाब मांगा गया है।



सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के आधार पर लगी पिटीशन

एनजीटी की सेंट्रल जोनल बेंच में जितेश कुमार सिरोइया द्वारा दायर की गई याचिका में बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स-2016, कॉमन बायोमेडिकल वेस्ट ट्रीटमेंट फैसिलिटी के संशोधित दिशा-निर्देश-2016 और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के 2025 के दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन कराने की मांग की गई है। याचिका में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए कहा गया है कि इन नियमों और दिशा-निर्देशों का पालन अनिवार्य है। इसी आधार पर एनजीटी अधिनियम की धारा 14, 15 और 20 के तहत आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

12 जनवरी 2027 को होगी सुनवाई: अब इस पर जस्टिस श्योकुमार सिंह और विशेषज्ञ सदस्य सुधीर कुमार चतुर्वेदी की बेंच ने प्रतिवादियों को नोटिस जारी कर छह सप्ताह में जवाब देने को कहा है। इस मामले में अगली सुनवाई 12 जनवरी 2027 को होगी।

ऑफलाइन प्रक्रिया में पारदर्शिता का अभाव

महिलाओं की संतान पालन की अवकाश प्रक्रिया करें ऑनलाइन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

शासकीय शिक्षक संगठन मप्र ने प्रदेश की महिला शिक्षिकाओं को मिलने वाले संतान पालन अवकाश की संपूर्ण प्रक्रिया ऑनलाइन किए जाने की मांग की है। संगठन के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष उपेन्द्र कौशल ने कहा कि वर्तमान में जिला स्तर पर संतान पालन अवकाश स्वीकृति की ऑफलाइन प्रक्रिया के कारण महिला शिक्षिकाओं को अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। आवेदन से लेकर स्वीकृति तक की प्रक्रिया में पारदर्शिता का अभाव रहता है।

यह हैं मांगें

संगठन ने मांग की है कि संतान पालन अवकाश के आवेदन से लेकर स्वीकृति तक की संपूर्ण प्रक्रिया ऑनलाइन की जाए। आवेदन की स्थिति जानने के लिए ऑनलाइन ट्रैकिंग की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। आवेदन निरस्त करने अथवा आपत्ति लगाने पर संबंधित अधिकारी द्वारा स्पष्ट कारण दर्ज करना अनिवार्य किया जाए। आवेदन स्वीकृति के लिए समय-सीमा निर्धारित की जाए। जिला स्तर पर अनावश्यक हस्तक्षेप एवं कथित अनियमितताओं पर रोक लगाने के लिए पारदर्शी व्यवस्था बनाई जाए।

पटाखा बाजारों में तीन दिन तैनात रहेंगी दमकलें, छठ पूजा से पहले घाटों पर सफाई, इंतजाम

दीपावली से छठ पूजा तक निगम अलर्ट, 54 घाटों पर होंगी व्यवस्थाएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

दीपावली, गोवर्धन पूजा और छठ पूजा को लेकर नगर निगम ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। त्योहारों के दौरान शहर में साफ-सफाई, सुरक्षा और नागरिक सुविधाओं को लेकर अधिकारियों को विशेष निर्देश दिए गए हैं। महापौर मालती राय और निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने संबंधित अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं समय रहते पूरी करने को कहा है, ताकि त्योहारों के दौरान लोगों को परेशानी न हो। दीपावली पर शहर के मंदिरों के सामने विशेष सफाई कराई जाएगी। मंदिर परिसरों और आसपास के क्षेत्रों में चूने से आकर्षक रंगोली बनाई जाएगी। इसके साथ ही सौंदर्यीकरण के काम भी कराए जाएंगे, जिससे श्रद्धालुओं को स्वच्छ वातावरण मिल सके।

तीन दिन पटाखा बाजार में रहेंगी

पटाखा बाजारों में आगजनी की घटनाओं को रोकने के लिए निगम ने सुरक्षा इंतजाम किए हैं। 9, 10 और 11 नवंबर को बाजारों में दमकल वाहन और फायर अमला तैनात रहेगा। आपात स्थिति के लिए एक अतिरिक्त दमकल वाहन, दो पानी के टैंकर और एक सीवेज टैंकर भी उपलब्ध रहेगा। किसी भी घटना की सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

54 घाटों पर छठ पूजा की तैयारी

छठ पूजा को लेकर निगम शहर के 54 घाटों पर व्यवस्थाएं करेगा। 15 और 16 नवंबर को होने वाली पूजा से पहले सभी घाटों की साफ-सफाई कराई जाएगी। यहां पर्याप्त रोशनी, पेयजल, सार्वजनिक शौचालय, पार्किंग और महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम बनाए जाएंगे। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि पूजा से पहले सभी जरूरी काम पूरे कर लिए जाएं। वहीं, 9 नवंबर को सुबह शाहजहांनाबाद स्थित कांजी हाउस में गोवर्धन पूजा का आयोजन भी किया जाएगा। निगम का दावा है कि त्योहारों के दौरान स्वच्छता और सुरक्षा के साथ श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।


भेल के बरखेड़ा स्थित सरस्वती मंदिर में बने कुंड की सफाई करते बिहार सांस्कृतिक परिषद इकाई के सदस्य।

छठ पूजा की तैयारी को लेकर बैठक आज

भोपाल। भोजपुरी उत्सव समिति खटलापुरा द्वारा छठ पूजा की तैयारी को लेकर रविवार को बैठक खटलापुरा घाट पर रखी गई है। बैठक में छठ पूजा की तैयारियों को लेकर समिति के पदाधिकारियों को जिम्मेदारी दी जाएगी। समिति के अध्यक्ष राहुल दुबे और सचिव पंकज ठाकुर ने बताया कि भोपाल के सबसे पुराने छठ घाट खटलापुरा पर आगामी 15 एवं 16 नवंबर को समिति द्वारा भव्य छठ पूजा का आयोजन किया जाएगा। इस वर्ष भी समिति द्वारा इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित कराया जाएगा। छठ पूजा को लेकर जल्द ही समिति द्वारा खटलापुरा घाट पर स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा।

नागरिकों को दी दीपावली, गोवर्धन पूजा और भाईदूज की शुभ एवं मंगलकामनाएं

मध्यप्रदेश आज दुग्ध उत्पादन में देश में तीसरे नंबर पर अगले दो सालों में प्रदेश को नंबर वन बनाने का लक्ष्य

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि किसानों और पशुपालकों की आय बढ़ाने के लिए हमने प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहित करने का निर्णय लिया है। प्रदेश की ग्राम पंचायतों में दूध संकलन के लिए दुग्ध सहकारी समितियां गठित की जा रही हैं।

हम प्रयास कर रहे हैं कि किसान अनाज उत्पादन के साथ पशुपालन और दूध उत्पादन से भी अपनी आय बढ़ाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश दुग्ध उत्पादन में आज देश में तीसरे स्थान पर है। हम अगले दो सालों में मध्यप्रदेश को दुग्ध उत्पादन के मामले में नम्बर वन स्टेट बनाएंगे। डॉ यादव ने शनिवार को मुख्यमंत्री निवास में पत्रकारों के साथ आयोजित दीपावली मिलन समारोह में उपस्थित पत्रकारगणों और मीडिया प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए यह विचार व्यक्त किए। उन्होंने सभी प्रदेशवासियों को दीपावली और गोवर्धन पूजा की बधाई एवं मंगलकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री निवास में हुआ पत्रकारों के साथ दीपावली मिलन समारोह का आयोजन



मुख्यमंत्री निवास में पत्रकारों को संबोधित करते मुख्यमंत्री डॉ. यादव।

संपत्ति का अधिकार दिला रही मप्र सरकार

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि राज्य सरकार 'मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना' के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली आबादी को उनकी संपत्ति का पक्का अधिकार दिला रही है। उन्होंने कहा कि किसानों और ग्रामीणों को इस योजना से आजादी के बाद पहली बार उनके स्वामित्व की सम्पत्ति का रजिस्टर्ड दस्तावेज मिला है। डॉ यादव ने बताया कि धनतेरस के अवसर पर शुक्रवार को जब वे मुरैना जिले के एक गांव में रजिस्ट्री योजना के हितग्राहियों से मिले, तो पहली बार अपनी सम्पत्ति के पक्के अधिकार की कार्यवाही पूर्ण होने पर ग्रामीणजन भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत प्रदेश के सभी 55 जिलों में पीएम एक्सीलेंस कॉलेज स्थापित किए गए हैं। सांदीपनि विद्यालयों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के माध्यम से सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा दिया जा रहा है। वहीं, मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़ाने और चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ मंडला एवं बालाघाट में भी मेडिकल कॉलेजों का निर्माण किया जा रहा है।

प्रदेश में रोड, रेल और सड़क नेटवर्क का हो रहा तेजी से विकास

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में रोड, रेल और सड़क नेटवर्क तेजी से बढ़ाया जा रहा है। प्रदेश के धार और झाबुआ तक रेल लाइन पहुंची है। राज्य के प्रत्येक जिले, संभाग और छोटे शहरों को भी औद्योगिक विकास से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि बाबा महाकाल के महालोक के उद्घाटन के बाद उज्जैन की आर्थिक स्थिति पूरी तरह से बदल चुकी है। उज्जैन को स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के अंतर्गत एक बड़े शहर के रूप में डेवलप किया जा रहा है। इसी तरह से 2500 करोड़ रूपए की लागत से ओंकारेश्वर कॉरिडोर, 2000 करोड़ रूपए की लागत से चित्रकूट और ओरछा में रामराजा सरकार के मंदिर का भी हम कायाकल्प कर रहे हैं।

चित्रकूट धाम से गुप्त गोदावरी तक फोरलेन सड़क निर्माण का भूमि पूजन

हमारे पर्व सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की पहचान, मप्र सरकार चित्रकूट सहित धार्मिक स्थलों का कर रही सर्वांगीण विकास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने चित्रकूट धाम से गुप्त गोदावरी तक 81.17 करोड़ से निर्मित होने वाली फोरलेन सड़क निर्माण का भूमि पूजन कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि यह सड़क श्रद्धालुओं और पर्यटकों की यात्रा को सुगम बनाएगी। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर बच्चों को दीपावली के उपहार प्रदान किए। समारोह के उपरांत मुख्यमंत्री ने मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बनाए गए पीपा पुल का अवलोकन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को ओरछा के बाद चित्रकूट पहुंचे थे। उन्होंने विधि विधान से पूजा अर्चना के बाद कहा कि आज रूप चौदस का पावन दिन है। हम सब दीपावली का पर्व हर्ष और उल्लास से मना रहे हैं। हमारे पर्व सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की पहचान हैं। मध्यप्रदेश सरकार चित्रकूट सहित प्रदेश के विभिन्न धार्मिक स्थलों का सर्वांगीण विकास कर रही है । उज्जैन के महाकाल लोक की तरह ओरछा में राम राजा लोक और चित्रकूट में भव्य वनवासी राम लोक का निर्माण किया जाएगा। चित्रकूट में भगवान राम ने अपने वनवास काल के 11 वर्ष से अधिक का समय बिताया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि यह मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम की तपोभूमि है।

सीएम ने बच्चों को दीपावली के उपहार प्रदान किए

भक्तों की सुविधा के लिए बने पीपा पुल का किया अवलोकन



चित्रकूट धाम से गुप्त गोदावरी तक फोरलेन सड़क निर्माण का भूमि पूजन।

सीएम ने किए कामतानाथ के दर्शन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चित्रकूट धाम में दीपावली के अवसर पर आयोजित पांच दिवसीय दीपोत्सव मेला में शामिल होकर मां मंदाकिनी नदी के पंचवटी घाट पर दीपदान किया। दीपावली में चित्रकूट में लाखों श्रद्धालु दीपदान कर रहे है। मुख्यमंत्री ने भगवान कामतानाथ मंदिर पहुंचकर दर्शन और पूजा अर्चना की। मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं को मिठाई बांटी और शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने सड़क के किनारे दीपदान के लिए दीपक बेचने वाले बच्चों से स्नेह के साथ बातचीत की और दीपक खरीदें। मुख्यमंत्री ने मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं की सुविधा और आकस्मिक चिकित्सा के लिए बनाए गए स्वास्थ्य शिविर का जायजा लिया।

ओंकारेश्वर में शंकराचार्य को उनके गुरु मिले

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ओंकारेश्वर में जगतगुरु शंकराचार्य को उनके गुरु मिले और उन्हें ज्ञान प्राप्त हुआ। इस नाते मप्र भारत के प्राचीन युग में हुई प्रमुख घटनाओं और गौरवशाली व्यक्तित्वों की शिक्षा और कर्मभूमि है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को दीपावली के पावन पर्व की शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने कामतानाथ भगवान के दर्शन और पूजा-अर्चना के बाद आमजन से संवाद किया। उन्होंने साथ सडक के किनारे चाय की दुकान पर सहजता से कुल्हड़ वाली चाय पी। उन्होंने दुकान पर चाय भी बनाई। चाय के दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं से चर्चा की।

सीएम ने ओरछा में किया प्रदर्शनी का अवलोकन स्थानीय उत्पादों एवं बुंदेली कला को सराहा

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ओरछा में हाथी साव सुपारी साव परिसर में लगाई गई विभिन्न विभागों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने प्रदर्शनी में लगाए गए विभिन्न स्टॉलों पर पहुंचकर स्थानीय इतिहास, संस्कृति, पारंपरिक खाद्य उत्पादों, औषधीय फसलों एवं स्थानीय कला से जुड़ी गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की।

मुख्यमंत्री ने प्रदर्शनी में शामिल सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए प्रत्येक प्रदर्शनी स्टॉल के प्रतिभागियों को 5-5 हजार रुपए की नगद पुरस्कार राशि देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदर्शनी में प्रदर्शित मानचित्र का अवलोकन किया तथा सीतामढ़ी सहित क्षेत्र के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व के स्थलों के बारे में जानकारी प्राप्त की। इसके साथ ही उन्होंने स्थानीय जन जीवन, क्षेत्र की विशेषताओं एवं परंपराओं के संबंध में भी जानकारी ली।



सीएम ने ओरछा में किया प्रदर्शनी का अवलोकन।

चित्रकारी का प्रदर्शन कर रही बालिकाओं से संवाद

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदर्शनी में बुंदेली कला एवं चित्रकारी का प्रदर्शन कर रही बालिकाओं से संवाद किया। उन्होंने बालिकाओं की ओर से तैयार की गई पेंटिंग्स का अवलोकन किया तथा उनकी कला एवं रचनात्मक प्रतिभा की सराहना की। मुख्यमंत्री ने उनकी बनाई हुई कुछ पेंटिंग्स स्वयं खरीदीं कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने स्थानीय कला एवं संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए सभी बालिकाओं के प्रयासों की प्रशंसा की। मुख्यमंत्री ने हाथी साव सुपारी साव परिसर में पौधारोपण किया तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने विभिन्न विभागों की ओर से स्थानीय उत्पादों, पारम्परिक खानपान, औषधीय वनस्पतियों एवं बुंदेली कला को प्रदर्शनी के माध्यम से प्रस्तुत करने के प्रयासों की सराहना की।

सांस्कृतिक पुनरुद्धार और पर्यटन विकास कार्य

ओरछा के सांस्कृतिक गौरव के पुनरुद्धार और पर्यटन विकास के लिए कुल 239.87 करोड़ रुपए की लागत वाली विभिन्न महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। इसके तहत 126.96 करोड़ रुपए की लागत से भव्य 'श्री रामराजा लोक' का निर्माण कार्य प्रगति पर है। साथ ही स्टेट आर्कियोलॉजी से 7.5 करोड़ रुपए, स्टेट टूरिज्म से 19.73 करोड़ रुपए तथा अन्य विशेष अनुभव व विकास कार्यों को भी तीव्र गति से आगे बढ़ाया जा रहा है। स्थानीय धरोहरों के संरक्षण से जुड़े कार्यों के तहत लक्ष्मी मंदिर की चारदीवारी निर्माण, रायप्रवीण महल व उद्यान, नजीर बाग एवं फूल बाग संरक्षण कार्य तथा राजा महल संरक्षण एवं बाउंड्री वाल निर्माण का कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है।

पारंपरिक व्यंजन देखे

उन्होंने विभिन्न स्टॉलों पर प्रदर्शित स्थानीय खाद्य उत्पादों एवं पारंपरिक व्यंजनों को देखा। उन्होंने मोटे अनाज से तैयार खाद्य पदार्थों, तुलसी की खेती एवं उससे बनने वाली चाय, औषधीय फसलों तथा अन्य स्थानीय उत्पादों के बारे में जानकारी प्राप्त की। इन उत्पादों के उपयोग, स्वास्थ्य लाभ एवं स्थानीय स्तर पर इनके उत्पादन की संभावनाओं के संबंध में भी रुचि दिखाई।

418 सबस्टेशनों और ट्रांसमिशन लाइनों की सुरक्षा के मद्देनजर विशेष निगरानी

दिवाली पर बिजली आपूर्ति के लिए एमपी ट्रांसको की अतिरिक्त सतर्कता

पीक लोड अवधि में 418 एक्स्ट्रा हाई टेंशन सबस्टेशनों पर रहेंगे अधिकारी, मेंटेनेंस टीमें और वाहन अलर्ट मोड में

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

रोशनी के पर्व दीपावली के दौरान प्रदेश में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए मप्र पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने अपनी ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस टीमों और एक्स्ट्रा हाई टेंशन (ईएचटी) सबस्टेशनों में अतिरिक्त सतर्कता बरतने की व्यवस्था की है। एमपी ट्रांसको की मेंटेनेंस टीमें सामान्य दिनों में भी चौबीसों घंटे अलर्ट मोड में रहकर विद्युत पारेषण व्यवस्था की निगरानी और रखरखाव करती हैं, लेकिन दीपावली के अवसर पर संभावित पीक लोड को देखते हुए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं।

ऊर्जा मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर ने बताया कि प्रदेश में एमपी ट्रांसको के 37 ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस मुख्यालय, 12 डिवीजन और 4 ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस सर्कल कार्यरत हैं। सभी 37 मेंटेनेंस मुख्यालयों में सहायक अभियंता स्तर के अधिकारी उपलब्ध रहेंगे, वहीं प्रदेश के सभी 418 एक्स्ट्रा हाई टेंशन सबस्टेशनों में पीक लोड अवधि के दौरान कम से कम जूनियर इंजीनियर स्तर के अधिकारी की तैनाती सुनिश्चित की जाएगी।

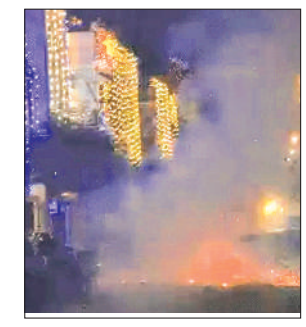

स्काडा और एसएलडीसी में वरिष्ठ अधिकारी रहेंगे तैनात

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि विद्युत पारेषण व्यवस्था की क्षेत्रीय निगरानी के लिए 220 केवी सबस्टेशनों को भी मॉनिटरिंग व्यवस्था से जोड़ा गया है। इसके अलावा जबलपुर स्थित स्काडा कंट्रोल सेंटर और स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर (एसएलडीसी) में वरिष्ठ अधिकारी विद्युत व्यवस्था की सतत मॉनिटरिंग करेंगे। इस बहुस्तरीय निगरानी व्यवस्था के माध्यम से किसी भी संभावित व्यवधान पर त्वरित संज्ञान लेकर आवश्यक कार्रवाई की जा सकेगी। एमपी ट्रांसको की यह व्यवस्था दीपावली के दौरान प्रदेश की पारेषण प्रणाली को सतर्क और तैयार रखने के उद्देश्य से की गई है।

मेंटनेंस टीमों के लिए सामग्री की व्यवस्था

मंत्री तोमर ने बताया कि आवश्यकता पड़ने पर त्वरित कार्रवाई के लिए सबस्टेशनों के बीच पूल व्हीकल की व्यवस्था की गई है, जिनमें मेंटेनेंस टीमें उपलब्ध रहेंगी। इन वाहनों के माध्यम से जरूरत वाले स्थान पर टीम को न्यूनतम समय में पहुंचाया जा सकेगा। ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस के सभी वाहन भी अलर्ट मोड में रहेंगे। इनमें आवश्यक मेंटेनेंस सामग्री उपलब्ध रहेगी, ताकि किसी भी आकस्मिक स्थिति में तत्काल सुधार कार्य शुरू किया जा सके।

हेमंत और चंद्रशेखर ने दीं शुभकामनाएं

यह समृद्धि की ओर बढ़ने की प्रेरणा देने वाला महापर्वः खण्डेलवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल



भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल एवं प्रदेश संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर ने दीपावली पर्व के पावन अवसर पर प्रदेश के समस्त नागरिकों एवं पार्टी कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि, खुशहाली एवं उत्तम स्वास्थ्य की मंगलकामना करते हुए मां लक्ष्मी से प्रार्थना की है कि उनकी कृपा प्रदेश के प्रत्येक परिवार पर सदैव बनी रहे। दीपों का यह महापर्व हर घर-आंगन में सुख, समृद्धि, विकास और नई आशाओं का उजियारा लेकर आए तथा प्रदेश का प्रत्येक नागरिक समृद्ध जीवन की ओर अग्रसर हो। खण्डेलवाल ने कहा कि मध्यप्रदेश आज पिछड़ेपन की चुनौतियों को पीछे छोड़कर विकास, प्रगति और समृद्धि के नए प्रतिमान स्थापित करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। अपार संभावनाओं से परिपूर्ण हमारा प्रदेश विकास के नए क्षितिज छूने और आत्मनिर्भर एवं समृद्ध मध्यप्रदेश के संकल्प को साकार करने के लिए संकल्पित है। खण्डेलवाल ने कहा कि दीपावली केवल दीप प्रज्वलित करने का पर्व नहीं, बल्कि अंधकार से प्रकाश, निराशा से आशा और अभाव से समृद्धि की ओर बढ़ने की प्रेरणा देने वाला महापर्व है।

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष पटवारी ने दीं दिवाली की शुभकामनाएं

दीपावली हमें प्रेम, सद्भाव और सामाजिक एकता के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है

निराशा पर आशा की विजय का प्रतीक है दीपावली पर्व

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने दीपावली के पावन पर्व पर प्रदेश के नागरिकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि दीपावली केवल दीप जलाने और खुशियां मनाने का पर्व नहीं है, बल्कि यह अंधकार पर प्रकाश, असत्य पर सत्य और निराशा पर आशा की विजय का प्रतीक है। यह पर्व हमें प्रेम, सद्भाव, भाईचारे और सामाजिक एकता के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि मेरी कामना है कि दीपावली का यह पावन पर्व प्रदेश के प्रत्येक परिवार के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली लेकर आए।



सरकार ले संकल्प

किसानों की मेहनत को उचित सम्मान मिले, युवाओं को रोजगार के अवसर मिलें, महिलाओं को सुरक्षा और सम्मान मिले तथा गरीब एवं वंचित वर्ग के जीवन में भी खुशियों का उजाला पहुंचे। पटवारी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से आग्रह किया कि दीपावली के इस पावन अवसर पर प्रदेश की जनता के हित में कुछ महत्वपूर्ण संकल्प जरूर लिए जाएं।

प्रदेश संयुक्त सचिव नियुक्त, संगठन मजबूत करना मकसद

डॉ. जीशान अहमद को आम आदमी पार्टी ने सौंपी प्रदेश संगठन की अहम जिम्मेदारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

आम आदमी पार्टी ने मध्यप्रदेश में संगठन को मजबूती देने के लिए चिकित्सक एवं सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. जीशान अहमद को प्रदेश संयुक्त सचिव (संगठन) नियुक्त किया है। नई दिल्ली स्थित पार्टी के राष्ट्रीय कार्यालय में मध्यप्रदेश प्रभारी जितेन्द्र सिंह तोमर ने उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपा। इस दौरान प्रदेश संगठन मंत्री सत्यप्रकाश सिंह और भोपाल जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष निधि वर्मा मौजूद रहीं। नियुक्ति पर डॉ. अहमद ने नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि वे युवाओं और महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के साथ जिला, विधानसभा और वार्ड स्तर पर नए कार्यकर्ताओं को जोड़कर संगठन को मजबूत करेंगे।



दीपावली के पावन पर्व की मंत्री राजपूत ने दी शुभकामनाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल



खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने सुख, शांति, समृद्धि और प्रकाश के महापर्व दीपावली के शुभ अवसर पर समस्त प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा है कि मां महालक्ष्मी और विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश की असीम अनुकंपा से हर परिवार अन्न, धन और वैभव से परिपूर्ण रहे। यह दीपोत्सव प्रत्येक नागरिक के जीवन में खुशहाली, उत्तम स्वास्थ्य और प्रगति का नया सवेरा लेकर आए। इस पावन अवसर पर हम सब मिलकर जरूरतमंदों के चेहरों पर मुस्कान लाने का संकल्प लें।

वनदेवी, ठाकुर बाबा व बघासुर के स्थान पर दीपदान कर प्रकृति के प्रति जताते हैं आभार

जंगल, जमीन और फसल में बसती हैं जनजातीय दिवाली की खुशियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

दीपावली का पर्व देशभर में रोशनी, खुशियों और समृद्धि के उत्सव के रूप में मनाया जाता है, लेकिन जनजातीय अंचलों में इस पर्व का स्वरूप कुछ अलग और बेहद खास है। यहां दीपावली केवल घरों को रोशन करने या धन-संपत्ति की पूजा करने का त्योहार नहीं, बल्कि जंगल, जमीन, जल, फसल, पशु-पक्षियों और प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करने का अवसर भी है। जनजातीय समाज की सदियों पुरानी लोक परंपराओं में दीपावली का हर दिन प्रकृति के साथ उसके गहरे रिश्ते की कहानी कहता है।



नई पीढ़ी तक पहुंच रही सांस्कृतिक विरासत

जनजातीय समाज की दीपावली हमें यह समझाती है कि त्योहारों का वास्तविक आनंद केवल रोशनी और उत्सव में नहीं, बल्कि अपनी प्रकृति, परंपराओं और जीवन के आधार के प्रति सम्मान में भी छिपा है। जहां घरों में दीपक खुशियों का उजाला फैलाते हैं, वहीं खेतों में जलने वाले दीप मेहनत और अन्न के महत्व को रेखांकित करते हैं। वनदेवी, ठाकुर बाबा और बघासुर के स्थान पर किया जाने वाला दीपदान जंगल और वन्यजीवों के साथ आत्मीय रिश्ते को जीवंत रखता है। पांच दिवसीय दीपावली के बाद एकादशी तक चलने वाले लोकनृत्य, सामूहिक पूजा और पारंपरिक अनुष्ठान जनजातीय संस्कृति की विशिष्ट पहचान हैं। यह लोक परंपरा नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने के साथ प्रकृति संरक्षण, सामुदायिक सद्भाव और श्रम के सम्मान का संदेश भी देती है। जनजातीय अंचलों की यह दीपावली वास्तव में जंगल, जमीन और जीवन के प्रति कृतज्ञता का पर्व है।

वनांचल के गांवों में दिखाई देता है उत्सव का अलग रंग

पांच दिवसीय दीपावली पर्व के दौरान कहीं वनदेवी और ठाकुर बाबा के स्थान पर दीपदान किया जाता है, तो कहीं खेतों में दीप जलाकर अच्छी फसल और खुशहाली की कामना की जाती है। दीपावली की रात वनांचल के गांवों में उत्सव का अलग ही रंग दिखाई देता है। स्थानीय परंपरा में इसे 'दिवाली जगाने' का रिवाज कहा जाता है। ग्रामीण एक स्थान पर एकत्रित होकर ढोल-मांदर की थाप पर पारंपरिक लोकनृत्य करते हैं।

भोर की पहली किरण के साथ सुरों ने सजाई दीपावली, 'दिवाली पहाट' में बही संगीत की सरिता

जनजातीय संग्रहालय में भाग्यश्री देशपांडे और महेश कंठे की शास्त्रीय एवं उपशास्त्रीय प्रस्तुतियों ने बांधा समां

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

22 मंडलों के 45 सदस्य सम्मानित

भोर की पहली किरण, दीपावली के उल्लास से भरा माहौल और रागों में घुली सुरों की मिठास... जनजातीय संग्रहालय का परधौनी सभागार शनिवार की सुबह संगीत की मधुर स्वर लहरियों से गूंज उठा। कहीं शास्त्रीय संगीत के सुरों ने मन को सुकून दिया तो कहीं पारंपरिक मराठी उत्सव गीतों ने दीपावली की सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत कर दिया। मौका था मराठी साहित्य अकादमी, मप्र संस्कृति परिषद की ओर से आयोजित प्रातःकालीन सांगीतिक सभा दिवाळी पहाट का। इसमें मुंबई की ख्यातनाम शास्त्रीय एवं उपशास्त्रीय गायिका भाग्यश्री देशपांडे और सहगायक महेश कंठे ने अपनी सुरीली प्रस्तुतियों से संगीतप्रेमियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर मराठी मंडलों के चयनित 22 मंडलों के 45 सदस्यों को सम्मानित किया गया।













रागों की मिठास ने सुबह को बनाया यादगार

संगीत सभा में भाग्यश्री देशपांडे और महेश कंठे ने प्रातःकालीन रागों पर आधारित शास्त्रीय एवं उपशास्त्रीय गायन की मनोहारी प्रस्तुतियां दीं। दोनों कलाकारों की सुरों पर पकड़, भावपूर्ण अभिव्यक्ति और गायकी के आपसी तालमेल ने सभागार में मौजूद श्रोताओं को संगीत की अलग ही दुनिया में पहुंचा दिया। उनकी प्रस्तुतियों में शास्त्रीय संगीत की गंभीरता के साथ उत्सव की उमंग भी सुनाई दी। गायन के साथ कौस्तुभ तळेकर ने तबले पर, मंदार दीक्षित ने संवादिनी पर, मधुकर धोंगड़े ने पखावज पर और विजेंद्र बागकर ने तालवाद्य पर प्रभावशाली संगत की।

मां की बनारसी, दादी की चंदेरी और अपनी शादी की माहेश्वरी साड़ी...पुरानी साड़ियों में सहेजी यादों को सस्टेनेबल फैशन से दिया नया रूप

अब अलमारी में सहेजी इन अनमोल यादों को नया रूप देकर फैशन स्टेटमेंट बना रही हैं युवतियां...



मनीष आनंद, मिसेज इंडिया 2024

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

नई खरीदारी छोड़ युवतियां सहेजी हुई साड़ियों को दे रही हैं नया रूप

दिवाली पर हर कोई कुछ नया पहनना चाहता है, लेकिन इस बार फैशन का नया अंदाज पुराना होकर भी खास है। दरअसल, अब युवतियां त्योहार पर नई खरीदारी के बजाय अपनी अलमारी में सालों से सहेजकर रखी पुरानी साड़ियों को नया रूप दे रही हैं। जिसमें किसी ने मां की बनारसी साड़ी को किसी ने दादी की चंदेरी और माहेश्वरी और खुद की शादी की कांजीवरम साड़ी को इंडोवेस्टर्न स्टाइल में कन्वर्ट करके नया रुप दिया हैं।



कम खरीदारी, ज्यादा क्रिएटिविटी

अल्पा ने कहा कि सस्टेनेबल फैशन का यह अंदाज कपड़ों की बबार्दी कम करने और पुराने परिधानों का बेहतर इस्तेमाल करने की दिशा में भी अहम है। हर त्योहार पर नया आउटफिट खरीदने के बजाय पुराने कपड़ों को री-डिजाइन कर नया लुक दिया जा सकता है। इससे फैशन में क्रिएटिविटी भी आती है और पारंपरिक भारतीय वस्त्रों की खूबसूरती भी बरकरार रहती है।

कांजीवरम को मिला इंडो वेस्टर्न ट्विस्ट



फैशन के साथ भावनाओं का जुड़ाव

शहर की मशहूर फैशन डिजाइनर अल्पा रावल के अनुसार इन पारंपरिक साड़ियों को डिजाइनर जैकेट, लॉन्ग श्रग, को-ऑर्ड सेट, इंडो-वेस्टर्न ड्रेस और नए स्टाइलिश आउटफिट में तब्दील करके नया रुप दिया जा रहा है। इन परिधानों के साथ केवल खूबसूरती ही नहीं, बल्कि परिवार की यादें और भावनाएं भी जुड़ी रहती हैं। शादी की साड़ी, किसी खास अवसर पर मिली साड़ी या मां की पसंदीदा साड़ी जब नए अंदाज में सजकर सामने आती है, तो वह पहनावा एक नई कहानी कहता है। यही वजह है कि इस दिवाली सस्टेनेबल फैशन का ट्रेंड युवतियों को आकर्षित कर रहा है, जहां पुरानी चीजों को नया जीवन देकर फैशन के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया जा रहा है।





बेल्ट और स्टेटमेंट ज्वेलरी के साथ स्टाइल करके दिया आकर्षक लुक

फैशन एक्सपर्ट अल्पा ने कहा कि सस्टेनेबल फैशन के ट्रेंड के चलते चंदेरी, माहेश्वरी और बनारसी जैसी पारंपरिक साड़ियों को नए आउटफिट में ढालने का चलन बढ़ा है। इन साड़ियों की खूबसूरती और उनकी पारंपरिक बुनावट को बरकरार रखते हुए डिजाइनर परिधान तैयार किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुरानी साड़ियों से लॉन्ग जैकेट, श्रग, गाउन, स्कर्ट, अनारकली और इंडो-वेस्टर्न के साथ साथ लंहगा साड़ी जैसे आउटफिट बनाए जा सकते हैं। इन्हें बेल्ट और स्टेटमेंट ज्वेलरी के साथ स्टाइल करके दिवाली पार्टी के लिए आकर्षक लुक तैयार किया जा सकता है।



मॉडल अंकिता मिश्रा।



मिट्टी के दीपकों और हस्तशिल्प की रही धूम

गौहर महल में दीपोत्सव मेले का समापन प्रदेशभर के शिल्पकारों का हुआ सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

गौहर महल में आयोजित दीपोत्सव मेले का समापन शनिवार को उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ। मध्यप्रदेश हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम की ओर से आयोजित इस मेले के अंतिम दिन प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए शिल्पकारों और कारीगरों को उनके उत्कृष्ट हस्तशिल्प एवं पारंपरिक कला के लिए सम्मानित किया गया। समापन अवसर पर कारीगरों के योगदान की सराहना करते हुए कहा गया कि प्रदेश की पारंपरिक कलाओं और शिल्प विधाओं को जीवित रखने में उनका महत्वपूर्ण योगदान है। दीपोत्सव मेले में मिट्टी से बनी पारंपरिक कलाकृतियों, दीपकों, सजावटी वस्तुओं और हस्तनिर्मित उत्पादों ने शहरवासियों का ध्यान आकर्षित किया।

प्रदेश की समृद्ध विरासत की प्रदर्शित

मेले में कारीगरों ने अपनी रचनात्मकता और पारंपरिक हुनर के माध्यम से मध्यप्रदेश की समृद्ध लोककला और सांस्कृतिक विरासत को प्रस्तुत किया। दीपावली के अवसर पर घरों को सजाने के लिए उपयोगी आकर्षक वस्तुओं के साथ मिट्टी के दीयों की विशेष मांग रही। मेले का उद्देश्य स्थानीय कारीगरों को बाजार उपलब्ध कराने के साथ उनकी कला को नई पहचान देना और पारंपरिक शिल्प को प्रोत्साहित करना रहा। आयोजन ने शिल्पकारों को सीधे ग्राहकों से जुड़ने और अपने उत्पादों के प्रदर्शन एवं बिक्री का अवसर भी प्रदान किया।

सारिका ने के विश्लेषण से खुला राज

आखिर क्यों बार-बार बदलती है दीपावली की तारीख?

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

हर साल जब भी त्योहारों का मौसम आता है, तो एक सवाल हर किसी के मन में उठता है-इस बार दिवाली अक्टूबर में है या नवंबर में। साल 1986 से लेकर आगामी 2036 तक के डेटा का विश्लेषण करें, तो दीपावली की तारीखों में एक बेहद दिलचस्प वैज्ञानिक और खगोलीय पैटर्न नजर आता है। नेशनल अवॉर्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने 51 सालों के कालखंड का गणितीय और खगोलीय विश्लेषण करते हुए कुछ बेहद रोचक तथ्य सामने रखे हैं। सारिका घारू के विश्लेषण के अनुसार, 1986 से 2036 के बीच कुल 51 दीपावली में से कुल 26 बार दीपावली अक्टूबर के महीने में तथा 25 बार नवंबर के महीने में आ रहा है। यह डेटा दिखाता है कि दोनों महीनों के बीच



का अनुपात लगभग 50-50 का है, जो हमारे कैलेंडर की सटीकता को दर्शाता है। सारिका बताती है कि इन 50 सालों में सबसे जल्दी दीपावली 17 अक्टूबर को मनाई गई । इस समय सर्दियों की बस शुरुआत होने को होती है। इसके साथ ही सबसे देरी से दीपावली 14 नवंबर को पड़ी है । इस समय तक देश के कई हिस्सों में अच्छी गुलाबी ठंड दस्तक दे चुकी होती है। सारिका बताती हैं कि ऐसा इसलिए होता है क्योंकि हमारा अंग्रेजी कैलेंडर सूर्य की गति पर आधारित 365 दिन का है , जबकि हिंदू पंचांग चंद्र-सौर गणना पर चलता है।

स्कूलों में आयोजित होंगे पूर्व छात्र सम्मेलन अपने अनुभव से विद्यार्थियों को देंगे मार्गदर्शन

कॉलेजों की तर्ज पर हाई और हायर सेकेंडरी स्कूलों में होंगे आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

स्कूलों के विकास और शिक्षा की गुणवत्ता बेहतर बनाने के लिए अब पूर्व विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करने की पहल की जा रही है। इसी कड़ी में प्रदेश के हाई और हायर सेकेंडरी स्कूलों में कॉलेजों की तर्ज पर पूर्व छात्र सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। स्कूल शिक्षा विभाग ने इस दिशा में पहल करते हुए 15 नवंबर तक विद्यालयों में पूर्व छात्र सम्मेलन आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। इस पहल का मुख्य उद्देश्य पुराने विद्यार्थियों को उनके स्कूल से दोबारा जोड़ना और उनके अनुभव, उपलब्धियों तथा संसाधनों का उपयोग वर्तमान विद्यार्थियों के हित में करना है। पूर्व छात्र अपने पुराने स्कूल पहुंचकर शिक्षकों और विद्यार्थियों से संवाद करेंगे। साथ ही वे अपने शैक्षणिक और व्यावसायिक अनुभव साझा कर विद्यार्थियों को भविष्य की दिशा चुनने में मार्गदर्शन देंगे।

पूर्व छात्रों की बनेगी समिति :

सम्मेलन के माध्यम से प्रत्येक विद्यालय में पूर्व विद्यार्थियों की सूची तैयार कर उनसे संपर्क स्थापित किया जाएगा। इसके बाद पूर्व छात्र समितियों के गठन की व्यवस्था की जाएगी। ये समितियां स्कूलों में पुस्तकालय, खेल सामग्री, शिक्षण संसाधन और अन्य आवश्यक सुविधाओं के विकास में सहयोग कर सकेंगी। इसके अलावा जरूरतमंद विद्यार्थियों को मार्गदर्शन और प्रोत्साहन देने में भी उनकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी।



स्कूल और समाज के बीच मजबूत होगा रिश्ता

इस पहल से विद्यालयों का अपने पुराने विद्यार्थियों के साथ भावनात्मक और सामाजिक जुड़ाव बढ़ेगा। साथ ही स्कूलों को स्थानीय स्तर पर सहयोग, संसाधन और अनुभवों का लाभ मिलेगा। यदि इस व्यवस्था को नियमित रूप से आगे बढ़ाया जाता है तो पूर्व छात्र सम्मेलन सरकारी स्कूलों की तस्वीर बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।